MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 08 जून, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-156

इंडिया 'गठ'बंधन ढीला

ममता आई - डीएमके, आप गई

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

विपक्ष एक बार फिर एकजुट हो रहा है। विपक्षी गठबंधन म इंडिया म ब्लॉक ने सोमवार को बैठक बुलाई है। इस बैठक में 23 राजनीतिक पार्टियां हिस्सा लेंगी। हालांकि, बैठक से पहले ही गठबंधन में मटूटफ भी नजर आ रही है। आम आदमी पार्टी समेत कई पार्टियों ने बैठक में हिस्सा लेने से मना कर दिया है।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बताया कि 8 जून को दिल्ली के कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए 23 पार्टियों ने अपनी सहमति जता दी है। उन्होंने बताया कि कुछ पार्टियों ने अपने-अपने कारणों से इस बैठक में शामिल होने में असमर्थता जताई है। इस बैठक में शामिल होने के लिए पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की प्रमुख ममता बनर्जी भी दिल्ली पहुंच गई हैं।

बंगाल के विधानसभा चुनाव में हार के बाद ममता बनर्जी का दिल्ली का यह पहला दौरा है। सोमवार को वह इंडिया ब्लॉक की बैठक में शामिल होंगी।

इस बीच, दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ममता बनर्जी से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि ममता बनर्जी सोनिया गांधी से भी मुलाकात कर सकती हैं।

इंडिया ब्लॉक की बैठक दोपहर 12 बजे शुरू होगी। इस बैठक में एसआईआर, जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग, महंगाई और पेपर लीक जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी।

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने आगे कहा कि सरकार जांच एजेंसियों के जरिए विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है, करोड़ों भारतीयों की रोजी-रोटी को गंभीर नुकसान पहुंचा रही है। लगातार महंगाई के जरिए घरेलू बजट को बिगाड़ रही है, लाखों युवाओं की उम्मीदों और आकांक्षाओं के साथ विश्वासघात कर रही है। निवेश के माहौल को कमजोर कर रही है और अपनी विदेश नीति के जरिए राष्ट्रीय हितों से समझौता कर रही है।

इस बैठक से आम आदमी पार्टी ने दूरी बना ली है। आप नेता सोमनाथ भारती ने आरोप लगाया कि कांग्रेस छोटी पार्टियों को कमजोर करने के लिए बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक गठबंधन बनाने वाली पॉलिटिकल पार्टियों से मेरी दिल से गुजारिश है कि मेरी सोच के हिसाब से कांग्रेस देश भर में रीजनल और छोटी पार्टियों को कमजोर करने के लिए बीजेपी के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि भाजपा और कांग्रेस बारी-बारी से देश पर राज कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि मकांग्रेस के ऐसे दोहरे रवैये की वजह से आम आदमी पार्टी ने गठबंधन से दूरी बनाने का फैसला किया है अगर कांग्रेस ही इसे लीड करता रही।

इंडिया ब्लॉक की पार्टियों- द्रमुख (डीएमके) और सीपीआई (एम) ने कांग्रेस को घेरा है। डीएमके ने सोमवार को होने वाली बैठक में न जाने का फैसला लिया है। सीपीआई (एम) ने भी आरोप लगाया कि कांग्रेस का बर्ताव इंडिया ब्लॉक को नुकसान पहुंचा रहा है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस पीठ में छुरा घोंपने वाली है। उन्होंने हमारा काम और डीएमके पार्टी के वर्कर्स की मेहनत और पसीना चुराया और फिर खेमा बदल लिया। यह मौकापरस्ती का सबसे अच्छा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि अगर पार्टी ऐसी जगह हिस्सा लेती है या वहां दिखती है, जहां कांग्रेस शामिल है तो यह सभी डीएमके कैडर का अपमान होगा।

वहीं, सीपीआई (एम) नेता हन्नान मोल्लाह ने कहा कि गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते कांग्रेस की एक बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि गठबंधन में किसी भी सबसे बड़ी पार्टी की मोर्चे को एक साथ रखने में अहम भूमिका होती है, लेकिन दुर्भाग्य से कांग्रेस नेता जरूरी समझदारी नहीं दिखा रहे हैं। तमिलनाडु चुनाव के बाद डीएमके ने कांग्रेस के उनके गठबंधन से बाहर ▶8 पर

लगातार 19वें महीने खरीदा

चीन गोल्ड गेम!

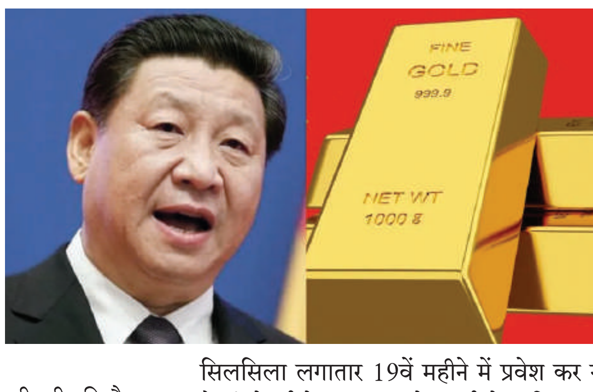

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

सोना-चांदी की कीमतों में वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल देखने को मिल रही है। इस बीच चीन गोल्ड को लेकर अलग ही रणनीति पर काम करता नजर आ रहा है। ड्रैगन लगातार अपने गोल्ड रिजर्व में इजाफा कर रहा है और मई महीने में भी उसने कीमती पीली धातु की बड़ी मात्रा में खरीदारी की है। यह लगातार 19वां महीना है, जब चीन के केंद्रीय बैंक ने सोना खरीदा है।

मई में 3.20 लाख ट्रॉय औंस सोना जोड़ा

रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन ने अपनी गोल्ड खरीद का सिलसिला जारी रखा हुआ है। मई महीने में चीन के केंद्रीय बैंक ने अपने रिजर्व में 3,20,000 ट्रॉय औंस सोना जोड़ा। रविवार को जारी केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, मई में चीन के आधिकारिक गोल्ड रिजर्व में यह बढ़ोतरी दर्ज की गई, जिसके बाद देश का कुल स्वर्ण भंडार बढ़कर 74.96 मिलियन औंस हो गया। अप्रैल महीने में यह आंकड़ा 74.64 मिलियन औंस था।

मूल्य के हिसाब से देखें तो पिछले महीने के अंत तक चीन के स्वर्ण भंडार का कुल मूल्य 340.75 अरब डॉलर पहुंच गया। मार्केट विश्लेषकों के अनुसार, दिसंबर 2024 के बाद यह चीन की सबसे बड़ी मासिक सोना खरीदारी है। दिसंबर 2024 में चीन ने एक महीने में 3,30,000 औंस सोने की खरीदारी की थी।

2015 के बाद सबसे लंबा खरीदारी अभियान

चीन के पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना द्वारा मई में की गई खरीदारी के साथ ही सोना खरीदने का सिलसिला लगातार 19वें महीने में प्रवेश कर गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, डेढ़ वर्ष से अधिक समय तक हर महीने लगातार सोना खरीदना चीन की आरक्षित संपत्तियों को मजबूत करने की नीति को दर्शाता है। यह 2015 के बाद से चीन का सबसे लंबा गोल्ड खरीदारी अभियान भी माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि यह खरीदारी ऐसे समय में की गई है, जब अंतरराष्ट्रीय कमोडिटी बाजार में सोने की कीमतों पर दबाव बना हुआ है।

दबाव में वैश्विक सोने की कीमतें

अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता विफल होने के कारण मई में हाजिर सोने की कीमतों में लगातार तीसरे महीने गिरावट दर्ज की गई। तेल की बढ़ती कीमतों ने महंगाई का जोखिम बढ़ाया है और ब्याज दरों के लंबे समय तक ऊंचे स्तर पर बने रहने की आशंकाओं को बल दिया है। इसके चलते अमेरिकी डॉलर में मजबूती बनी हुई है।

जून महीने में भी सोने की कीमतों में गिरावट का रुख जारी रहा और हाल ही में इसका भाव लगभग 4,330 डॉलर प्रति औंस दर्ज किया गया।

क्या है चीन का गोल्ड गेम?

विशेषज्ञों का मानना है कि चीन का लगातार सोना खरीदना केवल निवेश का मामला नहीं है, बल्कि यह उसकी ▶8 पर

अखिलेश का गंभीर आरोप

राम मंदिर चढ़ावे में करोड़ों गायब?

लखनऊ/अयोध्या, 07 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की सियासत में अयोध्या और राम मंदिर को लेकर एक बार फिर बड़ा भूचाल आ गया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक बेहद गंभीर पोस्ट शेयर की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि अयोध्या स्थित मराम मंदिरफ में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाए गए चढ़ावे की करोड़ों रुपये की रकम गायब पाई गई है। उधर, मंदिर ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास ने इन आरोपों को पूरी तरह से निराधार और राजनीति से प्रेरित बताया है।

दरअसल, यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, समस्त विश्व में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील समाचार है कि राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों की रकम गायब पाई गई है। ये मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। न्यायालय से स्वतः संज्ञान लेने की मांग है क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे से करोड़ों रुपये गायब होने के अखिलेश यादव के आरोपों पर अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से पहली आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आ गई है। ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास ने सपा अध्यक्ष के आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए करारा पलटवार किया है। महंत दिनेंद्र दास का कहना है, ट्रस्ट में ऐसी गलती होगी ही नहीं। हमारे यहां हर लेन-देन का पूरा लिखित ▶8 पर

एलन मस्क की चेतावनी

भारत की जन्म दर चिंताजनक

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने भारत की जनसंख्या संबंधी बदलती तस्वीर पर चिंता जताई है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर हालिया प्रजनन दर के आंकड़ों पर प्रतिक्रिया देते हुए मस्क ने कहा कि भारत की जन्म दर अब रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे पहुंच चुकी है और देश के शिक्षित वर्ग में यह दर कई वर्ष पहले ही इस स्तर से नीचे आ गई थी।

मस्क ने अपने पोस्ट में लिखा, भारत की जन्म दर रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे गिर चुकी है। सबसे अधिक शिक्षित आबादी में यह दर कई साल पहले ही रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे पहुंच गई थी। उनकी यह टिप्पणी 2024 के सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एसआरएस) की रिपोर्ट के बाद आई है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत की कुल प्रजनन दर घटकर 2.1 से 1.9 बच्चे प्रति महिला रह गई है।

क्या होता है रिप्लेसमेंट लेवल?

जनसंख्या विशेषज्ञों के अनुसार 2.1 बच्चे प्रति महिला की प्रजनन दर को रिप्लेसमेंट लेवल माना जाता है। इसका अर्थ है कि एक जनरेशन (पीढ़ी) अपनी अगली जनरेशन को बिना माइग्रेशन (प्रवासन) के स्थिर रूप से रिप्लेस कर सके। यदि किसी देश की प्रजनन दर लंबे समय तक रिप्लेसमेंट लेवल से नीचे बनी रहती है, तो जनसंख्या वृद्धि धीमी पड़ जाती है और भविष्य में नकारात्मक भी हो सकती है।

जनसंख्या वृद्धि के नकारात्मक होने का मतलब है कि किसी देश या क्षेत्र में लोगों की कुल संख्या बढ़ने के बजाय घटने लगे। सरल शब्दों में: यदि जन्म लेने वाले लोगों की संख्या+ आने वाले प्रवासी मरने वाले लोगों की संख्या+ बाहर जाने वाले प्रवासी से कम हो जाए, तो जनसंख्या वृद्धि दर नकारात्मक हो जाती है।

नेगेटिव पॉपुलेशन ग्रोथ क्या है?

उदाहरण के लिए: एक साल में 10 लाख बच्चे पैदा हुए और 12 लाख लोगों की मृत्यु हो गई। प्रवासन का प्रभाव शून्य रहा। मतलब दूसरे देश से कोई प्रवासी नहीं आया और अपने देश से कोई बाहर नहीं गया तो ऐसी स्थिति में आबादी 2 लाख कम हो जाएगी। इसे नकारात्मक जनसंख्या वृद्धि कहा जाएगा।

विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार कम प्रजनन दर से आबादी के बूढ़े होने, वर्क फोर्स कम होने, पेंशन, हेल्थ सर्विस, और सोशल वेलफेयर पर खर्च बढ़ने से अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ने जैसी चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

कम बच्चे पैदा होने से समाज में बुजुर्गों का अनुपात बढ़ जाता है। युवाओं की संख्या कम होने से उद्योगों और सेवाओं में श्रमिकों की कमी हो सकती है। वर्क फोर्स की कमी का मतलब प्रोडक्शन और टैक्स कलेक्शन में कमी आना। अधिक बुजुर्ग आबादी के कारण सरकारों को पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं पर ज्यादा खर्च करना पड़ता है। यानी ऐसी स्थिति में सरकार की आमदनी घटती है और खर्चा बढ़ जाता है।

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की 2025 की मस्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशनफ रिपोर्ट में भी भारत की प्रजनन दर 1.9 बच्चे प्रति महिला बताई गई है, जो रिप्लेसमेंट लेवल 2.1 से कम है। हालांकि 1.46 अरब से अधिक आबादी के साथ भारत अब भी दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश है, लेकिन नए आंकड़े संकेत देते हैं कि देश अब जनसांख्यिकीय संक्रमण के नए दौर में प्रवेश कर रहा है। इस चरण की पहचान छोटे परिवारों, कम प्रजनन दर और धीमी जनसंख्या वृद्धि से होती है।

जन्म दर और प्रजनन दर में अंतर: दोनों अलग-अलग संकेतक हैं

अक्सर जन्म दर और प्रजनन दर को एक ही माना जाता है, लेकिन दोनों अलग-अलग संकेतक हैं।

जन्म दर: किसी वर्ष में प्रति 1,000 आबादी पर होने वाले जीवित जन्मों की संख्या।

कुल प्रजनन दर (टीएफआर): एक महिला के जीवनकाल में औसतन पैदा होने वाले बच्चों की संख्या है।

दोनों संकेतक आपस में जुड़े हुए हैं। ▶8 पर

इजरायल पर ईरान-हिजबुल्लाह ने एक साथ बोला हमला

मिडिल ईस्ट में तनाव चरम पर, दो मोर्चों पर एक साथ मिसाइल और ड्रोन हमला

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

मिडिल ईस्ट में तनाव फिर बढ़ गया है। रविवार देर रात इजरायल पर दो तरफ से एक साथ हमला हो गया। ईरान ने इजरायल की तरफ मिसाइलें दागीं। वहीं लेबनान की तरफ से हिजबुल्लाह ने भी मिसाइल और ड्रोन से हमला बोल दिया। इसके बाद इजरायल का डिफेंस सिस्टम एक्टिव हो गया, फिर अलग-अलग शहरों में सायरन की आवाज गूंजने लगी। ईरान ने इजरायल पर ये हमले लेबनान की वजह से किए हैं। ईरान चाहता है कि इजरायल लेबनान पर सैन्य एक्शन बंद कर दे। लेकिन इजरायल वहां हिजबुल्लाह समेत दूसरे ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है। हमलों के बीच ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के सलाहकार मोहसेन रेजाई का बयान भी आया। उन्होंने कहा कि ईरान ने बार-बार चेतावनी दी थी कि वह युद्धविराम के उल्लंघन और लेबनान पर हमलों को बर्दाश्त नहीं करेगा। हमलावरों को आज रात इसका जवाब मिल गया। वहीं ईरान की फोर्स आईआरजीसी ने कहा कि इजरायल बार-बार युद्धविराम का उल्लंघन करते हुए, अपराधी अमेरिका की मिलीभगत और अंतरराष्ट्रीय मंचों की चुप्पी के चलते लेबनान के उत्पीड़ित लोगों के खिलाफ अपनी क्रूरता को लगातार तेज कर रहा है, और फास्फोरस बमों सहित प्रतिबंधित हथियारों का इस्तेमाल करके वॉर-क्राइम कर रहा है। ▶8 पर

मोजतबा खामेनेई घायल : ट्रंप

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

ईरान और अमेरिका के बीच तनाव लगातार बना हुआ है। संभावित समझौते को लेकर चर्चाएं जरूर हो रही हैं, लेकिन स्थिति अभी भी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई का जिक्र करते हुए कहा, ममैं यह नहीं कहना चाहता कि मुझे पता है कि वह कहां हैं, लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि वह गंभीर रूप से घायल हैं।फ्बता दें, 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर बड़ा हमला किया था, जिसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के मारे जाने की खबर सामने आई। इसके बाद 9 मार्च को अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई को ईरान का नया सुप्रीम लीडर नियुक्त कर दिया गया। इस बीच, मोजतबा खामेनेई की स्थिति को लेकर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है। कुछ लोगों का मानना है कि वे भी हमले का शिकार हो गए थे, ▶8 पर

गहलोत साजिश का शिकार

कांग्रेस अध्यक्ष बनाने का फैसला हो चुका था

जयपुर, 07 जून (एजेंसियां)।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के बड़े नेता अशोक गहलोत ने एक बार फिर वो पुराना मामला उठाया है, जब वो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते-बनते रह गए थे। गहलोत का कहना है कि उन्हें अध्यक्ष बनाने का फैसला हो चुका था, लेकिन एक साजिश की वजह से सब कुछ पलट गया। और आज भी लोग असली सच नहीं जानते।

कुछ साल पहले कांग्रेस में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की बात चली। उस वक्त सोनिया गांधी और कांग्रेस की टॉप लीडरशिप ने अशोक गहलोत को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का मन बना लिया था। गहलोत खुद भी इस पद के लिए तैयार थे और उन्होंने इसे सम्मान की बात मानी थी।

लेकिन जैसे ही यह तय होने लगा, पार्टी ने राजस्थान में पर्यवेक्षक भेजे यानी ऐसे नेता जो वहां

की स्थिति देखने आए। इसके बाद हालात तेजी से बदल गए। गहलोत के मुताबिक, इस पूरे घटनाक्रम के पीछे एक बड़ी साजिश थी, जिसकी वजह से वो अध्यक्ष नहीं बन पाए।

इस पूरे मामले के बाद देशभर में यह बात फैल गई कि गहलोत ने खुद ही अध्यक्ष पद से मना कर दिया, क्योंकि वो राजस्थान का मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ना चाहते थे। यानी लोगों की नजर में यह गहलोत की अपनी पसंद थी। यहां तक कि उनके अपने करीबी लोग और समर्थक भी यही मानते रहे। गहलोत अब साफ कह रहे हैं कि यह धारणा गलत है। ▶8 पर

डेनमार्क में क्रूरता : डाल्फिन और व्हेल समेत 700 मछलियों को मार डाला

मछलियों को चाकुओं से चीरकर जश्न मनाया, लाल हुआ समंदर

कोपेनहेगन

इंसानों की क्रूरता की ऐसी खौफनाक तस्वीर शायद ही आपने कभी देखी हो। मछलियों को पकड़कर जीवन यापन करना एक सामान्य बात है, लेकिन व्हेल और डाल्फिन जैसे बेहद संवेदनशील और बुद्धिमान जलीय जीवों को जिंदा ही चाकुओं से चीर डालना और फिर उन्हें तड़पते देखकर जश्न मनाना बेहद दिल दहलाने वाला है। डेनमार्क के अधिकार क्षेत्र में आने वाले फारो द्वीप पर लोग हर साल इस तरह का एक क्रूर उत्सव मनाते हैं, जिसे स्थानीय भाषा में द ग्रिंड कहा जाता है। इस पारंपरिक संहार को देखने के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं और बच्चे भी समंदर के किनारे इकट्ठा होते हैं।

इस बार आयोजित हुए द ग्रिंड के दौरान लगभग 700 व्हेल और डाल्फिन को नावों के जरिए जबरन खींचकर किनारे की ओर लाया गया और फिर उथले समंदर में धारदार चाकुओं से उन्हें बेरहमी से फाड़ डाला गया। इन बेजुबान जीवों की इस नृशंस हत्या से इतना खून निकला कि समंदर का पूरा पानी लाल हो गया।

जानकारी के मुताबिक, यह खूनी आयोजन बीते 27 मई को किया गया था, जिसके बाद समंदर का पूरा तट सैकड़ों कटी-फटी मछलियों के शवों से पट गया। ग्लोबल मरीन कंजर्वेशन सी शेफर्ड की डायरेक्टर वैलेंटीना क्रास्ट ने इस पर कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि उन्होंने यूरोपीय सरकारों से इस बर्बर कार्यक्रम पर तुरंत प्रतिबंध लगाने की मांग की है, लेकिन प्रशासन द्वारा इस दिशा में कोई सुनवाई नहीं की जा रही है। सरकारी आंकड़ों और रिपोर्ट के मुताबिक, इस बार द ग्रिंड वाले दिन कम से कम 402 पायलट व्हेल और लगभग 300 डाल्फिन को मौत के घाट उतार दिया गया।

पशु अधिकार संस्था पेटा की अध्यक्ष एलिसा एलेन ने इस पर गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि ये जलीय जीव दर्द से कराहते हैं और छटपटाते हैं। व्हेल और डाल्फिन जैसी मछलियां इंसानों की तरह ही अपने पूरे परिवार के साथ समूह में रहती हैं, और इस उत्सव के नाम पर उनके पूरे कुनबे को ही निर्दयता से मिटा दिया जाता है।

चूंकि ये जीव बेहद संवेदनशील होते हैं, इसलिए इन्हें शारीरिक और मानसिक दर्द का अहसास भी बहुत ज्यादा होता है।एनीमल राइट एक्टिविस्ट्स का कहना है कि यह नृशंस कार्यक्रम करीब 1000 साल पुराने वाइकिंग युग की परंपरा है। हालांकि, फारो द्वीप एक स्वायत्त और स्वतंत्र क्षेत्र है, इसलिए यहां के लोग इसे अपनी प्राचीन संस्कृति और पहचान का अहम हिस्सा मानते हैं। आलोचकों और एक्टिविस्ट्स का तर्क है कि आज के आधुनिक और सभ्य युग में इस तरह की हिंसक परंपराओं की कोई जरूरत नहीं है।

न्यूज ब्रीफ

जर्मनी को टोमाहाक मिसाइल देने की योजना पर अमेरिका कर रहा पुनर्विचार

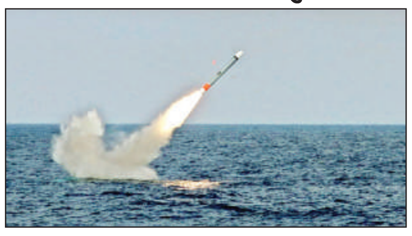

वाशिंगटन। अमेरिका और जर्मनी के बीच प्रस्तावित लंबी दूरी की टोमाहाक क्रूज मिसाइलों की आपूर्ति और तैनाती को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिकी रक्षा विभाग (पेंटागन) इस महत्वपूर्ण रक्षा समझौते की समीक्षा कर रहा है और आगे बढ़ाने के संभावित प्रभावों पर गहन विचार-विमर्श किया जा रहा है। इस घटनाक्रम ने यूरोप की सुरक्षा व्यवस्था और नाटो की भविष्य की रणनीति को लेकर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के कुछ अधिकारियों का मानना है कि जर्मनी में लंबी दूरी की अमेरिकी मिसाइलों की तैनाती को रूस अपनी सुरक्षा के लिए प्रत्यक्ष खतरे के रूप में देख सकता है। ऐसी स्थिति में यूरोप में पहले से मौजूद तनाव और बढ़ सकता है तथा क्षेत्रीय सुरक्षा संतुलन बिगड़ सकता है। इसी कारण वाशिंगटन में इस समझौते के संभावित परिणामों पर गंभीरता से मंथन कर रहा है। यह प्रस्तावित समझौता पूर्व अमेरिकी प्रशासन के दौरान सहयोगी देशों के साथ व्यापक रणनीतिक विचार-विमर्श के बाद तैयार किया गया था। इसका उद्देश्य यूरोप की रक्षा क्षमताओं को मजबूत करना और नाटो की सामूहिक सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाना था। यदि अमेरिका इस योजना को स्थगित करता है या इसमें बदलाव करता है, तब इससे उसकी विदेश और सुरक्षा नीति में एक महत्वपूर्ण बदलाव माना जा सकता है। जर्मनी लंबे समय से अपनी सैन्य क्षमताओं के आधुनिकीकरण और यूरोप की सुरक्षा संरचना को मजबूत करने की दिशा में प्रयास करता रहा है। रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद बर्लिन ने रक्षा खर्च बढ़ाने और आधुनिक हथियार प्रणालियों के अधिग्रहण पर विशेष जोर दिया है।

राष्ट्रपति ट्रंप के प्रमुख एआई सलाहकार श्रीराम कृष्णन ने दिया इस्तीफा, एआई एक्शन प्लान बनाने में निभाई थी अहम भूमिका

वाशिंगटन। अमेरिका में व्हाइट हाउस के आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (एआई) सलाहकार श्रीराम

कृष्णन ने अपने पद से हटने का ऐलान कर दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह केवल आगामी जून तक ही इस पद पर अपनी सेवाएं दे सकेंगे। कृष्णन ने अपने 18 महीने के संक्षिप्त लेकिन बेहद प्रभावी कार्यकाल के दौरान अमेरिका का पूरा एआई एक्शन प्लान तैयार करने में केंद्रीय भूमिका निभाई। इसके साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित और जिम्मेदारी पूर्ण उपयोग के लिए एक मजबूत नेशनल फ्रेमवर्क विकसित करने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है। अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए श्रीराम कृष्णन ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि एक छोटे से ब्रेक के बाद वह एक बार फिर अमेरिका और उसके सहयोगी देशों के सामने एआई की वजह से पैदा हुई चुनौतियों को कम करने के मिशन पर जुटेंगे। उन्होंने वर्तमान परिदृश्य का जिक्र करते हुए कहा कि अभी एआई से जुड़े कई जटिल और गंभीर मुद्दे हमारे सामने हैं, जिनमें डेटा सेंटरों का तेजी से होता विस्तार और उससे होने वाली भारी ऊर्जा की खपत शामिल है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर सबको मिलकर काम करने की सख्त जरूरत है।

सिंधु जल संधि निलंबन से पाक के बड़े क्षेत्र में मंडरा रहा पानी की कमी का खतरा

इस्लामाबाद। भारत के सिंधु जल संधि को निलंबित करने से पाकिस्तान के बड़े क्षेत्र में पानी की कमी होने का खतरा मंडरा रहा है। दूसरी ओर पाकिस्तान में जल आपूर्ति से जुड़ी परियोजनाएं भी रुक सकती हैं। फंड की कमी के चलते पाकिस्तान में जल संसाधन से जुड़े प्रोजेक्ट में रुकावट आने का खतरा है। इसके चलते गर्मी में आम लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान सरकार ने जल क्षेत्र में 969 अरब रुपए की जरूरत होने के बावजूद सिर्फ 179 अरब रुपए के एलोकेशन का प्रस्ताव दिया है। ऐसे में खासतौर से अगले फाइनेंशियल ईयर में वाटर सेक्टर के डेवलपमेंट को फंड की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है, जो परेशानी का सबब बनेगा। पाकिस्तान की मिनिस्ट्री आफ वाटर रिसोर्स ने चल रही और प्लान की गई डेवलपमेंट स्कीम के लिए 969 अरब रुपए की जरूरत का अनुमान लगाया है। आने वाले डेवलपमेंट बजट में 41 चल रहे प्रोजेक्ट शामिल हैं, जिसमें एक नई स्कीम जोड़ी गई है। सरकार ने सिर्फ 179 अरब रुपए देने के प्रस्ताव ने पूरी स्कीम को मुश्किल में डाल दिया है। पाक सरकार ने सिंधु नदी पर टेलीमेट्री सिस्टम लगाने के लिए 5.76 अरब रुपए का प्रस्ताव दिया है।

इजराइल के हवाई हमले में लेबनान के सैन्य प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल रुडोल्फ हैकल समेत 12 की मौत

बेरूत (लेबनान)

अमेरिका की मध्यस्थता से इजराइल और लेबनान के बीच वाशिंगटन में घोषित सशर्त सैन्य विराम (युद्ध विराम, सीजफायर) दिखावा साबित हुआ। इजराइल के ताजा हमले में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में लेबनान के सैन्य प्रमुख भी शामिल हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सैन्य प्रमुख , एक कैप्टन और एक सैनिक की मौत हो गई। इनकी मौत खारदली-नबातीह रोड पर यात्रा के दौरान हुई। सैन्य प्रमुख को पाकिस्तान पहुंचना था। पाकिस्तान पहुंचने से पहले ही उनकी जान ले ली गई। लेबनान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने देश के सैन्य प्रमुख (सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ) ब्रिगेडियर जनरल रुडोल्फ हैकल को निशाना बनाने को देश की संप्रभुता पर हमला करार दिया है। इस हमले की कई देशों ने भी कठोर निंदा की है।

इजराइल ने छह जून को लेबनान पर कहर बरपाया। लेबनान की सेना ने पुष्टि की है कि इजराइल के हवाई हमले में खारदली-नबातिह रोड पर अभेद्य माना जाने वाला सैन्य वाहन नष्ट हो गया। इसमें सवार सेना के सर्वोच्च कमांडर , कैप्टन और एक सैनिक मारे गए। इजराइली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि यह हमला सक्रिय युद्ध क्षेत्र में हुआ। इस क्षेत्र में आवाजाही के लिए इजराइली सेना के साथ तालमेल जरूरी है। आईडीएफ ने कहा इस घटना की जांच की जा रही है।

लेबनानी सेना ने कहा, इजराइल की जानबूझकर और बार-बार की जा रही क्रूरता और आक्रामकता का मकसद किसी समाधान तक पहुंचने की सभी कोशिशों को नाकाम करना है। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ आउन ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे लेबनान की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों व नियमों का खुला उल्लंघन बताया। प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने इसे एक घिनौना अपराध और लेबनान तथा सभी लेबनानी लोगों पर हमला करार दिया। लेबनान के प्रधानमंत्री सलाम ने बयान में ब्रिगेडियर जनरल वसम सबरा, कैप्टन एली खौरी और सैनिक हुसैन घोजल के परिवारों और सहयोगियों के साथ-साथ लेबनानी सेना के प्रति भी संवेदना व्यक्त की।

लेबनान की सेना ने बताया कि उसके सर्वोच्च कमांडर रुडोल्फ हैकल अपने पाकिस्तानी समकक्ष फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान जा रहे थे। लेबनान में सक्रिय ईरान समर्थक सशस्त्र आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने हमले को घिनौना अपराध बताया। साथ ही लेबनान सरकार पर आरोप लगाया कि उसने वाशिंगटन में दुश्मन की मांगों के सामने पूरी तरह घुटने टेककर देश को खूनखराबे के बीच धकेल दिया है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने कहा कि इन हत्याओं से यह बात फिर साबित होती है कि इजराइल लेबनान के हर हिस्से पर अपना दावा कर रहा है । बघाई ने कहा कि यह लेबनान उसकी सेना और उसकी संप्रभुता के खिलाफ एक घिनौना अपराध है। साफ है कि इजराइल लेबनान में सुरक्षा, स्थिरता या समृद्धि नहीं चाहता। सऊदी अरब ने इस हमले और दोस्त देश लेबनान गणराज्य के खिलाफ इजराइल की लगातार आक्रामकता की निंदा की है। जार्डन ने कहा कि यह दोस्त देश लेबनान की संप्रभुता, सुरक्षा और स्थिरता का खुला उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानून का साफ उल्लंघन है। कतर ने इसे खतरनाक तनाव और लेबनान की संप्रभुता का खुला उल्लंघन बताया है। कतर के विदेश मंत्रालय ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि वे दखल दें। वक्त आ गया है कि इजराइल को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 को पूरी तरह से लागू करने के लिए मजबूर किया जाए। दक्षिणी लेबनान में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना ने कहा कि ऐसे हमले लेबनान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 का गंभीर उल्लंघन हैं। संयुक्त राष्ट्र के इसी प्रस्ताव ने 2006 में इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच युद्ध खत्म कराया था। इसके अलावा लेबनान की सरकारी नेशनल न्यूज़ एजेंसी (एनएनए) ने बताया कि सिडोन जिले के सकसाकिया गांव में इजराइली हवाई हमले में छह लोगों की मौत हो गई और चार अन्य घायल हो गए। नबातीह जिले के देर अल-ज़हरानी में एक कार को निशाना बनाकर किए गए इजराइली ड्रोन हमले में एक और व्यक्ति की मौत हो गई। इजराइल की सेना ने कहा कि उसने पिछले दो दिन में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के लगभग 150 ठिकानों पर हमला किया है। इनमें शस्त्र भंडारण गृह, कमांड सेंटर, राकेट लान्चर और इंफ्रास्ट्रक्चर साइट्स शामिल हैं। इजराइली सेना ने शनिवार देररात कहा कि उसके दो सैनिक दक्षिणी लेबनान में मारे गए हैं। उधर, हिजबुल्लाह ने बिंट जेबिल इलाके में इजराइल की चौकी को ड्रोन हमले में उड़ाने का दावा किया है। महत्वपूर्ण यह है कि संघर्ष विराम का सिलसिला 17 अप्रैल से चल रहा है। अब तक इसका कभी पूरी तरह से पालन नहीं किया गया। हिजबुल्लाह और इजराइल ने अकसर एक-दूसरे पर उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। दो-चार दिन पहले वाशिंगटन में लेबनान और इजराइली दूतों ने एक सशर्त सैन्य विराम की घोषणा की थी। हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम ने कहा था कि वह इस सैन्य विराम को नहीं मानेंगे। दक्षिणी लेबनान से इजराइल की वापसी पर ही कोई समझौता मान्य हो सकता है।

अमेरिकी सेना का ईरान के रडार ठिकानों पर हमला, कुवैत बहरीन में मिसाइल अलर्ट

वाशिंगटन/तेहरान

अमेरिका और ईरान के बीच तनाव एक बार फिर बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने ईरान के तटीय क्षेत्र में स्थित कुछ रडार और निगरानी ठिकानों को निशाना बनाकर कार्रवाई की, जबकि ईरान ने इसे युद्धविराम का उल्लंघन बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है।

अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार हार्मुज जलडमरूमध्य के आसपास समुद्री गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। अमेरिकी सेना का दावा है कि क्षेत्र में सक्रिय कुछ ड्रोन अंतरराष्ट्रीय नौवहन के लिए संभावित खतरा पैदा कर रहे थे। इसके बाद अमेरिकी बलों ने ईरान के गोरुक क्षेत्र और केशम द्वीप के पास स्थित निगरानी ढांचे पर लक्षित हमले किए। ये दोनों स्थान हार्मुज जलडमरूमध्य के समीप स्थित हैं और सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

दूसरी ओर, ईरान के विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी कार्रवाई की निंदा करते हुए इसे क्षेत्र में तनाव बढ़ाने वाला कदम बताया। मंत्रालय का कहना है कि इस तरह की सैन्य गतिविधियां पहले से मौजूद संघर्षविराम व्यवस्था की भावना के विपरीत हैं और इससे क्षेत्रीय स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

इस बीच, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी हमलों के जवाब में खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया। संगठन ने यह भी कहा कि हार्मुज क्षेत्र में कुछ जहाजों के खिलाफ कार्रवाई की गई, हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

कुवैत की सेना ने बताया कि उसके वायु रक्षा तंत्र ने देश के हवाई क्षेत्र की ओर बढ़ रही कई बैलिस्टिक मिसाइलों को निष्क्रिय कर दिया। सैन्य अधिकारियों के अनुसार, मिसाइलों के अवशेष कुछ रिहायशी इलाकों में गिरे, जिससे संपत्ति को नुकसान पहुंचा, लेकिन किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

उधर, बहरीन में सुरक्षा एजेंसियों ने एहतियात के तौर पर चेतावनी सायरन जारी किए और नागरिकों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। क्षेत्रीय देशों ने स्थिति पर नजर बनाए रखी है और तनाव कम करने के लिए कूटनीतिक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया है।

24 अरब डालर की फ्रीज संपत्ति जारी करने पर अड़ा तेहरान

तेहरान। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से जारी युद्ध और कूटनीतिक गतिरोध को खत्म करने के लिए चल रही बातचीत अब सिर्फ एक बड़ी शर्त पर आकर अटक गई है। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई के सैन्य सलाहकार मोहसिन रेजाई ने दावा किया है कि दोनों देशों के बीच वार्ता वर्तमान में डेडलाक यानी गंभीर गतिरोध में फंस गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बातचीत को अब आगे बढ़ाने और गतिरोध को तोड़ने की पूरी जिम्मेदारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर निर्भर करती है। ईरान के अनुसार, किसी भी संभावित शांति समझौते को अमलीजामा पहनाने के लिए सबसे बड़ी और अनिवार्य शर्त विभिन्न देशों में वर्षों से फ्रीज (जब्त) पड़ी 24 अरब डालर की ईरानी संपत्तियों को तत्काल मुक्त करना है। सैन्य सलाहकार ने जोर देकर कहा कि अब गेंद ट्रंप के पाले में है और अगर वे वास्तव में समझौता चाहते हैं तो यह भारी-भरकम रकम जारी करना उनके लिए भरोसे की पहली अग्निपरीक्षा होगी, क्योंकि यह पैसा ईरान का है, अमेरिका का नहीं। इस 24 अरब डालर के वित्तीय विवाद की बात करें तो ईरान की मांग है कि एक अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर होते ही पहली किस्त के रूप में 12 अरब डालर तुरंत जारी किए जाएं और शेष 12 अरब डालर बाद में दिए जाएं।

बच्चों को अभिनय का पेशा समझाना आसान नहीं होता : डेनियल

लॉस एंजेलिस

हॉलीवुड अभिनेता डेनियल रेडक्लिफ भले ही करोड़ों प्रशंसकों के बीच एक बड़े सितारे हों, लेकिन अपने घर में उनकी पहचान सबसे पहले एक पिता की है। अभिनेता ने हाल ही में अपने छोटे बेटे से जुड़ा एक दिलचस्प और मजेदार अनुभव साझा किया, जिसमें उनके बेटे की मासूम प्रतिक्रिया ने सभी का ध्यान खींच लिया। डेनियल रेडक्लिफ ने बताया कि एक दिन वह अपनी साथी एरिन डार्के के साथ घर पर विंटर ओलंपिक देख रहे थे। कार्यक्रम के दौरान वह कुछ समय के लिए कमरे से बाहर चले गए। संयोग से उसी समय टेलीविजन पर उनका एक विज्ञापन प्रसारित होने लगा।

उनके बेटे ने जैसे ही स्क्रीन पर अपने पिता को देखा, वह पूरी तरह उलझन में पड़ गया। उसके लिए यह समझना मुश्किल था कि जो व्यक्ति अभी कुछ क्षण पहले कमरे से बाहर गया है, वह अचानक टीवी पर कैसे दिखाई देने लगा। अभिनेता ने बताया कि उनके बेटे ने हैरानी भरे अंदाज में 'पापा कहा और फिर कमरे में इधर-उधर देखने लगा। उसे लगा कि शायद उसके पिता किसी तरह टीवी के अंदर पहुंच गए हैं।

कुछ देर बाद उसने यह भी पूछा कि क्या पापा कहीं चले गए हैं। डेनियल ने कहा कि यह पल उनके लिए बेहद खास और यादगार था, क्योंकि इससे उन्हें महसूस हुआ कि उनका बेटा अभी पूरी तरह सामान्य बचपन जी रहा है और उसे अपने पिता की लोकप्रियता या स्टारडम के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि बच्चों को अभिनय का पेशा समझाना आसान नहीं होता। उनके अनुसार यदि कोई व्यक्ति डॉक्टर, पुलिसकर्मी या अग्निशमन कर्मी हो तो बच्चे आसानी से समझ सकते हैं कि वह क्या काम करता है, लेकिन अभिनेता का काम छोटे बच्चों को समझाना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। कई बार माता-पिता खुद भी सोचते रह जाते हैं कि अभिनय की दुनिया को बच्चों के सामने किस तरह सरल भाषा में समझाया जाए।

डेनियल ने बताया कि वह अपने बेटे को समझाने की कोशिश करते हैं कि जैसे किताबों में कहानियां होती हैं, वैसे ही अभिनेता उन कहानियों को पर्दे पर जीवंत बनाते हैं। हालांकि उनका बेटा अभी इतना छोटा है कि इन बातों को पूरी तरह समझ नहीं पाता। अभिनेता का कहना है कि फिलहाल उनका बेटा उनकी पेशेवर दुनिया से काफी दूर है और वह चाहते हैं कि कुछ समय तक ऐसा ही बना रहे, ताकि वह सामान्य और सहज बचपन का आनंद ले सके। गौरतलब है कि डेनियल रेडक्लिफ और एरिन डार्के ने वर्ष 2023 में अपने बेटे का स्वागत किया था। दोनों अपने निजी जीवन को सार्वजनिक नजरों से दूर रखना पसंद करते हैं और अब तक उन्होंने अपने बेटे का नाम भी सार्वजनिक नहीं किया है।

जन्मदर में रिकार्ड गिरावट ने बढ़ाई जापान की चिंता

टोक्यो

वर्ष 2025 के जनसंख्या आंकड़ों के अनुसार जापान की कुल आबादी घटकर लगभग 12 करोड़ 30 लाख रह गई है, जो वर्ष 2020 की तुलना में करीब 30 लाख कम है। हाल ही में जारी आंकड़ों ने सरकार और नीति निर्माताओं की चिंताओं को और बढ़ा दिया है।

जारी आंकडों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में जनसंख्या में लगभग 2.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है, जिसे 1920 में जनगणना शुरू होने के बाद सबसे बड़ी कमी माना जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार जापान में लगातार घटती जन्मदर और बढ़ती मृत्यु दर इस संकट के प्रमुख कारण हैं। देश में बच्चों की संख्या ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है।

मई 2025 के आंकड़ों के मुताबिक कुल आबादी में बच्चों की हिस्सेदारी केवल 10.8 प्रतिशत रह गई है, जो 1950 के बाद का सबसे कम स्तर है। यह स्थिति भविष्य में श्रमबल, अर्थव्यवस्था और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। जापान सरकार ने इस समस्या से निपटने के लिए कई योजनाएं लागू की हैं। बच्चों के पालन-पोषण में सहायता देने, परिवारों को आर्थिक प्रोत्साहन उपलब्ध कराने और युवाओं को विवाह एवं परिवार बढ़ाने के लिए प्रेरित करने जैसे कदम उठाए गए हैं। इसके बावजूद अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। बड़ी संख्या में युवा महानगरों की ओर आकर्षित हो रहे हैं और पारिवारिक जिम्मेदारियों से दूरी बना रहे हैं। इसका प्रभाव यह है कि राजधानी टोक्यो की आबादी में 1.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जबकि देश के अधिकांश अन्य क्षेत्रों में जनसंख्या लगातार घट रही है।

मुख्य कैबिनेट सचिव माइनोरू किहारा ने स्वीकार किया है कि जनसंख्या में गिरावट की रफ्तार उम्मीद से कहीं अधिक तेज है। उन्होंने कहा कि सरकार इस चुनौती से निपटने के लिए नए और प्रभावी उपायों पर काम कर रही है। वहीं, विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार मोनाको के बाद जापान दुनिया का दूसरा ऐसा देश है जहां बुजुर्ग आबादी का अनुपात सबसे अधिक है। इधर विदेशी नागरिकों की संख्या बढ़कर 32 लाख से अधिक हो गई है, जो वर्ष 2020 में 27 लाख के आसपास थी। कई विशेषज्ञों का मानना है कि नियंत्रित आव्रजन नीति जापान की जनसंख्या समस्या का एक प्रभावी समाधान हो सकती है। हालांकि राजनीतिक स्तर पर इस मुद्दे को लेकर मतभेद बने हुए हैं। सरकार ने वर्ष 2030 तक की अवधि को जनसंख्या गिरावट की दिशा बदलने के लिए निर्णायक समय माना है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

कई दिनों से रुके काम भी पूरे हो सकते हैं. पारिवारिक संबंध मधुर रहेंगे. अपनी इमेज सुधारने का मौका भी आपको मिल सकता है. सोचे हुए काम पूरे हो सकते हैं. आपके लिए दिन उत्साहवर्धक है और मनोरंजन भी होता रहेगा. परिवार से जुड़े मामलों पर आपको ध्यान देना होगा. कुछ घरेलू उलझे हुए मामले सुलझ सकते हैं. शादीशुदा लोगों को सुख मिल सकता है. प्रेम बढ़ेगा. पुरानी बीमारियों में थोड़ा आराम मिल सकता है.

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आप खुद को एनर्जेटिक महसूस करेंगे. और इसी ऊर्जा के चलते जो भी काम आप हाथ में लेंगे वो समय पर जरूर पूरा होगा. और इस बात को लेकर आपकी तारीफ भी होगी. इस राशि के इंजीनीयर्स आज अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे, तो उन्हें सफलता जरूर मिलेगी. आज जीवन में तरक्की के कुछ मौके आपके सामने आएंगे, जिसमें आप अपने जीवनसाथी की सलाह जरूर लें, उनकी सलाह आपके लिए काफी फायदेमंद साबित होगी.आज शिवलिंग का दही से अभि-षेक करें, आपके सारे काम पूरे होंगे.

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड,छ,के,को,ह

आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ महंगी वस्तुओं की खरीदारी भी कर सकते हैं. भूमि में निवेश भी संभव है. व्यावसायिक रूप से दिन शुभ है. जिस प्रोजेक्ट और असाइनमेंट पर आप वर्तमान में काम कर रहे हैं, वह भविष्य में नई संभावनाओं को खोल सकता है. कार्य स्थल को पुनर्गठित करना या घर पर को पुन: व्यवस्थित करने की योजना पर आप काम कर सकते हैं. कुछ तनाव होने के कारण पारिवारिक माहौल तनावग्रस्त रह सकता है. किसी पारिवारिक सदस्य की अकस्मात बिगडती स्वास्थ्य स्थिति आपको परेशानी में डाल सकती है.

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको अपने बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिल सकते हैं. आपके बच्चे समाज में आपका नाम रोशन करेंगे. प्यार दरकिनार हो सकता है क्योंकि कुछ छोटे-मोटे मतभेद अचानक उभरेंगे. आज जैसे ही आप हालात पर पकड़ बनाने की कोशिश शुरू करेंगे, आपकी घबराहट गायब हो जाएगी. अपने प्रयासों में सफलता पाने के लिए आपको मेहनत के साथ-साथ अपनी बुद्धि से भी काम लेना होगा तभी जाकर सकारात्मक परिणाम मिलने के आसार बनेंगें.

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

परिवार में सुख-शांति बढ़ेगी. कार्यक्षेत्र में नए एग्रीमेंट और समझौते होने की संभावना है. सामाजिक कामकाज में सम्मान मिल सकता है. किसी अच्छे दोस्त से मुलाकात के योग बन रहे हैं. आपका ध्यान किसी दूर स्थान पर ज्यादा रहेगा. ऑफिस में कोई व्यक्ति गुप्त रूप से आपकी मदद कर सकता है. रोमांस के अच्छे अवसर मिलने के योग हैं. पार्टनर आपको आर्थिक मदद कर सकता है. आज आप साथ काम करने वाले की तरफ आकर्षित हो सकते हैं.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा. आज आप किसी काम में बेहतरीन परफॉरमेंस देने के लिए कुछ नया एक्सपेरीमेंट करेंगे जिसमें आपको सफलता भी जरूर हासिल होगी. आपका आर्थिक पक्ष भी मजबूत रहेगा. वहीं अगर कुछ दिनों से स्वास्थ्य संबंधी कोई परेशानी है तो उसमें आपको सुधार नज़र आएगा. आज लवमेट के साथ किसी रेस्टोरेंट में लंच का प्रोग्राम बना सकते हैं जिससे रिश्तों में आपको ताज़गी महसूस होगी. आज के दिन गाय को गुड खिलाए व्यापार में नए मार्ग खुलेंगे.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज कुछ नया काम आरंभ हो सकता हैं। महत्वाकांक्षी उपक्रमों में निवेश करके आप अच्छा लाभ प्राप्त कर सकते हैं. व्यवसाय विस्तार की योजनाएं बनाई जाएंगी और यदि बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण की इच्छा है तो वह भी आपको प्राप्त हो जायेगा. पारिवारिक जीवन आनंदमय रहेगा और आप दोस्तों और परिवार के साथ आनंदमय समय व्यतीत करेंगे. कुछ जातकों के लिए नवीन प्रेम सम्बन्ध नई आशाओं को जन्म देगा.दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपको बच्चों की तरफ से खुशखबरी मिलने के योग नजर आ रहे हैं. परिजनों के साथ उग्र वाद-विवाद होने की संभावना है. छाती में दर्द या अन्य किसी विकार से व्यग्रता का अनुभव हो सकता है. जरूरत से ज्यादा काम अपने सिर पर लेने से टेंशन हो सकती है. आपको मेहनत भी ज्यादा करनी होगी. विरोध में आ रही सभी परेशानियां दूर होगी तथा इन्हें नए कार्य करने के अवसर प्राप्त होंगे. आप पैसा बना सकते हैं बस नये तरीकों को आजमाना होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके काम बनते चले जाएंगे. सोच-समझकर फैसले लेने से ही फायदा हो सकता है. पैसों की स्थिति में अच्छे खासे बदलाव के मौके मिल सकते हैं. परिवार, समाज में आपका महत्व बढ़ेगा. प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी. जीवनसाथी के साथआपके संबंध और गहरे हो सकते हैं. पार्टनर के साथ आज अच्छा समय बीतेगा. सेहत में उतार-चढ़ाव आने की संभावना है. आज सादा और हल्काफुलका भोजन ही करना बहतर रहेगा

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज आपको सफलता पाने के लिए थोड़ी ज्यादा मेहनत करनी होगी. साथ ही आज आप मानसिक अशांति से भी ग्रस्त हो सकते हैं. जीवनसाथी से किसी बात को लेकर मनमुटाव हो सकता हैं आज आपको खुद में एनर्जी की कमी महसूस होगी. जिसके चलते आप बेमन से कार्यों को पूरा करेंगे. आपके स्वास्थ्य में भी गिरावट आ सकती है. हालांकि आज आपको किसी की मदद भी मिल सकती है आज आप अपने विचारों और भावनाओं को नियंत्रित रखना ही फायदेमंद होगा. आज के दिन आपको जरुरतमंद की मदद करनी चाहिए

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

यदि आप अपने व्यवसाय का विस्तार करना चाहते हैं तो यह एक नए गठबंधन में प्रवेश करने के लिए यह अच्छा समय है. कुछ महत्वपूर्ण कार्य से संबंधित यात्रा पर जाना पड़ सकता है. अच्छी तरह से सोचा गया निर्णय भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद करेगा. पारिवारिक हितों को ध्यान में रखते हुए आप कुछ नई बचत योजनाओं को लागू करेंगे. आप राजनीति से जुड़े हुए हैं तो नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आपके वैवाहिक जीवन के साथ-साथ अपने करियर को अनदेखा न करें, इन दोनों को आपकी देखभाल की ज़रूरत है. आपको कुछ महत्वपूर्ण निर्णय लेने होंगे जिसके चलते आपको तनाव और बेचैनी का सामना करना पड़ सकता है. आज अपना आपा न खोएँ, नहीं तो परिवार में कभी न मिटने वाली दरार पड़ सकती है. नुकसान हो सकता है. मेहमानों का आगमन होगा. पारिवारिक सुखों को भोगने का समय आ गया है. अपने हाथों से गौ सेवा करें ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 जून 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : अधिक ज्येष्ठ , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी रात्रि 03:26 तक
नक्षत्र : शतभिषा प्रात: 09:10 तक
योग : विश्कुम्भ प्रात: 09:27 तक
करण : बालव दोपहर 03:32 तक
चन्द्राशि : कुंभ रात्रि 03:37 तक
सूर्योदय : 05:41,सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:45 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34, सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रात: 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मृगशिरा में रवि दोपहर 12:51,कालाष्टमी, पंचक चालू है,अधिक मास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

श्री जलाराम बापा अन्नक्षेत्र ने पूर्ण किए 39 वर्ष, सेवा का 40वें वर्ष में प्रवेश

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पूज्य डोंगरेजी महाराज की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से बड़ी चावड़ी स्थित श्री जलाराम मंदिर में संचालित बाल अन्नक्षेत्र सेवा ने 39 वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। पिछले 39 वर्षों से यह अन्नक्षेत्र प्रतिदिन सुबह निरंतर रूप से छोटे-छोटे बच्चों को भोजन एवं संस्कार प्रदान कर रहा है और अब अपने 40वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में श्री हैदराबाद-सिकंदराबाद लोहाणा महाजन के अध्यक्ष मुकेश बदियानी ने बताया कि लगभग 39 वर्ष पूर्व नानजीभाई पटेल, बाबूभाई रामानी, मणिभाई हिंडोचा, नटूभाई गनात्रा, कमल हिंडोचा, नलीनभाई ठक्कर, नटुभाई बदियानी, लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, लोहाणा महाजन के अग्रणी राजेश रामानी तथा अन्य गुमनाम सेवाभावी भक्तों ने तन, मन और धन से इस सेवा कार्य की नींव रखी थी, जो आज एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है।

मुकेश बदियानी ने कहा कि प्रतिदिन सैकड़ों बच्चे मंदिर में एकत्र होकर लगभग दो घंटे तक रामधुन करते हैं। इसके पश्चात उन्हें पौष्टिक नाश्ता प्रदान किया जाता है। इस व्यवस्था के माध्यम से बच्चों

को केवल भोजन ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक संस्कार भी प्रदान किए जा रहे हैं। भगवान के नाम का स्मरण उनके मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास में सहायक बन रहा है, जबकि पौष्टिक आहार उनके शारीरिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस सेवा अभियान में लोहाणा महाजन, महिला मंडल एवं अनेक भक्तों का निरंतर सहयोग मिलता रहा है। यही कारण है कि यह सेवा कार्य दशकों से अविरल रूप से संचालित हो रहा है। अन्नक्षेत्र के माध्यम से बच्चों में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिला है। बच्चों में जंक फूड एवं अन्य अखाद्य पदार्थों के प्रति रुचि कम हुई है तथा सनातन संस्कृति एवं धार्मिक मूल्यों के प्रति उनकी आस्था बढ़ी है। इसके साथ ही अनेक परिवारों ने मांसाहार एवं मदिरापान जैसी सामाजिक बुराइयों का त्याग कर जीवन में सकारात्मक बदलाव अपनाया है।

लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल ने कहा कि बड़ी चावड़ी स्थित श्री जलाराम मंदिर का यह अन्नक्षेत्र केवल भोजन वितरण का केंद्र नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी के चरित्र निर्माण एवं राष्ट्र निर्माण का जीवंत माध्यम बन चुका है। पूज्य डोंगरेजी महाराज की प्रेरणा से प्रारंभ हुआ यह सेवा कार्य आज भी उसी पवित्रता एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि श्री जलाराम बापा के ''देने को टुकड़ा भला, लेने को हरिनाम'' के सिद्धांत को यह अन्नक्षेत्र सार्थक रूप से चरितार्थ कर रहा है। इस सेवा कार्य से जुड़े सभी सेवाभावी भक्तों, लोहाणा महाजन, महिला मंडल एवं आयोजकों का योगदान अत्यंत प्रेरणादायक और वंदनीय है। अंत में समाज के सभी वर्गों ने कामना की कि श्री जलाराम बापा अन्नक्षेत्र भविष्य में भी इसी प्रकार निरंतर सेवा, संस्कार और समाज जागरण का कार्य करता रहे तथा नई पीढ़ी को सदाचार एवं मानवता के मार्ग पर प्रेरित करता रहे।

अग्रवाल समाज मलकपेट महिला शाखा का 'प्लंज इंटू समर' कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज मलकपेट महिला शाखा द्वारा आयोजित 'प्लंज इंटू समर' कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों के लिए विशेष इंडोर स्विमिंग पूल इवेंट का सफल आयोजन किया गया।

शाखा मंत्री डॉ. मीता बजाज द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम में लगभग 40 महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर स्विमिंग एवं विभिन्न वॉटर गेम्स का आनंद लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य गर्मी के मौसम में स्वस्थ मनोरंजन, फिटनेस एवं वॉटर वेलनेस को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम के दौरान केएस सदस्य शीतल रूंगटा ने विभिन्न वॉटर गेम्स का संचालन किया, जबकि डॉ. मीता बजाज ने कमर एवं घुटनों के दर्द से राहत देने वाली उपयोगी वॉटर एक्सरसाइज का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर महिला शाखा की अध्यक्ष रेखा अग्रवाल, डॉ. मीता बजाज एवं शीतल रूंगटा विशेष रूप से उपस्थित रहीं। अंत में सभी प्रतिभागियों ने अल्पाहार का आनंद लिया तथा कार्यक्रम को सफल, प्रेरणादायक एवं यादगार बताया।

अग्रवाल समाज बंजारा सेंट्रल की वार्षिक साधारण सभा 14 को

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज, बंजारा सेन्ट्रल शाखा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन रविवार, 14 जून को रोड नं. 12, बंजारा हिल्स स्थित होटल अला लिबर्टी में दोपहर 12 बजे से किया जाएगा।

यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शाखा की कार्यकारिणी सभा में उक्त आशय का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष सुनील कुमार अग्रवाल ने सभा में उपस्थित सदस्यों का स्वागत किया। इसके बाद मानद मंत्री मनीष अग्रवाल ने वर्ष 2025-26 के गतिविधियों पर प्रकाश डाला। अवसर पर वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया गया, जिसे करतल ध्वनि से स्वीकृति दी गई। सभा में वार्षिक साधारण सभा को लेकर विचार-विमर्श के पश्चात सावन की सैर के संबंध में भी चर्चा की गई। केन्द्रीय समिति सदस्य नवल किशोर बंसल ने विभिन्न विषयों से सभा को अवगत कराया। सहमंत्री अश्विन अग्रवाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुई सभा में उपाध्यक्ष सीए अरविन्द अग्रवाल, कोषाध्यक्ष जयदीप गुप्ता, रमेश कुमार अग्रवाल, परामर्शदाता विनोद टिकमाणी, अनिल झुनझुनवाला, विनय गुप्ता, महेश अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, दिलीप अग्रवाल, आशुतोष नरेड़ी आदि ने भाग लिया।

पुरुषोत्तम मास में साथी हाथ बढ़ाना संस्था ने जरूरतमंदों को वितरित की राशन सामग्री

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

साथी हाथ बढ़ाना संस्था की सदस्या सरला अग्रवाल के नेतृत्व में उनके निवास मनी साईं रेजिडेंसी, चिक्कडपल्ली में पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंद परिवारों को दैनिक उपयोग की आवश्यक सामग्री से युक्त 15 राशन थैले वितरित किए गए, जिनमें अनाज, मसाले एवं अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल थी।

कार्यक्रम में उपस्थित महाराज जी ने पुरुषोत्तम मास की महिमा का वर्णन करते हुए सभी को सेवा, परोपकार एवं मानव कल्याण के कार्यों में सक्रिय भागीदारी का संदेश दिया तथा अपने आशीर्वचन प्रदान किए।

इस सेवा कार्य के लिए सामग्री की व्यवस्था एवं वितरण में श्री राम गोपाल गुप्ता एवं उनके परिवार का विशेष आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। इस पुण्य कार्य में राम गोपाल गुप्ता, मंजेश्वरी गुप्ता (यूएसए), स्नेहल गुप्ता (यूएसए), सोहम गुप्ता (यूएसए), नूपुर नरेन गुप्ता (यूएसए) एवं नींव गुप्ता (यूएसए) का उल्लेखनीय योगदान रहा। विदेश में निवास करते हुए भी भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जुड़े रहकर सेवा कार्यों में सहयोग देना सभी के लिए प्रेरणास्रोत बना।

कार्यक्रम की मेजबान सरला अग्रवाल ने उपस्थित अतिथियों एवं सदस्यों के लिए अल्पाहार सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी कीं।

इस अवसर पर संस्था के सदस्य शारदा गुप्ता, संजय संघी, दिनेश अग्रवाल, गोविंद लाल अग्रवाल एवं अजय संघी उपस्थित रहे तथा सेवा कार्य को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम का समापन सेवा, सद्भाव, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं मानव सेवा की भावना के साथ संपन्न हुआ।

बुद्ध सिंह पंच कमेटी द्वारा विद्यार्थियों में पुस्तकें वितरित

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ध्रुवपेट स्थित बुद्ध सिंह पंच कमेटी द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी विद्यार्थियों के लिए पुस्तक वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उनकी शैक्षणिक आवश्यकताओं में सहयोग प्रदान करना रहा। कार्यक्रम समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष प्रेम सिंह बैस ने विद्यार्थियों को शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें मन लगाकर अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में संजय सिंह गौर, भूषण सिंह परिहार, जसवीर सिंह चौहान, प्रवीण सिंह बरहिया, रवि सिंह, शशिकांत टिकले, प्रह्लाद सिंह, लाखन सिंह, अजय सिंह तोमर तथा सुरेंद्र सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया।

लव फॉर काउ फाउंडेशन ने मीतू साई कुमार का किया सम्मान

मछलियों की औषधि व्यवस्था हेतु किए गए सराहनीय कार्यों की प्रशंसा

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शांतिनगर स्थित फिशरीज डिपार्टमेंट कार्यालय में तेलंगाना फिशरमेन को-ऑपरेटिव सोसाइटीज फेडरेशन के अध्यक्ष श्री मीतू साई कुमार का विशेष सम्मान किया गया। यह सम्मान मछलियों की दवा एवं उपचार संबंधी आवश्यक व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से उपलब्ध कराने में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। लव फॉर काउ फाउंडेशन के चेयरमैन श्री जसमत पटेल, ट्रस्टी श्री रिद्धिश जागीरदार एवं श्री पुसा प्रवीण ने श्री मीतू साई कुमार को सम्मानित करते हुए उनके कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि जलीय जीवों के संरक्षण एवं मत्स्य पालन से जुड़े लोगों के हित में की गई ऐसी व्यवस्थाएं समाज के लिए अत्यंत उपयोगी हैं। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित सदस्यों ने श्री मीतू साई कुमार के सेवा भाव, कार्यकुशलता एवं जनहितकारी दृष्टिकोण की प्रशंसा की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि विभिन्न विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से जनकल्याण एवं जीव संरक्षण के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

कार्यक्रम का समापन आपसी सहयोग, सेवा एवं समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने के संकल्प के साथ हुआ।

तेलंगाना स्टेट बसवा केंद्र द्वारा एग्जीबिशन मैदान में आयोजित मछली प्रसाद वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत गांव-गांव से पधारे श्रद्धालुओं एवं आगंतुकों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की गई। इस सेवा कार्य में महेश बैंक के वाइस चेयरमैन श्री गोविंद नारायण राठी, श्री नागनाथ महाशेट्टे, सीए मल्लिकार्जुन अप्पा, श्री अनिल पटेल, श्री प्रशांत महाशेट्टे एवं श्री राजेश महाशेट्टे का विशेष योगदान रहा।

क्या आप जानते हैं, घर के मुख्यद्वार के सामने कौन से पेड हो कौनसे नहीं

वास्तु और फेंगशुई के अनुसार घर में छोटे-छोटे और कुछ विशेष पेड पौधों को लगाना अच्छा माना जाता है तुलसी और बेंबु, मनीप्लांट, अपराजिता, जैसे कई पौधे हैं जिन्हे घर में लगाना बहुत शुभ माना जाता है लेकिन कुछ ऐसे पेड़ या पौधे भी होते है जिसे घर के सामने होना अच्छा नहीं माना जाता है। कई घरों के मुख्य द्वार के सामने कैक्टस के छोटे पौधे लगा देते हैं, चाँदनी बेल या मनीप्लांट लगा देते हैं, जिससे मुख्य द्वार में अवरोध पैदा हो जाता है।

इस प्रकार के घर में भी बाधा का कारण बनता है। मुख्य द्वार के सामने या अंदर की ओर कोई नुकीली चीज हो तो वहाँ रहने वालों को कोई न कोई बाधा आती रहेगी। इसी प्रकार यदि घर के सामने बिजली का खंभा या ट्रांसफार्मर लगा हो तो आपके यहाँ अच्छी ऊर्जा आने के बजाय निगेटिव ऊर्जा आएगी, जिसके कारण उस घर में रहने वाले लोगों को मानसिक तनाव होगा। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा।

पूर्व में पीपल का पेड नहीं होना चाहिए। अकारण भय व धन की हानि होती है। आग्नेय में अनार का पेड अति शुभ परिणाम देने वाला होता है। दक्षिण में गुलर का पेड शुभ रहेगा। नैऋत्य में इमली शुभ रहती है। दक्षिण नैऋत्य में जामुन और कदंब का पेड शुभ रहता है। उत्तर में पाकड का पेड लगाना ठीक रहेगा। ईशान में आँवला का पेड अति फलदायी रहता है। ईशान-पूर्व में आम का पेड शुभ रहता है। इस प्रकार हम पेड लगाकर शुभाशुभ फल प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्य द्वार के सामने कोई रास्ता द्वार की ओर जा रहा हो तब भी बाधा का कारण बनता है। ग्रह स्वामी की अकाल मृत्यु हो सकती है। घर के सामने बडा वृक्ष रहे तो वहाँ रहने वालों की प्रगति में बाधा का कारण बनता है। यदि उस वृक्ष की छाँव घर पर पडती हो तो नुकसानप्रद रहता है। जबकि उसकी छाया कहीं से भी मकान पर नहीं पडती हो तो हानि नहीं होगी। कई जगह बंगलों में या घरों के सामने लंबे अशोक वृक्ष लगा दिए जाते हैं, जिससे घर में आड सी हो जाती है। यहाँ भी घर में रहने वालों की प्रगति के मार्ग में बाधा का कारण बनता है। जहाँ तक हो सके मुख्य द्वार को बाधा से रहित ही रखना चाहिए।

जब किस्मत साथ न दे तो सुख सौभाग्य प्राप्ति को करें यह उपाय

घर में स्थापित देवी- देवताओं को रोज फूलों से श्रृंगारित करना चाहिए। इस बात का ध्यान रखें कि फूल ताजे ही हो। सच्चे मन से देवी-देवताओं को फूल आदि अर्पित करने से वे प्रसन्न होते हैं व साधक का भाग्य चमका देते हैं।

घर को साफ-स्वच्छ रखें- प्रतिदिन सुबह झाडू-पोछा करें। शाम के समय घर में झाडू-पोछा न करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी रूठ जाती हैं और साधक को आर्थिक हानि का सामना करना पड सकता है।

कोशिशों के बाद भी आप किसी काम में बार-बार असफल हो रहे हैं या मेहनत के अनुसार सफलता नहीं मिल पा रही है। ऐसे में किस्मत या भाग्य का साथ न होने की बात कही जाती है। ज्यादा धन या पैसा कमाने के लिए किस्मत का साथ होना बहुत जरूरी है अन्यथा इस मनोकामना की पूर्ति होना असंभव सा ही है। ज्योतिष में कई ऐसे उपाय बताए गए हैं जिन्हें अपनाने से दुर्भाग्य पीछा छोड देता है और भाग्य साथ देने लगता है। जब किस्मत साथ न दे तो करें यह उपाय इस छोटे से उपाय द्वारा बदकिस्मत लोगों की भी किस्मत साथ देने लगेगी ।

यदि आपको भी पूरी मेहनत के बाद उचित सफलता प्राप्त नहीं हो रही है तो प्रतिदिन सूखे आटे में थोडी सी हल्दी मिलाकर गाय को खिलाएं। ऐसा नियमित रूप से प्रतिदिन करें। गाय को सभी शास्त्रों के अनुसार पूजनीय एवं पवित्र माना गया है। गाय में ही सभी देवी-देवताओं का वास है और इसकी पूजा करने से भक्त को भाग्य का साथ मिलता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गौमाता को संतुष्ट करनेपरवे सेवक को सेवाके प्रतिफल में आशीर्वादस्वरूपसभी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं। गाय को सूखे आटे में हल्दी मिलाकर खिलाने से वे अतिप्रसन्न होती हैं। हमेशा अच्छे कर्म करो, अपने धर्म का पालन करो किस्मत के बारे मे तो मे हर मनुष्य थोडी बहुत जानकारी रखता है, कहते हैं जब हम कडे परिश्रम करने के बाद सफलता प्राप्त करते है तो वह हमारे कर्म है लेकिन जब हम बिना मेहनत के बावजूद सफलता प्राप्त करते हैं उसे किस्मत कहते है। ब्रहम बेला में उठ कर इश्वर का नाम, ध्यान, योग और पूजा करने से अकस्मात् लाभ होता है। सूर्योदय से पूर्व ब्रहमा बेला में उठे, और अपने दोनों हांथो की हंथेली को रगरे और हंथेली को देख कर अपने मुंह पर फेरे, क्योंकि :- शास्त्रों में कहा गया है की कराग्रे वसते लक्ष्मी, करमध्ये सरस्वती। करमूले स्थिता गौरी, मंगलं करदर्शनम् ॥ हमारे हाथ के अग्र भाग में लक्ष्मी, तथा हाथ के मूल मे सरस्वती का वास है अर्थात भगवान ने हमारे हाथों में इतनी ताकत दे रखी है, जिसके बल पर हम धन अर्थात लक्ष्मी अर्जित करतें हैं। जिसके बल पर हम विद्या सरस्वती प्राप्त करतें हैं ।इतना ही नहीं सरस्वती तथा लक्ष्मी जो हम अर्जित करते हैं, उनका समन्वय स्थापित करने के लिए प्रभू स्वयं हाथ के मध्य में बैठे हैं। ऐसे में क्यों न सुबह अपनें हाथ के दर्शन कर प्रभू की दी हुई ताकत का लाभ उठायें।। भोजन के लिए बनाई जा रही रोटी में से पहली रोटी गाय को दें। धर्म ग्रंथों के अनुसार गाय में सभी देवताओं का निवास माना गया है। अगर प्रतिदिन गाय को रोटी दी जाए तो सभी देवता प्रसन्न होते हैं और सभी मनोकामना पूरी करते हैं। प्रतिदिन चीटियों को शक्कर मिला हुआ आटा खिलाएं। ऐसा करने से आपके पाप कर्मों का क्षय होगा और पुण्य कर्म उदय होंगे। यही पुण्य कर्म आपकी मनोकामना पूर्ति में सहायक होंगे।

नवग्रहों की अद्भुत शक्तियां

नवग्रहों में अद्भुत शक्तियां है जिसके कारण इसे देवताओं के समान आदर दिया गया है। यह दवा की भांति व्यक्तियों को पीडा से उबारने में सक्षम होता है। इनमें कमजोर ग्रहों को बलवान बनाने की क्षमता होती है जिससे असंभव को भी संभव करने में भी राशि रत्न कारगर होते हैं।

पुखराज की ज्योतिषीय विशेषता

बृहस्पति ग्रह का रत्न पुखराज पीली आभा लिये होता है। यह गहरा पीला, हल्का पीला एवं सफेद भी होता है। छूने में ठोस, चिकना, चमकीला, दाग धब्बा रहित पुखराज उत्तम होता है। दूध में रात भर रखने से असली पुखराज क्षीण नहीं होता है और न ही इसका रंग फीका होता है। पुखराज धारण करने से पहले अच्छी तरह जांच परख लेना चाहिए कि रत्न दोष रहित हो।

पुखराज धारण करने से लाभ

जिस व्यक्ति की कुण्डली में बृहस्पति नीच का होता है अथवा कमजोर होता है उनके लिए पुखराज धारण करना लाभप्रद होता है। पुखराज अध्यात्म, सत्यता, लनशीलता और सजगता का प्रतीक होता है। प्रेमियो के लिए यह भाग्यशाली रत्न माना जाता है। मानसिक शांति एवं आत्मिक शांति के लिए भी यह रत्न लाभकारी होता है। इस रत्न को धारण करने से वाणी सम्बन्धी दोष एवं गले की पीडा से राहत मिलती है। प्राचीन यूनान में इसे अपोलो देवता द्वारा प्रदान किया गया माना जाता था जिसका उपयोग कई प्रकार के रोगों के ईलाज के लिए किया जाता था। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार जिस कन्या की शादी में बार बार बाधा आ रही हो वह अगर पुखराज धारण करती हैं तो विवाह में बाधक तत्व का अंत होता है और जल्दी शादी होती है।

हीरा की ज्योतिषीय विशेषता हीरा संसार का सबसे कठोर रत्न है। इसे किसी भी अन्य रत्न से खरोंचा नहीं जा सकता। हीरा जितना कठोर व चमकीला होता है उतना ही अच्छा माना जाता है। यह मुख्यत: सफेद, पीला , लाल, गुलाबी और काला होता है। मान्यताओं के अनुसार संतान की इच्छा रखने वाली महिलाओं को हीरा धारण नहीं करना चाहिए। ज्योतिषशास्त्र इस मान्यता को नही स्वीकार करता है। ज्योतिषशास्त्र के नियमानुसार जो स्त्री त्रिकोण हीरा धारण करती हैं उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है।

हीरा धारण करने से लाभ

हीरा शुक्र का रत्न है। तुला और वृषभ राशि वाले अगर इस रत्न को धारण करते हैं तो उनका शुक्र मजबूत होता है फलत: शुक्र से सम्बन्धित सभी क्षेत्रो में उन्हें लाभ मिलता है। जिनकी कुण्डली में शुक्र कमजोर अथवा मंदा है उन्हें भी हीरा धारण करने से लाभ मिलता है। हीरा की विशेषता है कि इसे धारण करने वाला व्यक्ति साहसी, बुद्धिमान और उत्साही होता है। हीरा कई प्रकार के मानसिक रोगों में लाभकारी होता है। यह जहर काटने में भी सक्षम होता है। हीरा धारण करने वाले पर जादू टोने का प्रभाव नहीं होता है। रंग के अनुसार हीरा का अलग अलग प्रभाव होता है जैसे लाल और पीला हीरा राजनीति और प्रशासन से सम्बन्धित व्यक्तियो के लिए लाभप्रद होता है। सामाजिक, धार्मिक और आध्यात्मिक क्षेत्र से जुडे हुए लोगों के लिए सफेद हीरा उत्तम होता है।

मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए कीजिए यह व्रत

मां ललिता

महाविद्याओं में से एक हैं। आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी के दिन मां ललिता का व्रत किया जाता है। इस व्रत को उपांग ललिता व्रत कहा जाता है। यह व्रत करने पर मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। इस वर्ष उपांग ललिता व्रत 17 अक्टूबर यानी शनिवार के दिन है।

मां ललिता की उत्पतिः

उपांग ललिता मां शक्ति का स्वरूप हैं। मां ललिता की उत्पत्ति तब हुई जब ब्रहमा जी द्वारा छोडे गये चक्र से पाताल समाप्त होने लगा तब इस स्थिति से विचलित होकर ऋषि-मुनि भी परेशान हो गए और संपूर्ण पृथ्वी धीरे-धीरे जलमग्न होने लगी है।तब सभी ऋषि माता ललिता देवी की उपासना की। उनकी प्रार्थना से प्रसन्न होकर देवी जी प्रकट होती हैं तथा इस विनाशकारी चक्र को थाम लेती हैं। सृष्टि पुन: नवजीवन को पाती है।

मां ललिता का स्वरूपः

कालिकापुराण के अनुसार देवी की दो भुजाएं हैं, यह गौर वर्ण की, रक्तिम कमल पर विराजित हैं। ललिता देवी की पूजा से समृद्धि की प्राप्त होती है। दक्षिणमार्गी शाक्तों के मतानुसार देवी ललिता को चण्डी का स्थान प्राप्त है। इनकी पूजा पद्धति देवीचण्डी के समान ही की जाती है।

व्रत का महत्वः

उपांग ललिता व्रत करने से मां उपांग ललिता का आशीर्वाद मिलता है। पौराणिक मान्यतानुसारइसदिन देवीललिता ने एक दानव लियाथा ।इसदिन भक्तगण षोडषोपचार विधि से मां ललिता का पूजन करते है। इस दिन मां ललिता के साथ साथ स्कंदमाता और शिव शंकर की भी शास्त्रानुसार पूजा की जाती है। ऐसे करें पूजन: शक्तिस्वरूपा देवी ललिता को समर्पित उपांग ललिता पंचमी आश्विन मास के शुक्ल पक्ष को पंचम नवरात्र के दिन मनाई जाती है। इस शुभ दिन भक्तगण व्रत एवं उपवास का पालन करते हैं, यह दिन उपांग ललिता व्रत के नाम से जाना जाता है।

क्यों लेना पडा भगवान विष्णु को वामन रूप में जन्म

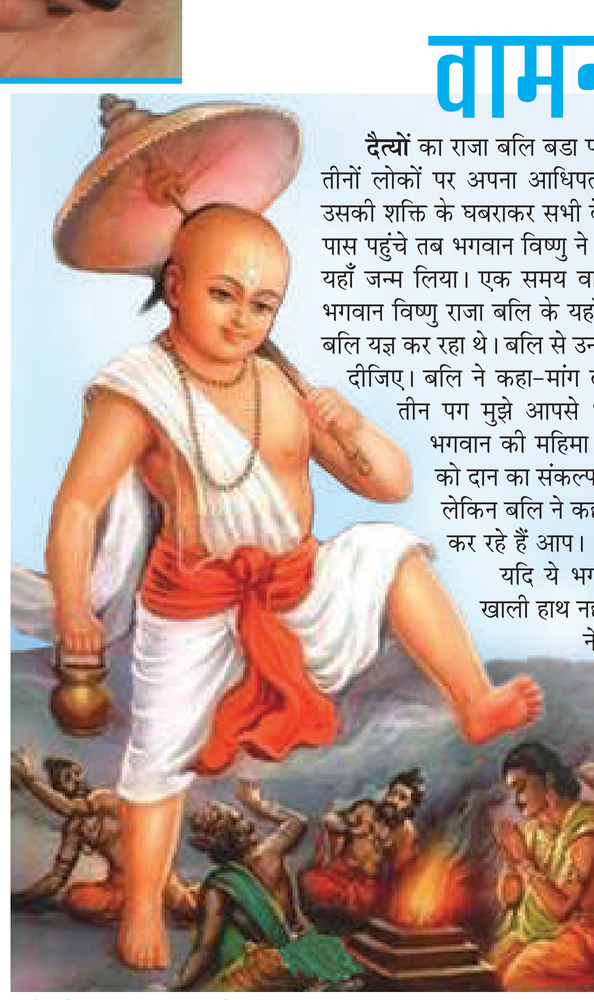

दैत्यों का राजा बलि बडा पराक्रमी राजा था। उसने तीनों लोकों पर अपना आधिपत्य स्थापित कर लिया। उसकी शक्ति के घबराकर सभी देवता भगवान वामन के पास पहुंचे तब भगवान विष्णु ने अदिति और कश्यप के यहाँ जन्म लिया। एक समय वामन रूप में विराजमान भगवान विष्णु राजा बलि के यहाँ पहुचे उस समय राजा बलि यज्ञ कर रहा थे। बलि से उन्होंने कहा राजा मुझे दान दीजिए। बलि ने कहा-मांग लीजिए। वामन ने कहा तीन पग मुझे आपसे धरती चाहिए। दैत्यगुरु भगवान की महिमा जान गए। उन्होंने बलि को दान का संकल्प लेने से मना कर दिया। लेकिन बलि ने कहा - गुरुजी ये क्या बात कर रहे हैं आप।

यदि ये भगवान हैं तो भी मैं इन्हें खाली हाथ नहीं जाने दे सकता। बलि ने संकल्प ले लिया। भगवान वामन ने अपने विराट स्वरूप से एक पग में बलि का राज्य नाप लिया, एक पैर से स्वर्ग का राज नाप लिया। बलि के पास कुछ भी नहीं बचा। तब भगवान ने कहा तीसरा पग कहां रखूं। बलि ने कहा--मेरे मस्तक पर रख दीजिए। जैसे ही भगवान ने उसके ऊपर पग धरा राजा बलि पाताल में चले गए। भगवान ने बलि को पाताल का राजा बना दिया। सतयुग में दैत्यराज प्रहाद के पोत्र बलि ने स्वर्ग में अधिकार कर लिया था। सभी देवता इस विपत्ति से मुक्ति पाने के लिए भगवान विष्णु के पास गए।

तब भगवान विष्णु ने देवताओ से कहा की में स्वयं देवमाता अदिति के गर्भ से जन्म लेकर तुम्हे स्वर्ग का राज्य दिलाऊंगा। कुछ समय पश्चात भाद्रपद शुक्ल द्वादशी को भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में जन्म लिया। इधर दैत्यराज बलि ने अपने गुरु शुक्राचार्य और मुनियो के साथ दीर्घकाल तक चलने वाले यज्ञ का आयोजन किया।

बलि के इस महायज्ञ में ब्रहमचारी वामन जी भी गए। वे अपनी मुस्कान से सब लोगो के मन मोह लेते थे। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने अपने तपो बल से वामन के रूप में अवतरित भगवान विष्णु को पहचान लिया। उन्होंने बलि को बताया की तुम्हारी राजलक्ष्मी का अपरहण करने भगवान विष्णु वामनरूपी अवतार में आये है। गुरुदेव की बातो को सुन कर राजा बलि ने कहा हे गुरुदेव आप क्यों धर्म विरोधी वचन कह रहे है, भगवान विष्णु स्वयं मुझ से दान मांगने आये है इस से बढकर और क्या हो सकता है। मैं तो केवल भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए यह यज्ञ कर रहा हुँ। यदि भगवान विष्णु स्वयं पधारे है तो में कृतार्थ हो गया। तभी वामनजी बलि के यज्ञशाला में पधारे, उन्हें देख राजा बलि अपने दोनों हाथ जोड के उनके सामने खडे हो गए और कहा, हे प्रभु मुझे अपनी सेवा का अवसर दीजिये ।तब वामन भगवान ने उनसे तीन पग भूमि मांगी और कहा भूमिदान का महात्म्य महान है।

राजा बलि के गुरु शुक्राचार्य भगवान विष्णु की लीला समझ गए और उन्होंने राजा बलि को दान देने से मना किया। लेकिन फिर भी बलि ने भूमि दान के संकल्प के लिए कलश उठाया परन्तु गुरु शुक्राचार्य उस कलश में घुस गए। भगवान विष्णु यह जान गए की गुरु शुक्राचार्य कलश में घुसकर जल की धारा को रोक रहे है .अत: उन्होंने कुश के अग्र भाग को कलश के मुख में घुसेड दिया जिसने गुरु शुक्राचार्य की एक आँख को नष्ट कर दिया। पीडा से व्याकुल होकर गुरु शुक्राचार्य उस कलश से बाहर निकले।

तब बलिं ने तीन पग दान का संकल्प लिया। भगवान विष्णु ने विशाल रूप धारण कर पहले एक पग पूरी धरती को नाप लिया तथा अपने दूसरे पग में उन्होंने पुरे स्वर्गलोक को नापा। जब तीसरे पग के रखने के लिए कोई जगह नही बची तो बलि के सामने संकट उत्पन्न हो गया। वामन भगवान ने उन्हें भय दिखाया की यदि तुमने अपना संकल्प पूरा नही किया तो ये अधर्म होगा। तब तीसरे पग के लिए अपने आप को समर्पित करते हुए राजा बलि ने अपना सर उनके पग के निचे रख लिया। वामन भगवान के तीसरा पग रखते ही बलि पाताललोक पहुंच गया। बलि की दानवीरता को देख वामनरूप भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल का राजा बना दिया और इस तरह भगवान विष्णु ने इंद्र को स्वर्गलोक सोपा।

कुछ ऐसी चीजें जिन्हें घर में रखने से कभी नहीं होती पैसों की कमी

अगर आप धन संबंधी परेशानियों को लेकर चिंतित रहते हैं तो इसका कारण आपके घर में मौजूद वास्तुदोष हो सकता है। इस दोष से मुक्ति और धन-सुख के लिए वास्तुशास्त्र में कुछ चीजें ऐसी बताई गई हैं जिन्हें घर में रखने से धन संबंधी सभी परेशानियां अपने आप खत्म हो जाती हैं और घर में हमेशा धन-धान्य बना रहता है।

धातु के बने कछुए और मछली को घर में रखना बहुत ही शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर से जुडी सभी समस्याएं खत्म होने लगती हैं। घर के जिस हिस्से में परिवार के सदस्य सबसे ज्यादा समय विताते हैं, वहां पर चांदी, पीतल या तांबे का पिरामिड रखें। यह घर के सदस्यों की आय में वृद्धि करता है। घर की उत्तर दिशा में पानी से भरी सुराही रखनी चाहिए। इससे घर में धन की कमी नहीं होती। सुराही न हो तो मिट्टी का घडा रखा जा सकता है। ये कभी भी खाली न रहे, पानी खत्म हो जाने पर इसे फिर से भर दें। घर की द्क्षिण-पश्चिम दिशा में भगवान हनुमान की पंचस्वरूप वाली मूर्ति या तस्वीर लगाएं। नियमित रूप से उनकी पूजा करें। घर के मेन गेट पर देवी लक्ष्मी, भगवान कुबेर या स्वास्तिक का चिन्ह या फोटो लगाने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती। घर में वास्तु भगवान की मूर्ति या तस्वीर रखने से घर के सभी वास्तु दोष खत्म हो जाते हैं और घर में कभी पैसों की कमी नहीं आती।

... तो क्रैश हो जाएंगे सारे कंप्यूटर?

कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के हिसाब ठीक से न कर पाने की वजह से 2038 में दुनियाभर के कंप्यूटर क्रैश हो जाएंगे? यह दावा कुछ कंप्यूटर प्रोग्रामर्स ने किया है। उनकी माने तो 19 जनवरी, 2038 को ग्रीनिच मान समय के मुताबिक सुबह 3 बजकर 14 मिनट और 7 सेकेंड पर सारे कंप्यूटर क्रैश हो जाएंगे। उनका अनुमान है कि एक जनवरी, 1970 के बाद से सेकेंड की संख्या कंप्यूटरों के अंदर स्टोर एक अहम अधिकतम संख्या को पार करेगी। कई कंप्यूटर कई तरह की गड़बड़ियों के शिकार हो सकते हैं। इस पर नये सिरे से बहस छिड़ गई है क्योंकि कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर वैज्ञानिकों का कहना है कि 2038 में होने वाली यह घटना मिलेनियम बग से कम नुकसान पहुंचाएगी। हालांकि सवाल यह भी है कि आज के कंप्यूटर 23 साल बाद कितने काम में रहेंगे। आम लोग भले ही कंप्यूटर को बहुत समर्थ मानते हैं। लेकिन क्या ऐसा संभव है कि कंप्यूटर ही नंबरों का हिसाब न कर पाए? 4 जून, 1996 को यूरोपियन एजेंसी का बिना मानव रहित एरियन 5 रॉकेट, चार महंगे सेटेलाइट को लेकर अंतरिक्ष की ओर रवाना हुआ था। लेकिन 39 सेकेंड के बाद ही रॉकेट में धमाका हुआ और वो आग में तब्दील हो गया। यह कंप्यूटर सॉफ्टवेयर के हिसाब ठीक से न कर पाने की वजह से हुआ। विश्लेषकों की माने तो अगर 248 दिनों को सेकेंड के 100वें हिस्से में गिना जाए तो जो संख्या सामने आती है वो वही 2,147,483, 647 है।

बड़ी इलायची में समाए चमत्कारी गुण

बड़ी इलायची जहां खाने में स्वाद का काम करती है। वहीं यह हमें कई बीमारियों में निजात दिलाने में भी हमारी मदद करती है। खांसी जुकाम हो जाए तो बडी इलायची की चाय या काढा बना के पीने से ठंड से राहत मिलेगी। इलायची का प्रयोग हमारे शरीर कई बीमारियों से छुटकारा दिलाती है। साथ ही बड़ी का प्रयोग करने से आपकी त्वचा में निखार भी आता है।

कॉपर के अधिक सेवन से अल्जाइमर का खतरा

मस्तिष्क को प्रोटीन को कम करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। डिमेंशिया का कारण बनने वाले प्रोटीन को कम करने के लिए मस्तिष्क का संघर्ष। रेड मीट, शेल फिश और सब्जियां भोजन में तांबे के प्रमुख स्रोत। दिमाग के रक्षा करने वाले तंत्र में हस्तक्षेप करता है कॉपर। लंबे समय तक कॉपर का अधिक सेवन करने वाले अब सावधान हो जाए क्योंकि अमरीकी वैज्ञानिकों ने चूहों पर अपने प्रयोग के बाद ताज़ा शोध में यह जानकारी दी कि लंबे समय तक भोजन में कॉपर का अधिक सेवन अल्जाइमर बीमारी की वजह बन सकता है।

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेस ने कहा कि कॉपर की अधिक मात्रा के कारण मस्तिष्क को उस प्रोटीन को कम करने के लिए संघर्ष करना पड़ता है जिसे डिमेंशिया का प्रमुख कारण माना जाता है। शोध के निष्कर्ष पर वैज्ञानिकों के बीच बहस जारी है क्योंकि कुछ अन्य शोधों का कहना है कि कॉपर वास्तव में मस्तिष्क की सुरक्षा करता है। रेड मीट, शेल फिश और सब्जियां भोजन में तांबे के प्रमुख स्रोत हैं। कॉपर के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए वैज्ञानिकों ने चूहों पर शोध किया। इस टीम ने पाया कि कॉपर दिमाग के रक्षा करने वाले तंत्र में हस्तक्षेप करता है। जिन चूहों को पानी में घोलकर ज़्यादा कॉपर दिया गया। उनके दिमाग़ की रक्त वाहिनियों में कॉपर की मात्रा बढ़ गई और उनके दिमाग की सक्रियता प्रभावित हुई।

वैज्ञानिकों का कहना है कि दिमाग की झिल्ली के काम करने के तरीके पर असर पड़ा। इसके साथ-साथ चूहों के दिमाग का बीटा एम्लॉयड के उस प्रोटीन से छुटकारा पाना कठिन हो गया, जो डिमेंशिया का प्रमुख कारण है। एल्जाइमर सोसायटी के डॉक्टर डाउग ब्राउन कहते हैं, तांबा शरीर के लिए अहम खनिज है, लोगों को इस शोध को सावधानी के साथ लेना चाहिए और अपने खाने से तांबे को हटाना नहीं चाहिए

भूख लगने पर ही खाएं

अक्सर देखा जाता है कि कुछ लोग भूख न होने पर भी कुछ न कुछ खाते रहते हैं, इस तरह से कुछ न कुछ खाने की आदत आपकी सेहत पर बुरा असर डाल सकती है। में हुए एक रिसर्च में बताया गया है कि भूख न होने पर खाना सेहत के लिए अच्छा नहीं है। वैज्ञानिकों ने इस रिसर्च के लिए स्नातक के 45 छात्रों को शामिल किया। इन छात्रों से सबसे पहले इनके भूख के स्तर की जानकारी ली गई। इसके बाद इन्हें कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन दिया गया।

भोजन की नियमित खुराकें स्वास्थ्य पर क्या प्रभाव डालती हैं, इसे जानने के लिए रिसर्चर्स ने प्रतिभागियों द्वारा भोजन करने के बाद उनके रक्त शर्करा का स्तर मापा गया। रिसर्च में पाया कि कार्बोहाइड्रेट युक्त भोजन करने के बाद रक्त शर्करा स्तर में वृद्धि हुई।

मधुमेह रोगियों के लिए सर्वश्रेष्ठ आहार योजना

मधुमेह से पीड़ित लोग स्वस्थ खान-पान और जीवन भर हेल्दी डाइट योजना पर अमल कर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित कर सकते हैं। मधुमेह को रोकने और नियंत्रित करने के लिए कदम उठाते हुए अभाव का कष्ट सहने की जरूरत नहीं है। न ही आपको मिठाई को पूरी तरह छोड़ने की जरूरत है। बल्कि जीवन भर हेल्दी डाइट लेना महत्वपूर्ण है। फाइबर से उच्च और शुगर और फैट में कम और दिल के लिए स्वस्थ आहार मधुमेह प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण होता है। मधुमेह से पीड़ित लोग स्वस्थ खान-पान और दैनिक आहार योजना बनाकर ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित कर सकते हैं।

मधुमेह नियंत्रण के सुझाव

मधुमेह को नियंत्रण करने के लिए आपको कुछ उपायों पर अमल करना होगा। इसके लिए आपको अपने आहार को छोटे भागों में विभाजित करना होगा। नियमित रूप से अपने सभी आहार को लेने कोशिश करें। इसके अलावा अपने आहार में कार्बोहाइड्रेट, मिनरल और फाइबर से परिपूर्ण खाने की कई आइटम को जोड़ने का प्रयास करें।

मिथक : मधुमेह होने पर चीनी बिल्कुल नहीं लेनी है।

तथ्य: मधुमेह होने पर चीनी को बिल्कुल नहीं लेना यह हम सभी के दिमाग में बैठा हुआ है। लेकिन अच्छी खबर यह है कि स्वस्थ आहार योजना को ठीक से लागू करने पर आप अपने पसंदीदा खाद्य पदार्थों का आनंद ले सकते हैं। मिठाई को सीमा से दूर रखने की जरूरत नहीं है जब तक यह एक स्वस्थ भोजन योजना का हिस्सा है या व्यायाम के साथ जुड़ा हुआ है।

मिथक: हाई प्रोटीन आहार सबसे अच्छा होता है।

तथ्य: अध्ययन से पता चला है कि बहुत ज्यादा प्रोटीन, विशेष रूप से पशु प्रोटीन, खाना इंसुलिन प्रतिरोध का कारण बन सकता है। जो वास्तव में मधुमेह का एक महत्वपूर्ण कारक है। संतुलित आहार एक कुंजी है। एक स्वस्थ आहार में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा शामिल होता है। हमारे शरीर को ठीक ढ़ंग से काम करने के लिए तीनों की जरूरत होती है।

मिथक: कार्बोहाइड्रेट में कटौती करें।

तथ्य: संतुलित आहार खाना सेहत की कुंजी होती है। सर्विंग का साइज और कार्बोहाइड्रेट का प्रकार विशेष रूप से महत्वपूर्ण होता हैं। इसलिए होलग्रेन कार्बोहाइड्रेट पर ध्यान दें क्योंकि यह फाइबर का अच्छा स्रोत होता हैं। आसानी से पच जाता है और रक्त में शुगर के स्तर को सही रखता है।

दूध का सेवन

दूध कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का सही संयोजन होता है और यह रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। दैनिक आहार में दूध के दो गिलास पीना एक अच्छा विकल्प है।

उच्च फाइबर सब्जियां

अपने आहार में उच्च फाइबर सब्जियां जैसे मटर, सेम, ब्रोकोली, पालक और हरी पत्तेदार सब्जियों को शामिल करें। इसके अलावा दालें भी एक स्वस्थ विकल्प हैं और इसे आपके आहार का हिस्सा होना चाहिए।

उच्च फाइबर फल

फाइबर से भरपूर फल जैसे पपीता, सेब, संतरा, नाशपाती और अमरूद का सेवन भी करना चाहिए। आम, केले और अंगूर में शुगर की उच्च मात्रा होने के कारण इन फलों को सेवन कम करना चाहिए।

कृत्रिम स्वीटनर का कम इस्तेमाल

कृत्रिम स्वीटनर मूल रूप से शुगर से मिलने वाली कैलोरी को कम करता है। इन गोलियों का सेवन एक दिन में 6 गोलियों से कम होना चाहिए क्योंकि ज्यादा लेने से इसके साइड इफेक्ट होने लगते है। हालांकि, संयम एक बेहतर तरीका से जीवित रहने के लिए महत्वपूर्ण होता है। मधुमेह नियंत्रित किया जा सकता है अगर डॉक्टर और रोगी संयोजन के साथ काम करें।

अतिरिक्त वजन कम करें

यदि आप मोटे हैं, तो मधुमेह की रोकथाम वजन घटाने पर निर्भर हो सकती है। वजन का हर एक किलो कम करना आपके स्वास्थ्य में सुधार कर सकता हैं और आपके लिए आश्चर्यजनक हो सकता है। कम कार्बोहाइड्रेंट आहार और आहार योजना आपको वजन कम करने में मदद कर सकती हैं।

महत्वपूर्ण है विटामिन डी

हम में से ज्यादातर लोग विटामिन डी को महत्वपूर्ण नहीं समझते हैं। लेकिन यह मधुमेह से लड़ने के लिए महत्वपूर्ण होता है। इसलिए विटामिन डी के स्तर की जांच की जानी चाहिए। कम विटामिन डी मधुमेह का कारण भी हो सकता है। विटामिन डी का सबसे अच्छा स्रोत धूप पड़ना है।

खाना पकाने की युक्तियां

मधुमेह रोगियों के लिए बिना तेल के खाना बनाना सीखना होगा। परिष्कृत उत्पाद (चीनी, सफेद आटा, सफेद चावल, फलों का रस आदि) खाना बंद करना होगा। साथ ही प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ खाने बंद करने होगें। इसके अलावा डेयरी उत्पाद खाने और पीने बंद करने होगें।

मधुमेह रोगियों के लिए आहार योजना

सुबह जल्दी: 6-7 बादाम / 1-2 अखरोट।

नाश्ते में आइटम: 1 कटोरी ओट्स/ दूध/ 2 अंडे के स्लाइस/मल्टीग्रेन ब्रेड/सब्जियां/दही/टोस्ट।

सुबह का नाश्ता: आप पपीता, नारियल और छाछ आदि सहित मौसमी फल जोड़ सकते हैं।

दोपहर का भोजन: सलाद, सब्जियां, दाल, चपाती, दही, चावल, पनीर चिकन आदि।

शाम का नाश्ता: फल और स्नैक्स जैसे ढोकला, इडली, भुना हुआ नमकीन और मुरमुरा आदि।

रात का खाना: मिक्स्ट सब्जियों का सूप। चपाती, सब्जी, दाल/चिकन, हरा सलाद।

बच्चों पर साइबर बुलिंग का खतरा...

इंटरनेट के बिना आज हमारा जीवन अधूरा है और जहां तक आज के बच्चों का सवाल है, उनके लिए इंटरनेट के बिना दुनिया का कोई मतलब ही नहीं है। दुर्भाग्य से आमतौर पर माता-पिता अपने बच्चों की इंटरनेट गतिविधियों को लेकर अधिक जानकारी नहीं रखते हैं। वास्तविक दुनिया की तरह इंटरनेट की दुनिया में भी बच्चे कई तरह के खतरों के प्रति अनजान होते हैं। नार्टन ऑनलाइन फैमिली रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि 79 फीसदी बच्चे नकारात्मक ऑनलाइन स्थिति का सामना करते हैं और 60 फीसदी किसी न किसी रूप में साइबर क्राइम के शिकार हैं। साइबर बुलिंग में गलत अफवाहों का फैलना, धमकी भरे संदेशों का प्रसार और अपमानजनक तस्वीरें पोस्ट किए जाना आदि शामिल हैं। साइबर बुलिंग करने वाला टेक्स मैसेज, ईमेल, इंस्टेंट मैसेज, सोशल नेटवर्किंग मैसेज भेजता है या ब्लॉग, वेब पेज पर या ऑनलाइन गेम प्लेटफार्म पर ऐसी सामग्री पोस्ट करता है, जो दूसरों को परेशान, अपमानित करने या डराने-धमकाने के लिए होती है। तकनीक का लाभ उठाकर वे ऐसे संदेश और सामग्री व्यापक रूप से प्रसारित करते हैं।

क्या हैं कारण?

साइबर बुलिंग के कारण अक्सर उसी तरह के होते हैं, जो आम तौर से स्कूल परिसरों में दी जाने वाली धौंस-धमकी के होते हैं। मसलन शक्ति का प्रदर्शन करना, बदला लेने की इच्छा या हुए नुकसानों की भरपाई। कोई पीड़ित जब अपना बचाव करने के लिए ऑनलाइन गलत संदेश का प्रसार करता है तो उसे भी साइबर बुलिंग के रूप में देखा जा सकता है। साइबर बुलिंग प्राय: गुमनाम

रहकर की जाती है और इसे बार-बार दोहराया जाता है। यह किसी एक व्यक्ति या ऑनलाइन ग्रुप का काम हो सकता है। दुर्भाग्य से अन्य नकारात्मक ऑनलाइन अनुभवों की तरह साइबर बुलिंग का भी बच्चों पर विपरीत असर पड़ता है।

प्यार से लाएं राह पर

बच्चों के लिए इंटरनेट का अनुभव सुरक्षित बनाने के लिए उनके माता-पिता की भूमिका महत्वपूर्ण है। आधुनिक माता-पिता उस पहली पीढ़ी के माता-पिता हैं जिन्हें अपने बच्चों को न केवल वास्तविक दुनिया में बल्कि तेजी से विस्तृत होती आभासी दुनिया में भी सुरक्षित रखने के सभी उपाए करने होंगे।

नकारात्मक अनुभव: एक रिपोर्ट के मुताबिक विश्वभर के लगभग 62 फीसद बच्चों ने प्रतिक्रिया दी कि ऑनलाइन होने के समय उन्होंने कोई नकारात्मक अनुभव प्राप्त किया। 10 में लगभग 4 के लिए हालांकि ऐसा ऑनलाइन नकारात्मक अनुभव अधिक गंभीर रहा, जैसे कि अजनबियों से कोई अनुचित तस्वीर प्राप्त करना, धमकाया जाना या साइबरक्राइम का शिकार हो जाना। आज प्रत्येक चार में एक भारतीय माता-पिता इस बात से चिंतित हैं कि उनके बच्चे को ऑनलाइन धमकाया जा सकता है।

कैसे बचाएं बच्चों को: बच्चों के साथ बेहतर संवाद कायम रखें। बच्चों के साथ तकनीक का सुरक्षित व समुचित उपयोग करने के महत्व के बारे में खुलकर बात करें। बच्चे की इंटरनेट गतिविधियों व सेलफोन इस्तेमाल पर निगाह रखें। देखी गई साइटों पर चर्चा करें और जरूरी हो तो कॉल लॉग भी ब्राउज करें। यदि बच्चे को ऐसा करना दखलंदाजी लगे तो अपने बच्चे की भलाई के लिए वास्तविक सरोकारों पर जोर दें। साइबर बुलिंग के संकेतों को पहचानें। अनेक लक्षण हैं जिन्हें लेकर सचेत रहें, मसलन फ्रस्ट्रेशन या डिप्रेशन, खासतौर से सेलफोन या कंप्यूटर उपयोग करने के बाद ऐसा बर्ताव करना, दोस्तों या रोजमर्रा की सामान्य मनोरंजक गतिविधियों से कट जाना या फिर स्कूल में बच्चे के शैक्षणिक प्रदर्शन में किसी प्रकार की गिरावट दिखाई देना या अरूचि होना आदि।

सतर्कता जरूरी: ऑनलाइन पैरेंटिंग, वास्तविक जीवन में पैरेंटिंग से कोई अलग नहीं है। माता-पिता को केवल नियम नहीं बनाने हैं, उन्हें समझना होगा कि उनके बच्चे ऑनलाइन क्या कर रहे हैं और उनके बच्चों की ऑनलाइन गतिविधियों पर पूरी निगाह रखनी होगी। माता-पिता द्वारा बच्चों को इंटरनेट संबंधी ऐटिकेट की जानकारी देना, सामाजिक कौशल सिखाने के समान ही महत्वपूर्ण है। ऑनलाइन किसी भी अप्रिय स्थिति से रूबरू होने पर भारतीय बच्चे, अपने माता-पिता को बताते हैं, वहीं अभिभावकों को इसके बदले में अपने बच्चों को शिक्षित और सशक्त बनाने हैं।

रेसिपी

राजमा गलाउटी कबाब

सामग्री

3/4 कप सलाईस्ड प्याज, 2 टेबल-स्पून घी, 2 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ अदरक, 1 1/2 टी-स्पून बारीक कटी हुई हरी मिर्च, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/2 कप पनीर, 3/4 कप भिगोए , उबले और हलके मसले हुए राजमा, 1/2 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 1 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून गरम मसाला, 1 टेबल-स्पून तेल

विधि

कढ़ाई मे मध्यम आंच पर तेल गरम करें और प्याज़ डालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर एक तरफ रख दें। पैन में घी गरम करें, अदरक और हरी मिर्च डालकर 30 सेकेन्ड तक भुन लें। तेल छोड़कर, बची हुई सामग्री डालकर 3-4 मिनट तक पका लें। मिश्रण को 5 बराबर भाग में बांट लें और प्रत्येक भाग के चपटे गोल कबाब बना लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम कर लें और कबाब डालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

सान्वा पान्की

सामग्री

2 कप सामा , पीसकर मुलायम पाउडर बना हुआ, 1/2 कप राजगीरे का आटा, 4 टेबल-स्पून आरारोट आटा, 2 टेबल-स्पून घी, 1 टी-स्पून ज़ीरा, 3/4 कप खट्टा दही , फेंटा हुआ, सेंधा नमक , स्वादअनुसार, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा धनिया, 1 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 4 से 6 केले के पत्ते, 150 मि.मी. चौकोर टुकड़ो में कटे हुए, चुपड़ने और पकाने के लिए तेल, **परोसने के लिए:** हरी चटनी, भावनगरी मिर्च

विधि

सामे का पाउडर, राजगीरे का आटा, अरारोट आटा, दही, सेंधा नमक, धनिया, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, जीरा और 1/2 कप पानी को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह से मिलाएं और मुलायम घोल बना लें। ढ़ककर खमीर उठने के लिए 1 घंटा एक तरफ रख दें। केले के पत्तों के एक तरफ को तेल से चुपड़े और एक जगह रख दें। 2 टेबल-स्पून घोल को केले के पत्ते के एक तरफ रखें और पतली परत में फैला लें। पत्ते की दुसरी तरफ को घोल के उपर रखें और मोड़ लें। एक नॉन-स्टिक पैन या तवा गरम करें और पान्की को थोड़े से तेल का प्रयोग कर दोनों तरफ से पान्की के पत्ते से अलग होने तक पका लें। बचे हुए घोल को प्रयोग कर 14 और पान्की बना लें। हरी चटनी और भावनगरी मिर्च के साथ तुरंत परोसें।

पुरुषों के लिए फिट रहने के टिप्स

फिटनेस की परिभाषा पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग नहीं होती है। बल्कि शारीरिक फिटनेस शरीर और मस्तिष्क दोनों को स्वस्थ रखने में मदद करता है। नियमित एक्सरसाइज से न केवल मांसपेशियों में ताकत आती है बल्कि इससे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में विकास होता हैं, ढलती उम्र धीमी पड़ जाती है और कई अन्य तरह के रोगों से बचाव होता है। इसलिए पुरुषों को फिट रहने के लिए इन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

आरामफरामोश न बनें

आधुनिक और आराम तलब जीवनशैली के कारण पुरूष 20 साल के बाद ही हृदयघात के खतरों की चपेट में आने लगते हैं। जो लोग आराम तलब जीवन जीते हैं, एक्सरसाइज करने से जी चुराते हैं और जंक व डिब्बा बंद आहार पर जीते हैं उनमें खराब कोलेस्ट्रोल या निम्न घनत्व वाले लिपोप्रोटीन का स्तर रक्त में हमेशा उच्च रहता है। अपने शरीर में एलडीएल के स्तर को कम करने के लिए नियमित एक्सरसाइज करके एचडीएल के स्तर को उंचा उठाया जा सकता है।

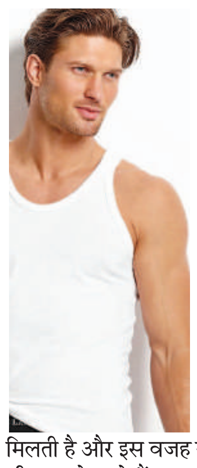

रक्तचाप सामान्य रखें

जीवन में कड़ी प्रतिस्पर्धा के कारण पैदा हुए निराशा और तनाव के कारण पुरूषों में उच्च रक्तचाप की बीमारी होना एक आम बात हो गई है। नियमित व्यायाम से रक्तचाप के स्तर को सामान्य रखने में मदद मिलती है और इस वजह से हृदयघात और हृदय रोगों के खतरे भी कम हो जाते हैं।

बढ़ाएं ब्लड सर्कुलेशन

जब आप एक्सारसाइज करते हैं तब शरीर का ब्लड सर्कुलेशन तेज हो जाता है और शरीर में ब्लड की सप्लाई भी अधिक होने लगती है। रक्त धमनी शरीर में ब्लड की जरूरत के अनुसार फैलता और सिकुड़ता रहता है। लेकिन जब अदमी आराम तलबी का जीवन जीने लगता है कोई श्रम या एक्सरसाइज नहीं करता हैं तब उसके रक्त धमनी में कोलेस्ट्रोल जमा होने से रक्त धमनी सिकुड़ जाती है जो अंततः हृदय घात का कारण बनती है।

बीमारियों के खतरे कम करें

अस्वस्थ जीवनशैली और खानपान में अनियमितता के कारण वर्तमान में डायबिटीज, कैंसर, अर्थराइटिस, हृदय की बीमारियां, पेट की समस्याएं आदि बढ़ रही हैं। इन बीमारियों से बचाव की कोशिश कीजिए। इसके लिए रोज व्यायाम करें और नियमित जांच कराए।

वजन कम करें

वजन बढ़ने से कई तरह की बीमारियां होने लगती हैं, इसलिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। वजन कम करने से दिल की बीमारियां नहीं होती हैं। इसलिए इसपर काबू पाने के लिए रोज व्यायाम करें और हेल्दी आहार का सेवन करें। पुरुष इन सामान्य सी बातों को ध्यान में रखकर न केवल फिट रह सकते हैं बल्कि बीमारियों से भी बच सकते हैं।

संपादकीय

खाक हुई जिंदगियां

दिल्ली में मालवीय नगर स्थित एक होटल में हुए अग्निकांड के बाद भले ही गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया हो, लेकिन सवाल है कि अग्निकांड में मरे लोगों का जीवन कौन लौटाएगा? आखिर देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है। निश्चित रूप से यह महज आग से जुड़ा हादसा नहीं है बल्कि होटल संचालन से जुड़े नियमों की अनदेखी, निगरानी करने वाले विभागों की लापरवाही और तंत्र की विफलता का परिचायक है। लेकिन गाहे-बगाहे होने वाले अग्निकांडों के बावजूद तंत्र की काहिली बदस्तूर जारी है। जांच के दायरे में घटना के बाद फरार होटल मालिक ही नहीं, बल्कि वे अधिकारी भी जिम्मेदार हैं जिन्होंने इसको संचालित करने के नियमों का अनुपालन नहीं किया और भवन निर्माण की स्वीकृति व उपयोग की अनुमति दी। यह जानते हुए भी कि होटल में निकासी का मार्ग बेहद संकरा है और अग्निशमन की पर्याप्त व्यवस्था उपलब्ध नहीं हैं। दिल्ली के होटल में हुए अग्निकांड के बारे में बताते हैं कि आपातकालीन निकासी के अभाव व सुरक्षा मानकों का पालन न होने से ज्यादा मौतें हुई। धुंआ निकलने की पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण भी ज्यादा लोग दम घुटने से मौत के मुंह में समा गए। आखिर प्रशासन के अधिकारियों ने यह क्यों नहीं देखा कि स्वीकृत क्षमता से चार गुना विस्तार कर लिया गया है। गेस्ट हाउस के निर्माण में तमाम लाइसेंस शर्तों का घोर उल्लंघन हुआ। आपातकालीन निकासी की व्यवस्था न होने के कारण लोग अपनी जान बचाने के लिये, बदहवासी में ऊपरी मंजिलों से कूदते नजर आए। होटल के बाहर फैले बिजली के तार और अग्निकांड में हुई व्यापक क्षति बताती है कि विद्युत सुरक्षा मानकों का भी पालन ठीक से नहीं हुआ। जाहिर बात है कि गेस्ट हाउस से होटल बनाने से, उपयोग में हुए बदलाव की निगरानी की जिम्मेदारी स्थानीय नगर निकाय की होती है। यदि वर्षों से यह अवैध रूप से संचालित था, तो जांच व कार्रवाई क्यों नहीं की गई। यदि इसकी अग्नि सुरक्षा को लेकर एनओसी जारी की भी गई थी तो उसके बाद निरीक्षण व नियमों का अनुपालन क्यों सुनिश्चित नहीं किया गया? जाहिर बात है कि लाइसेंस प्राप्त करने वाले होटलों व रेस्टोरेंट की नियमित जांच करके इनके मालिकों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए थी। क्यों किसी भी विभाग ने निरीक्षण व कार्रवाई की जहमत नहीं उठायी? क्या निरीक्षण करने वाले अधिकारी ले-देकर खामोश होकर बैठ गए? विडंबना देखिए कि बेसमेंट में कमरे,किचन बना दिए गए, लेकिन वेंटिलेशन व इमरजेंसी एग्जिट का कोई प्रावधान नहीं था। जिससे होटल धुंआ निकासी की चिमनी बनकर रह गया और तमाम लोगों की दम घुटने से मौत हो गई। बताते हैं कि आरोपी होटल मालिक आसपास में ही कुछ पार्टनरों के साथ मिलकर तीन होटल संचालित कर रहा था और सब ही जगह आपराधिक लापरवाही नजर आई। मोटे मुनाफे के लिये लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा था। लेकिन स्थानीय प्रशासन व जवाबदेह विभाग बेपरवाह बने रहे। निश्चय ही यह स्थिति सख्त कार्रवाई के बाद बदलनी चाहिए।

देश की राजधानी में अकसर होने वाले अग्निकांडों का सिलसिला कब और कैसे खत्म होगा? क्या इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय होगी? एक बार फिर अंधे लालच और आंख मूंदे तंत्र की लापरवाही से बुधवार को एक होटल में लगी भीषण आग में 21 लोगों की मौत हो गई। अभी भी कई लोग जिंदगी और मौत के बीच झूल रहे हैं। मरने वालों का आंकड़ा बढ़ने की आशंका भी जतायी जा रही है। घटना ने एक बार फिर होटल, गेस्टहाउस और रेस्तरां संचालन की निगरानी करने वाली व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। विडंबना देखिए कि मरने वालों में अधिकांश विदेशी लोग भी हैं, जो सस्ता इलाज कराने भारत आए थे। एक ही परिवार के आठ लोगों के अग्निकांड का शिकार होना बेहद दुखद है। विडंबना देखिए कि जिस एक मंजिला भवन को छह कमरों का गेस्ट हाउस चलाने की अनुमति मिली थी, वहां शासन-प्रशासन की नाक के नीचे एक छह मंजिला होटल बना दिया गया, जिसमें 26 कमरे और रेस्टोरेंट संचालित किया जा रहा था। जिसमें अस्सी से सौ लोगों की मौजूदगी बतायी जा रही है।

कुछ अलग

राख के बीच

बॉर्डर के पास बसे छोटे कस्बे में इन दिनों अजीब-सी खामोशी थी. पहले शाम होते ही चौराहे की दुकान पर चाय की चुस्कियों के साथ खेती, मौसम, राजनीति पर बहसें होती थीं। अब वही लोग टीवी के आसपास खड़े रहते और युद्ध की खबरों पर नजरें गड़ाए दिखते।रामू चायवाला रोज की तरह दुकान खोलता, पर ग्राहकों के चेहरों पर पहले जैसी बेफिक्री नहीं थी। सबकी निगाहें कभी टीवी पर टिकतीं, कभी आसमान पर। कस्बे का ही एक युवक सुरेश, कुछ महीने पहले विदेश कमाने गया था। उसकी बूढ़ी मां हर दूसरे दिन चाय की दुकान तक आ जाती, जैसे खबरों के बीच उसे अपने बेटे की कोई झलक मिल जाएगी। एक दिन सुबह-सुबह सेना के कुछ ट्रक कस्बे से गुजरे। उनके पहियों से उठी धूल देर तक हवा में तैरती रही। लोग सड़क किनारे खड़े फुसफुसाते तो कुछ चुपचाप देखते रहे। उस धूल में जैसे कई सवाल भी उड़ रहे थे। दिन बीतते जा रहे थे। अहम और लोभ की लड़ाई में वे लोग पिस रहे थे जिनका कोई ताल्लुक नहीं था। रसोई के चूल्हे और गाड़ियों के चक्के शांत हो गए थे। अखबारों में दावों और दंगल की बातें छपती रहीं। लेकिन कस्बे की गलियों में इंतजार ही सबसे बड़ी खबर था। फिर एक शाम टीवी पर घोषणा हुई- दोनों पक्षों के बीच युद्धविराम की बातचीत शुरु हो गई है। शब्द छोटे थे, पर असर गहरा। चौराहे पर बैठे लोगों ने राहत की सांस ली। बच्चे फिर गली में दौड़ने लगे। रसोई से गर्म खुशबू आने लगी। पहिए घूमने लगे। सुरेश की मां खबर सुनते ही दुकान पर आई। उसकी आंखों में पहली बार डर से ज्यादा उम्मीद थी। रामू ने राहत की सांस लेते हुए कहा, लगता है अब शांति लौट आएगी।

ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था

तृणमूल कांग्रेस में टूट और ममता की बढ़ती चिन्ताएं

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंततः उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है। चाहे वह इंदिरा गांधी का आपातकाल हो, पश्चिम बंगाल में वामपंथी शासन या दिल्ली में आम आदमी पार्टी का अंत या फिर उत्तर प्रदेश एवं बिहार की अनेक राजनीतिक घटनाएँ-हर जगह जनता ने यह संदेश दिया है कि सत्ता जनता की सेवा के लिए है, शासन के अहंकार के लिए नहीं। ममता बनर्जी को कभी संघर्षशील, जुझारू और जननेता के रूप में देखा जाता था। उन्होंने वामपंथी शासन के लंबे दौर को समाप्त कर बंगाल में परिवर्तन का नया अध्याय लिखा। किंतु समय के साथ उनकी राजनीति पर अहंकारवाद, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण के आरोप बढ़ते गए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पार्टी के भीतर निर्णय प्रक्रिया का अत्यधिक केंद्रीकरण और कुछ व्यक्तियों का बढ़ता प्रभाव अनेक वरिष्ठ नेताओं को असहज करता रहा है। यही कारण है कि समय-समय पर असंतोष के स्वर उभरते रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणीकारों द्वारा प्रकाशित विश्लेषणों में भी यह प्रश्न उठाया गया है कि यदि किसी दल में संगठन से अधिक व्यक्ति महत्वपूर्ण हो जाए, तो वहां असंतोष स्वाभाविक रूप से जन्म लेता है। हाल के घटनाक्रमों ने इस आशंका को और बल दिया है। जिस प्रकार पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता और विधायक नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे हैं, उससे यह स्पष्ट होता है कि समस्या केवल व्यक्तियों की नहीं, बल्कि संगठनात्मक संस्कृति की भी है। भारतीय राजनीति में हाल के वर्षों में आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल का उदाहरण भी इस संदर्भ में उल्लेखनीय है। वर्ष 2013 से लेकर 2024 तक दिल्ली की राजनीति में आम आदमी पार्टी ने अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की। भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन से निकले केजरीवाल को जनता ने ईमानदार, पारदर्शी और वैकल्पिक राजनीति के प्रतीक के रूप में स्वीकार किया। लेकिन समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, विरोधियों के प्रति असहिष्णुता, राजनीतिक अहंकार और स्वयं को अजेय मान लेने की प्रवृत्ति उनके नेतृत्व पर हावी होती दिखाई दी। जनता ने देखा कि जो दल कभी राजनीतिक शुचिता और नैतिकता की बात करता था, वह भी सत्ता के उसी

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी), जिसने पिछले डेढ़ दशक से बंगाल की राजनीति पर लगभग एकाधिकार स्थापित कर रखा था, आज आंतरिक असंतोष, नेतृत्व संबंधी प्रश्नों और जनविश्वास के संकट से जूझती दिखाई दे रही है। पार्टी के भीतर असंतुष्ट नेताओं और विधायकों की गतिविधियों ने यह संकेत दिया है कि संगठनात्मक एकता में दरारें उभर रही हैं। यह स्थिति केवल किसी एक राजनीतिक दल का संकट नहीं है, बल्कि लोकतंत्र में राजनीतिक मूल्यों, जनभावनाओं और नेतृत्व की भूमिका पर पुनर्विचार का अवसर भी है। राजनीति में इतिहास बार-बार यह प्रमाणित करता रहा है कि जब भी सत्ता के साथ अहंकार जुड़ता है, जनता अंतत: उसका उत्तर देती है। लोकतंत्र में जनता ही अंतिम निर्णायक होती है।

मोह और व्यक्तिकेंद्रित राजनीति का शिकार होता जा रहा है, जिसके विरुद्ध उसने संघर्ष प्रारम्भ किया था। परिणामस्वरूप दिल्ली की राजनीति में उसका प्रभाव कमजोर हुआ और जनता ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि लोकतंत्र में कोई भी नेता अथवा दल जनता से बड़ा नहीं होता। यह घटना इस सत्य को पुनः स्थापित करती है कि जनता लंबे समय तक अहंकार, अतिशयोक्ति और आत्ममुग्धता को स्वीकार नहीं करती। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस के समक्ष खड़ी चुनौतियों को भी इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा सकता है। जब किसी दल का नेतृत्व स्वयं को संगठन और जनता से ऊपर मानने लगता है, तब असंतोष जन्म लेता है, कार्यकर्ता दूर होने लगते हैं और अंततः राजनीतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है। इतिहास बताता है कि लोकतंत्र में विनम्रता, संवाद, जनभावनाओं का सम्मान और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता ही स्थायी राजनीतिक सफलता की कुंजी हैं। किसी भी लोकतांत्रिक दल की शक्ति उसके विचार, संगठन और कार्यकर्ताओं में होती है, न कि केवल एक नेता में। जब दल विचारधारा की बजाय व्यक्तिपूजा पर आधारित होने लगते हैं, तब उनका संकट निश्चित हो जाता है। भारतीय राजनीति में अनेक उदाहरण हैं जहाँ परिवारवाद ने दलों की जड़ों को कमजोर किया। महाराष्ट्र में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के विभाजन के पीछे भी नेतृत्व और उत्तराधिकार से जुड़े प्रश्न महत्वपूर्ण रहे। बंगाल में भी इसी प्रकार की चर्चाएँ समय-समय पर सामने आती रही हैं। तृणमूल कांग्रेस के सामने दूसरा बड़ा संकट उसकी सार्वजनिक छवि का है। शिक्षक भर्ती, नगर निकायों तथा अन्य प्रशासनिक मामलों से जुड़े विवादों ने जनता के मन में अनेक प्रश्न खड़े किए हैं। किसी भी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी जनता का विश्वास होता है। यदि जनता को यह महसूस होने लगे कि शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही कम हो रही है, तो राजनीतिक नुकसान होना स्वाभाविक है। इसके साथ ही पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चल रही पहचान, नागरिकता, सीमा सुरक्षा और अवैध घुसपैठ से जुड़ी बहसों ने भी राजनीतिक वातावरण को प्रभावित किया है। भारतीय जनता पार्टी ने इन मुद्दों को राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक अस्मिता के प्रश्न के रूप में प्रस्तुत किया। भाजपा का तर्क रहा है कि राष्ट्रहित सर्वोपरि होना चाहिए और किसी भी प्रकार की तुष्टिकरण की राजनीति अंततः समाज को विभाजित करती है। यही कारण है कि बंगाल में भाजपा ने अपनी राजनीतिक रणनीति को राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक पहचान और सुशासन के मुद्दों पर केंद्रित किया। भाजपा की बंगाल यात्रा भी अपने आप में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक अध्ययन का विषय है। कभी केवल दो सीटों तक सीमित रहने वाली पार्टी आज राज्य की सत्ता शिक्ति बन चुकी है। यह परिवर्तन अचानक नहीं हुआ। इसके पीछे वर्षों का संगठनात्मक विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का निर्माण, राष्ट्रीय नेतृत्व की सक्रियता तथा स्थानीय मुद्दों को राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ने की रणनीति रही है। भाजपा ने बंगाल में यह संदेश देने का प्रयास किया कि वह केवल एक राजनीतिक विकल्प नहीं, बल्कि वैचारिक विकल्प भी है। हालांकि यह भी उतना ही सत्य है कि केवल राष्ट्रवाद या धार्मिक पहचान के आधार पर किसी दल की स्थायी सफलता सुनिश्चित नहीं होती। लोकतंत्र में जनता विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा भी चाहती है। इसलिए किसी भी राजनीतिक दल के लिए आवश्यक है कि वह राष्ट्रीय भावना के साथ-साथ जनकल्याणकारी नीतियों को भी प्राथमिकता दे। राष्ट्र और राजनीति का संबंध अत्यंत गहरा है। कोई भी राजनीतिक दल तभी दीर्घकालिक सफलता प्राप्त कर सकता है जब वह राष्ट्रहित, संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभावनाओं के प्रति प्रतिबद्ध रहे। यदि कोई दल ऐसे तत्वों का समर्थन करता हुआ दिखाई देता है जो राष्ट्रीय एकता के विरुद्ध हों, तो जनता धीरे-धीरे उससे दूरी बनाने लगती है। भारत की लोकतांत्रिक चेतना इतनी परिपक्व हो चुकी है कि वह अंततः राष्ट्रहित और जनहित के बीच संतुलन स्थापित करने वाले नेतृत्व को ही स्वीकार करती है। पश्चिम बंगाल का वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य इसी सत्य की पुष्टि करता है। तृणमूल कांग्रेस के सामने चुनौती केवल बगावत या संगठनात्मक असंतोष नहीं है, बल्कि जनता के विश्वास को पुनः अर्जित करने की भी है। यदि पार्टी आत्ममंथन करती है, संगठन को लोकतांत्रिक बनाती है, पारदर्शिता बढ़ाती है और जनभावनाओं को समझने का प्रयास करती है, तो वह अपनी स्थिति को पुनः मजबूत कर सकती है। लेकिन यदि अहंकार, व्यक्तिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति जारी रहती है, तो संकट और गहरा सकता है। यही लोकतंत्र का शाश्वत सत्य है और यही पश्चिम बंगाल की वर्तमान राजनीति का सबसे बड़ा सबक भी। लोकतंत्र का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सत्ता स्थायी नहीं होती, किंतु मूल्य स्थायी होते हैं। राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन जनता की अपेक्षाएँ और राष्ट्र की आवश्यकताएँ हमेशा बनी रहती हैं। जो दल इन अपेक्षाओं को समझते हैं, वे इतिहास बनाते हैं और जो इन्हें अनदेखा करते हैं, वे इतिहास बन जाते हैं। आज बंगाल की राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है।

देश दुनिया से

'जीरो टॉलरेंस' की नीति बने

आज का युवा जब हाथ में लेटेस्ट स्मार्टफोन लेकर 5 जी की रफ़्तार से दुनिया फतह करने का सपना देखता है, उसी समय उसकी दूसरी हथेली में 'जम्बो' का एक छोटा सा पुड़ियानुमा पैकेट उसके अस्तित्व को 'शून्य' करने की साजिश रच रहा होता है। यह सिर्फ एक नशा नहीं, यह भारत के भविष्य का 'केमिकल लोचा' है। 21वीं सदी के भारत की चमक-धमक, स्टार्टअप्स और वैश्विक नेतृत्व के दावों के पीछे एक गहरा काला साया हमारी 'डेमोग्राफिक डिविडेंड' यानी युवा शक्ति को निगल रहा है। दिल्ली के आलीशान पबों से लेकर पंजाब, हरियाणा और मुंबई की गलियों तक फैला यह 'जम्बो' महज़ एक नशा नहीं, बल्कि घातक रसायनों का ऐसा कॉकटेल है जिसे 'मौत का सीधा आमंत्रण' कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा। 'जम्बो' वास्तव में कोई एक दवा नहीं, बल्कि मेफेड्रोन, हेरोइन और जानवरों को दिए जाने वाले ट्रांक्विलाइज़र जैसे ज़ाइलाज़ीन जैसे घातक रसायनों का एक अनियंत्रित 'कॉकटेल' है। तस्कर इसकी अत्यधिक तीव्रता के कारण इसे 'जम्बो' कहते हैं, जिसकी एक सूक्ष्म खुराक भी व्यक्ति को हफ़्तों तक मदहोश रख सकती है। वैज्ञानिक दृष्टि से यह मिश्रण मस्तिष्क के डोपामाइन सिस्टम को पूरी तरह नष्ट करने के साथ-साथ सीधे श्वसन और हृदय तंत्र पर प्रहार करता है, जो इसे सामान्य नशों की तुलना में कहीं अधिक जानलेवा बनाता है। भारत में नशीली दवाओं के प्रसार को रोकने के लिए 'स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985' (एन-डी-पी-एस) सबसे सशक्त कानूनी हथियार है। इसकी धारा 8 मादक पदार्थों के व्यापार पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, जबकि धारा 15 से 25 के तहत 'व्यावसायिक मात्रा' में ड्रग्स पाए जाने पर 20 साल तक के कठोर कारावास का प्रावधान है। हालाँकि, 'जम्बो' जैसे आधुनिक 'डिजाइनर ड्रग्स' कानून के लिए चुनौती बने हुए हैं। इनके निर्माता नशीले पदार्थों की 'आणविक संरचना' में सूक्ष्म बदलाव कर देते हैं, जिससे ये प्रतिबंधित सूची से बाहर रह जाते हैं। यह कानूनी पेचीदगी स्पष्ट करती है कि ड्रग्स

के खिलाफ लड़ाई में कानून को निरंतर अपडेट करने और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है। न्यायपालिका ने ड्रग तस्करी को समाज के विरुद्ध एक 'संगठित अपराध' मानते हुए सख्त रुख अपनाया है। 'स्टेट ऑफ पंजाब बनाम बलदेव सिंह (1999)' के ऐतिहासिक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया था कि नशीले पदार्थों का अवैध व्यापार न केवल अर्थव्यवस्था को खोखला कर रहा है, बल्कि हमारी युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा है। इसी कड़ी में, हाल के वर्षों में अदालतों ने जमानत याचिकाएं खारिज कर पुनः यह स्पष्ट संदेश दिया है कि नशे के सौदागर के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। आज के दौर में रेव पार्टियां 'नशे' को एक 'स्टेटस सिंबल' और 'कूल' दिखने के माध्यम के रूप में परोस रही हैं। सोशल मीडिया और वेब सीरीज के मायाजाल से भ्रमित होकर युवा इसे महज एक रोमांचक 'प्रयोग' समझते हैं, जबकि यह 'प्रयोग' वास्तव में उनके जीवन की अंतिम यात्रा का टिकट साबित हो सकता है। पर्दे पर नशे का महिमामंडन 'स्वतंत्रता' लग सकता है, लेकिन हकीकत की जमीन पर यह केवल हंसते-खेलते परिवारों की बर्बादी की पटकथा लिखता है। युवाओं को यह समझना होगा कि दिखावे के 'स्वैगर' और जीवन के संघर्ष के बीच एक बहुत बारीक रेखा है; क्योंकि अस्पताल के बिस्तर या जेल की सलाखों के पीछे कोई 'एटीट्यूड' काम नहीं आता, वहां सिर्फ पछतावा शेष रह जाता है। नशा केवल एक व्यक्तिगत पसंद नहीं, बल्कि एक पारिवारिक और सामाजिक त्रासदी है। एक व्यक्ति का नशा उसके माता-पिता के सपनों, अपनों के भरोसे और स्वयं के सुनहरे भविष्य को जड़ से खत्म कर देता है। नशा मुक्ति के लिए कानून, तकनीक और संवेदना का समन्वय आवश्यक है। कानूनी स्तर पर, एन-डी-पी-एस मामलों के लिए 'फास्ट ट्रैक कोर्ट' और साइबर-निगरानी को कड़ा करना होगा, वहीं दूसरी ओर, सामाजिक स्तर पर, शिक्षा के माध्यम से जमीनी जागरूकता फैलानी होगी। दृष्टिकोण में बदलाव लाते हुए नशा करने वालों को अपराधी के बजाय उपचार योग्य रोगी के रूप में देखा जाना चाहिए। आधुनिक पुनर्वास केंद्रों के माध्यम से उन्हें सुधार कर समाज की मुख्यधारा में सम्मानजनक तरीके से पुनर्स्थापित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। आज नशा 'डिजिटल ट्रैपिंग' के जरिए युवाओं के घर तक पहुंच चुका है, जहां डार्क वेब और एनक्रिप्टेड ऐप्स ने इसे बेहद सुलभ बना दिया है। निस्संदेह, नशा अक्सर मानसिक तनाव या अकेलेपन का एक भ्रामक समाधान होता है। असली बहादुरी रसायनों के पीछे छिपने में नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का बिना किसी कृत्रिम सहारे के सामना करने में है। 'जम्बो' जैसे जानलेवा पदार्थों से लड़ने के लिए केवल कानून पर्याप्त नहीं हैं; इसके लिए समाज और परिवारों में 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अनिवार्य है। विंस्टन चर्चिल ने ठीक ही कहा था, जीत अंतिम नहीं है, हार घातक नहीं है; जारी रखने का साहस ही मायने रखता है। समय आ गया है कि हम अपनी तकनीक और प्रगति का उपयोग जहर फैलाने के लिए नहीं, बल्कि एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण के लिए करें। हमारी आज की जागरूकता ही कल की पीढ़ियों की सुरक्षा की गारंटी है।

मानव सेवा का प्रेरणादायक उदाहरण...!

श्री सत्य प्रकाश जी पंडित

समाज की वास्तविक उन्नति केवल भाषणों, नारों और योजनाओं से नहीं होती, बल्कि उन लोगों के त्याग, समर्पण और सहयोग से होती है, जो बिना किसी स्वार्थ के समाजहित में आगे आते हैं सिखवाल ब्राह्मण सेवा चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वाधान में उपचार हेतु अहमदाबाद पधारने वाले स्वजातीय रोगियों तथा उनकी देखरेख हेतु साथ में आने वालें सहायक बँधुओं के लिए मानव सेवा ही माधव सेवा कें सूत्र का निर्वाह करते हुए उनके ठहरने तथा भोजन के लिए माँ अन्नपूर्णा रसोई के आगामी एक वर्ष याने 1 जून 2026 से 31 मई 2027 तक के संचालन हेतु प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व हैं आदरणीय श्री सत्य प्रकाश जी पंडित कामरेज, सूरत – गंगापुर वाले, द्वारा प्रतिदिन 50 से 60 व्यक्तियों के भोजन की व्यवस्था का रसद सामग्री सहयोग स्वरूप भेंट करने का दायित्व स्वीकार कर सेवा और संवेदनशीलता का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है...!

भारतीय संस्कृति में अन्न से अतिथियों का किया गया स्वागत सम्मान महासहयोग माना गया है, क्योंकि अन्न केवल शरीर का ही पोषण नहीं करता, बल्कि मानवता को जीवित रखने का मूल आधार भी है, जो व्यक्ति उपचार हेतु अपना घर-गाँव सबकुछ छोड़ कर किसी अन्य शहर में आता हैं, ऐसे समाज बँधुओं को भोजन उपलब्ध कराने में सहयोग करते है, ऐसे भामाशाह वास्तव में ईश्वर की सेवा करते है...!

श्री सत्य प्रकाश जी पंडित ने इसी भावना को चरितार्थ करते हुए समाजबंधुओं और उनके परिवारों के लिए संचालित भोजनशाला के निरंतर संचालन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है, आज के समय में जब अधिकांश लोग केवल अपने और अपने परिवार तक सीमित होकर रह जाते हैं, तब समाज के लिए आगे बढ़कर ऐसा दायित्व निभाना निस्संदेह अनुकरणीय है, उनका यह सहयोग केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि समाज के प्रति उनकी आत्मीयता, उत्तरदायित्व और सेवा भावना का जीवंत प्रमाण है...! यह कार्य हमें यह संदेश देता है कि समाज की मजबूती केवल बड़े आयोजनों से तथा स्वागत समारोहों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे सहयोगों की निरंतर परंपरा से बनती है, यदि प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार समाजहित में ऐसे योगदान दे, तो कोई भी जरूरतमंद उपेक्षित नहीं रहेगा और संगठन की सेवा गतिविधियाँ निरंतर आगे बढ़ती रहेंगी...!

श्री सत्य प्रकाश जी पंडित का यह निर्णय समाज के युवाओं और सक्षम वर्ग के लिए प्रेरणा का स्रोत है, यह सेवा भावना आने वाली पीढ़ियों को भी यह सिखाएगी कि जीवन की सार्थकता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों में नहीं, बल्कि समाज के लिए किए गए योगदान में भी निहित होती है...! सिखवाल समाज ऐसे सेवाभावी व्यक्तित्वों पर गर्व करता है, हम सभी समाजबंधुओं को उनके इस अनुकरणीय कार्य से प्रेरणा लेकर समाज, संगठन और मानवता की सेवा में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करनी चाहिए...!

आदरणीय सत्य प्रकाश जी पंडित एवं उनके समस्त परिवार को इस पुनीत सेवा कार्य हेतु हार्दिक साधुवाद, कोटि-कोटि वंदन, अभिनंदन एवं मंगलकामनाएँ, ईश्वर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, यश और निरंतर सेवा करने की शक्ति प्रदान करें...!

समाज में सेवा, सहयोग और सकारात्मक कार्यों को शब्द देना भी एक सामाजिक दायित्व है, यदि मेरे यह शब्द श्री सत्य प्रकाश जी पंडित के सेवा-संकल्प को सम्मान दे सकें और अन्य समाजबंधुओं को प्रेरित कर सकें तो यही मेरे शब्दों कि सार्थकता है...! सेवा का दीपक जब एक व्यक्ति जलाता है, तो उसकी रोशनी अनेक लोगों के जीवन को प्रकाशित करती है, ऐसे सेवाभावी व्यक्तित्व समाज की वास्तविक पूंजी होते हैं, जिनके कारण संगठन और समाज दोनों सशक्त बनते हैं...!

एक छोटी-सी समर्पित पंक्ति भी इस अवसर पर समर्पित है:

जो अपने सुख में भी समाज का दर्द पहचान ले,
जो अपनी कमाई में से सेवा का भाग निकाल ले,
वही सच्चा धनवान, वही मानवता का प्रहरी है,
जो भूखे के निवाले में ईश्वर का स्वरूप देख ले...!

श्री सत्य प्रकाश जी पंडित का यह सहयोग केवल उनके द्वारा भेंट रसद का संबल नहीं, बल्कि समाज सेवा की एक प्रेरक परंपरा का सशक्त विस्तार है...!

– सुरेश कुमार व्यास जानम

दृष्टि कोण

आखिर आर्थिक सुनामी के राजनीतिक व आर्थिक मायने मायने क्या हैं?

राहुल गांधी की आर्थिक सुनामी वाली चेतावनी को फिलहाल एक राजनीतिक चेतावनी और आर्थिक जोखिमों पर विपक्षी आक्रमण के रूप में देखा जाना चाहिए। क्योंकि उनका यह कहना कि भारत निश्चित रूप से आर्थिक सुनामी की ओर बढ़ रहा है, अभी उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जल्दबाजी होगी। हालांकि वैश्विक परिस्थितियों और घरेलू आर्थिक चुनौतियों को देखते हुए इस बहस को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। आर्थिक मामलों के जानकार बताते हैं कि भारत में वास्तव में आर्थिक सुनामी आएगी या नहीं, इसका कोई निश्चित उत्तर अभी नहीं दिया जा सकता। लेकिन विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा हाल में दी गई चेतावनी ने आर्थिक और राजनीतिक बहस को तेज कर दिया है। क्योंकि राहुल गांधी का तर्क है कि वैश्विक संकट, विशेषकर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव, महंगाई, ईंधन कीमतों और आर्थिक असमानता के कारण भारत एक बड़े आर्थिक झटके की ओर बढ़ सकता है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा का कहना है कि भारत की अर्थव्यवस्था के पास पर्याप्त शॉक एब्जॉर्बर हैं—विदेशी मुद्रा भंडार, नियंत्रित महंगाई, खाद्यान्न भंडार, डिजिटल अर्थव्यवस्था और मजबूत कर-संग्रह जैसी व्यवस्थाएं—जो बाहरी संकटों का सामना करने में सक्षम हैं। भारत के सामने कुछ वास्तविक चुनौतियाँ हैं: जैसे वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि की आशंका। निर्यात और निवेश पर अंतरराष्ट्रीय तनाव का असर। रोजगार सृजन की चुनौती। और कृषि और एमएसएमई क्षेत्र पर दबाव। लेकिन साथ ही भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है, और कई आर्थिक संकेतक अभी व्यापक संकट की पुष्टि नहीं करते। जानकार बताते हैं कि आर्थिक सुनामी कोई औपचारिक आर्थिक शब्द नहीं है, बल्कि ऐसी स्थिति को बताने के लिए इस्तेमाल किया जाता है जब अर्थव्यवस्था को अचानक और व्यापक झटका लगे तथा उसके प्रभाव दूरगामी हों। इसके कुछ संकेत

हो सकते हैं- जीडीपी वृद्धि दर में तेज गिरावट। बड़े पैमाने पर बेरोजगारी। बैंकिंग या वित्तीय संकट। शेयर बाजार में भारी गिरावट। मुद्रा पर दबाव और महंगाई का बढ़ना। निवेश और उपभोग में तीव्र कमी। इतिहास में Great Depression (1930 का दशक) और Global Financial Crisis (2008) जैसी घटनाओं को आर्थिक सुनामी के उदाहरण माना जा सकता है। किसी भी सरकार या प्रधानमंत्री के रहते हुए आर्थिक संकट की संभावना को पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता। अर्थव्यवस्था अनेक घरेलू और वैश्विक कारकों से प्रभावित होती है, जैसे—वैश्विक मंदी या वित्तीय संकट। तेल की कीमतों में असाधारण वृद्धि। बड़े युद्ध या भू-राजनीतिक तनाव। प्राकृतिक आपदाएं या महामारी। घरेलू नीति संबंधी गंभीर त्रुटियां। हालांकि भारत की अर्थव्यवस्था में कुछ ऐसी ताकतें भी हैं जो बड़े झटकों को सहने में मदद करती हैं— जैसे- विशाल घरेलू बाजार। अपेक्षाकृत मजबूत बैंकिंग और नियामक व्यवस्था। बढ़ता डिजिटल भुगतान तंत्र। बुनियादी ढांचे और विनिर्माण पर निवेश। विदेशी मुद्रा भंडार का पर्याप्त स्तर। दूसरी ओर, चुनौतियां भी मौजूद हैं—जैसे- युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार सृजन। कृषि आय में सुधार। निर्यात प्रतिस्पर्धा बढ़ाना। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता। और, आय असमानता और उपभोग मांग का प्रश्न। इसलिए निष्पक्ष रूप से कहा जाए तो पीएम मोदी के रहते आर्थिक सुनामी निश्चित रूप से आएगी या कभी नहीं आएगी— दोनों दावे तथ्यात्मक रूप से सिद्ध नहीं हैं।

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग : पूजा के तूफान में उड़ा भोपाल वुल्व्स, चंबल घड़ियल्स की एकतरफा जीत

स्टार ऑलराउंडर पूजा वस्त्राकार (63) ने जड़ा आतिशी अर्धशतक

इंदौर

मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग सिंधिया कप 2026 के महिला वर्ग में शनिवार को डेली कालेज मैदान पर एकतरफा मुकाबला देखने को मिला। भारतीय स्टार खिलाड़ी पूजा वस्त्राकार के तूफानी अर्धशतक और गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन की बदौलत चंबल घड़ियल्स ने भोपाल वुल्व्स को 43 रनों के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी। चंबल की इस धमाकेदार जीत की सूत्रधार पूजा रहीं, जिन्होंने भोपाल के गेंदबाजी आक्रमण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंबल घड़ियल्स की शुरुआत सधी हुई रही। सलामी बल्लेबाज कनिष्का ठाकुर ने तेजी से रन बटोरते हुए 18 गेंदों में 5 चौकों की मदद से 26 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद मैदान पर उतरीं पूजा वस्त्राकार ने भोपाल के गेंदबाजों पर धावा बोल दिया। पूजा ने मैदान के चारों ओर आकर्षक स्ट्रोक्स खेलते हुए महज 35 गेंदों में 180.00 के विस्फोटक स्ट्राइक रेट से 63 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। रहिला फिरदौस की 21 रनों की उपयोगी पारी की बदौलत चंबल घड़ियल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट खोकर 153 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। भोपाल की ओर से संस्कृति गुप्ता और ऋषिता परिहार ने 2-2 विकेट चटकाए। 154 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने उतरी भोपाल वुल्व्स की टीम चंबल के गेंदबाजों की सटीक लाइन-लेंथ के सामने शुरू से ही दबाव में नजर आई। सलामी बल्लेबाज रोशनी कुमारी (21 रन) और मध्यक्रम में संस्कृति गुप्ता (21 रन) ने विकेट पर टिकने का प्रयास जरूर किया, लेकिन वे रन गति को बढ़ाने में पूरी तरह नाकाम रहीं। चंबल घड़ियल्स की ओर से वैष्णवी सिंह ने बेहद किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किए। उनका बखूबी साथ निभाते हुए अदिति पंवार ने 21 रन देकर 2 विकेट और रचना यादव ने 27 रन देकर 2 विकेट चटकाकर भोपाल की कमर तोड़ दी। इस धारदार गेंदबाजी के सामने भोपाल की पूरी टीम 20 ओवरों में 9 विकेट खोकर केवल 110 रन ही बना सकी। चंबल घड़ियल्स ने इस मुकाबले को जीतकर सिंधिया कप में अपनी बादशाहत कायम रखी। एक अन्य रोमांचक मैच में बुंदेलखंड बुल्स 3 विकेट से जीता डेली कालेज मैदान पर ही खेले गए एक अन्य रोमांचक मुकाबले में बुंदेलखंड बुल्स ने रायल निमाड़ ईगल्स को 3 विकेट से पराजित कर दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रायल निमाड़ ईगल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में 7 विकेट के नुकसान पर 146 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी बुंदेलखंड बुल्स की टीम ने 19 ओवरों में 7 विकेट खोकर 147 रन बनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया।

न्यूज ब्रीफ

श्रेयस की जगह शुभमन को बनाया जाना चाहिये था कप्तान : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि श्रेयस अय्यर की जगह पर शुभमन गिल को भारतीय टी20 टीम का कप्तान बनाया जाता तो बेहतर रहता। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति ने शनिवार को सूर्यकुमार यादव को हटाकर श्रेसस को कप्तानी सौंप दी थी। इस फैसले पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मांजरेकर ने कहा था कि शुभमन के पास अधिक काबिलियत और अनुभव है। वह 6 महीने पहले तक टी20 प्रारुप में शामिल थे पर अब उन्हें बाहर कर दिय गया है। श्रेयस को आयरलैंड के खिलाफ दो मैच, इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच और फिर एशियन गेम्स के लिए टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि श्रेयस ने करीब 3 साल से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने आईपीएल में 500 रन बनाये थे, वहीं शुभमन दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज थे। उन्होंने 732 रन बनाए थे। मांजरेकर ने कहा है कि टी20 इस बार आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खेला जाएगा, जहां शुभमन का रिकार्ड काफी अच्छ रहा है। इसके अलवा उनका तकनीक भी इन देशों में सफल रहती। की टेक्निक अच्छी हो सकती है। मांजरेकर ने कहा, श्रेयस को कप्तानी दिया जाना हैरानी की बात है। उन्हें पिछले कुछ महीनों से टी20 दल में जगह तक नहीं मिल पा रही थी जबकि अब उन्हें सीधे तौर पर ही कप्तानी दे दी है। वहीं होता ये है कि किसी भी खिलाड़ी को पहले उपकप्तानी दी जाती है। वहीं जगह पक्के पर कप्तान बनाया जाता है। मुझे लगता है कि शुभमन में लंबे समय टी20 कप्तान बनने के लिए श्रेयस से बेहतर योग्यता है। ऐसे में मेरा मानना है कि शुभमन को कप्तान बनाया जाता तो अधिक बेहतर होता।

सूर्यकुमार को बाहर नहीं किया गया बल्कि आराम दिया गया है : एमएसके प्रसाद

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व चयनकर्ता एमएसके प्रसाद का कहना है कि

सूर्यकुमार यादव को भारतीय टी20 टीम से बाहर किये जाने की बातें गलत हैं। वास्तवकता ये है कि उन्हें आराम दिया गया है। वहीं इससे पहले शनिवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और -इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियाई खेलों के लिए भी टीम घोषित कर दी थी पर इसमें सूर्यकुमार को शामिल नहीं किया गया। चयनकर्ताओं ने सूर्यकुमार की जग श्रेयस अय्यर को नया कप्तान भी बना दिया। इससे ये कहा जा रहा है कि सूर्यकुमार का अंतरराष्ट्रीय करियर अब समाप्त हो गया है। उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने 2026 टी20 विश्व कप खिताब जीता था पर इस दौरान उनका स्वयं का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। इसी कारण इस बार उन्हें टीम में जगह नहीं मिली। वहीं प्रसाद का कहना है कि सूर्यकुमार को जसप्रीत बुमराह और हार्दिक पांड्या की तरह आराम दिया गया है और वह जल्द ही टीम में वापसी करेंगे। प्रसाद ने कहा, आप अपने विश्वकप विजेता कैप्टन को ऐसे नहीं हटाते। जिस प्रकार से बुमराह और हार्दिक पांड्या को आराम दिया गया है। मेरा मानना है कि उसकी प्रकार से ही सूर्यकुमार को भी आराम दिया गया होगा। उन्होंने आगे कहा, वह बहुत अच्छा और बहुत बड़ा खिलाड़ी है, उसे इस प्रकार से अचानक ही बाहर नहीं किया जा सकता।
दूसरी बोर बोर्ड ने सूर्या को किसी भी दौरे के लिए नहीं रखा है जबकि बुमराह का नाम एशियाई खेलों के लिए शामिल है।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

नई दिल्ली। भारत के पूर्व आलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की

संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है। एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय आलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं।

टीजी20 नीलामी: तिलक वर्मा, मोहम्मद सिराज और सीवी मिलिंद बने उद्घाटन सीजन के सबसे बड़े सितारे

मेदक फॉल्कंस ने तिलक वर्मा पर लगाया बड़ा दांव; मोहम्मद सिराज को वारंगल वॉरियर्स ने खरीदा

अमन राव, प्रग्नय रेड्डी और अजय देव गौड़ ए+ कैटेगरी के शीर्ष खिलाड़ी बने

टीजी20 प्लेयर ऑक्शन के शुरुआती चरण में अरफाज अहमद, अभिराथ रेड्डी और चंदन साहनी ए कैटेगरी के सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर उभरे

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना क्रिकेट ने आज एक नए युग में प्रवेश किया, जब प्रिंसेस कन्वेंशन सेंटर, रामोजी फिल्म सिटी में उद्घाटन 'टीजी20 प्लेयर ऑक्शन' की शुरुआत हुई। यह तेलंगाना की इस प्रमुख फ्रेंचाइजी-आधारित टी20 लीग के सफर में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन से पंजीकृत 1,300 से अधिक क्रिकेटरों के प्लेयर पूल के साथ, फ्रेंचाइजियों ने 'आइकन', 'ए+' और 'ए' श्रेणियों में राज्य की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं को सुरक्षित करके अपनी टीमों को आकार देना शुरू कर दिया है। इस नीलामी में अंतर्राष्ट्रीय सितारों, अनुभवी घरेलू खिलाड़ियों और जिला स्तर के होनहार क्रिकेटरों का एक साथ समागम देखा गया, जो तेलंगाना की प्रतिभाओं को एक विश्व स्तरीय मंच प्रदान करने के टीजी20 के दृष्टिकोण को दर्शाता है।

आइकन कैटेगरी की मुख्य विशेषताएं

तिलक वर्मा इस नीलामी के सबसे महंगे खिलाड़ी बनकर उभरे, जिन्हें मेदक फॉल्कंस ने 33 लाख में अपनी टीम में शामिल किया।

मोहम्मद सिराज को वारंगल वॉरियर्स ने 14 लाख में खरीदा।

सीवी मिलिंद सबसे महंगे अनकैप्ड खिलाड़ी बने, जिन्हें अन्विता खम्मम एसेस ने 17 लाख में अपने नाम किया।

अन्य प्रमुख आइकन साइनिंग्स: रवि किरण (पालमुरु स्ट्राइकर्स), टी. रवितेजा (मेदक फॉल्कंस), तनय त्यागराजन (प्रणव रंगारेड्डी राइजर्स), राहुल बुद्धि (अनुराग नलगोंडा नाइट्स), तन्मय अग्रवाल (करीमनगर डायमंड्स) और रोहित रायडू (पालमुरु स्ट्राइकर्स)।

ए+ कैटेगरी की मुख्य विशेषताएं

अपनी टीमों के मुख्य आधार को मजबूत करने के लिए फ्रेंचाइजियों के बीच कड़ा मुकाबला देखा गया। इसमें मुख्य रूप से निम्नलिखित खिलाड़ी प्रमुख आकर्षण रहे:

अमन राव (वारंगल वॉरियर्स)
प्रग्नय रेड्डी (पालमुरु स्ट्राइकर्स)
अजय देव गौड़ (हैदराबाद ई-चैंपियंस)
नितिन साई यादव
आरोन जॉर्ज
रक्षण रेड्डी

ए कैटेगरी की मुख्य विशेषताएं

उभरती हुई प्रतिभाओं ने भी नीलामी में फ्रेंचाइजियों को अपनी ओर काफी आकर्षित किया:

अरफाज अहमद और अभिराथ रेड्डी 11-11 लाख की बोली के साथ इस कैटेगरी के संयुक्त रूप से सबसे महंगे खिलाड़ी बने।

चंदन साहनी (करीमनगर डायमंड्स), प्रणव वर्मा (हैदराबाद ई-चैंपियंस) और हिमा तेजा (अन्विता खम्मम एसेस) इस श्रेणी के अन्य प्रमुख खिलाड़ी रहे।

21 जून से शुरू होगा रोमांच

इस भव्य नीलामी की कार्यवाही को मशहूर स्पोर्ट्स प्रेजेंटर और ऑक्शनियर (नीलामीकर्ता) चारू शर्मा द्वारा फ्रेंचाइजी मालिकों, टीम प्रतिनिधियों और लीग अधिकारियों की उपस्थिति में संचालित किया गया।

टीजी20 का यह पहला सीजन 21 जून, 2026 से राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, उप्पल में शुरू होने जा रहा है। इस टूर्नामेंट में कुल 8 फ्रेंचाइजी टीमें शामिल होंगी, जो 21 दिनों के रोमांचक सफर के दौरान कुल 32 मैचों में एक-दूसरे को टक्कर देंगी।

स्मैश ट्राफी अंतर अकादमी बैडमिंटन स्पर्धा 14 जून को

इंदौर। अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी और सरताज अकादमी के संयुक्त तत्वावधान में स्मैश ट्राफी अंतर अकादमी बैडमिंटन स्पर्धा का आयोजन आगामी 14 जून को होने जा रहा है। यह प्रतिष्ठित मुकाबला अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी के कोर्ट पर खेला जाएगा। स्पर्धा में बालक और बालिका वर्ग के लिए 9, 11, 13, 15 और 17 वर्ष से कम आयु समूहों में एकल (सिंगल्स) मुकाबले आयोजित किए जाएंगे। सरताज अकादमी के प्रबंध निदेशक और मुख्य प्रशिक्षक धर्मेश यशलहा ने जानकारी देते हुए बताया कि अंतर अकादमी बैडमिंटन स्पर्धा का यह तीसरा संस्करण है। इससे पहले दूसरा सफल आयोजन अप्रैल माह में किया गया था, जिसमें खिलाड़ियों के बीच लीग आधार पर कड़े मुकाबले देखने को मिले थे। वर्तमान में सरताज अकादमी और अमेच्योर बैडमिंटन एकेडमी में ग्रीष्मकालीन जूनियर बैडमिंटन प्रशिक्षण शिविर (समर कैंप) भी सुचारू रूप से संचालित किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार, इस स्पर्धा में हिस्सा लेने के लिए किसी भी क्लब या एकेडमी के खिलाड़ी अपनी प्रविष्टियां (एंट्री) भेज सकते हैं। एंट्री जमा करने की अंतिम तिथि 13 जून को शाम 5 बजे तक तय की गई है।

वैभव को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए : रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बाल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ आते देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शाट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर आकर्षित होते हैं। टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन

ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते। अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि किसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों। उनके अनुसार खेल की बुनियादी समझ और धैर्य विकसित करने में ऐसे प्रशिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। आधुनिक क्रिकेट में गेंदबाजों की चुनौतियों पर बात करते हुए अश्विन ने कहा कि आज के दौर में क्रिकेट पहले से कहीं अधिक तेज गति से बदल रहा है। टी20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव के कारण खेल अधिक हाई-स्कोरिंग हो गया है और गेंदबाजों को हर गेंद पर नई रणनीति के साथ उतरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब केवल विकेट लेने की सोच पर्याप्त नहीं है, बल्कि गेंदबाजों को टीम रणनीति के तहत सामूहिक रूप से काम करना होगा। अश्विन ने माना कि क्रिकेट अब उस दौर में प्रवेश कर चुका है जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को हर गेंद पर समस्या का समाधान तलाशना पड़ता है। उनके अनुसार जो खिलाड़ी इस मानसिकता को अपनाएंगे, वही भविष्य में खेल को नए स्तर तक ले जाएंगे।

श्रीलंका ए दौरे के लिए इंडिया ए टीम घोषित, जुरेल बने कप्तान, आकिब नबी और कई युवा खिलाड़ियों को मौका

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने श्रीलंका ए के खिलाफ होने वाले दो चार दिवसीय मैचों के लिए इंडिया ए टीम की घोषणा कर दी है। यह मुकाबले 25 जून से 5 जुलाई के बीच गाले में खेले जाएंगे। टीम की कमान विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को सौंपी गई है, जबकि देवदत्त पडिक्कल को उपकप्तान बनाया गया है।

इस टीम चयन में युवा और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी गई है। रणजी ट्राफी 2025-26 में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी को भी टीम में शामिल किया गया है। आकिब ने इस सीजन में 60 विकेट लेकर न सिर्फ अपनी टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी, बल्कि टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज भी रहे थे।

बल्लेबाजी क्रम में साई सुदर्शन, ऋतुराज गायकवाड़ और एन जगदीशन जैसे अनुभवी खिलाड़ियों के साथ विदर्भ के अमन मोखाड़े और आंध्र प्रदेश के शेख रशीद को पहली बार इंडिया ए टीम में जगह दी गई है। चयनकर्ताओं का मानना है कि यह दौरा युवा बल्लेबाजों के लिए विदेशी परिस्थितियों में खुद को परखने का बेहतरीन अवसर होगा।

गेंदबाजी विभाग में आकिब नबी के साथ यश ठाकुर, अंशुल कंबोज और गुरनूर बरार को शामिल किया गया है। गुरनूर बरार को हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ टेस्ट टीम में नेट गेंदबाज के रूप में भी बुलाया गया था।

स्पिन विभाग की जिम्मेदारी जीशान अंसारी, सारांश जैन और आलराउंडर आयुष बडोनी को सौंपी गई है। ये सभी खिलाड़ी स्पिन-अनुकूल परिस्थितियों में टीम की ताकत बढ़ाएंगे। कुछ खिलाड़ी पहले से ही श्रीलंका में चल रही त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए मौजूद हैं, जिससे टीम संयोजन को और मजबूती मिली है। यह दौरा भारतीय क्रिकेट के भविष्य के लिए बेहद अहम माना जा रहा है।

2 चार दिवसीय टेस्ट के लिए भारत की ए टीम: ध्रुव जुरेल (कप्तान, विकेटकीपर), साई सुदर्शन, आयुष बडोनी, देवदत्त पडिक्कल (उप-कप्तान), ऋतुराज गायकवाड़, सारांश जैन, गुरनूर बरार, आकिब नबी, यश ठाकुर, अंशुल कंबोज, एन. जगदीसन, अमन मोखड़े, शेख रशीद और जीशान अंसारी।

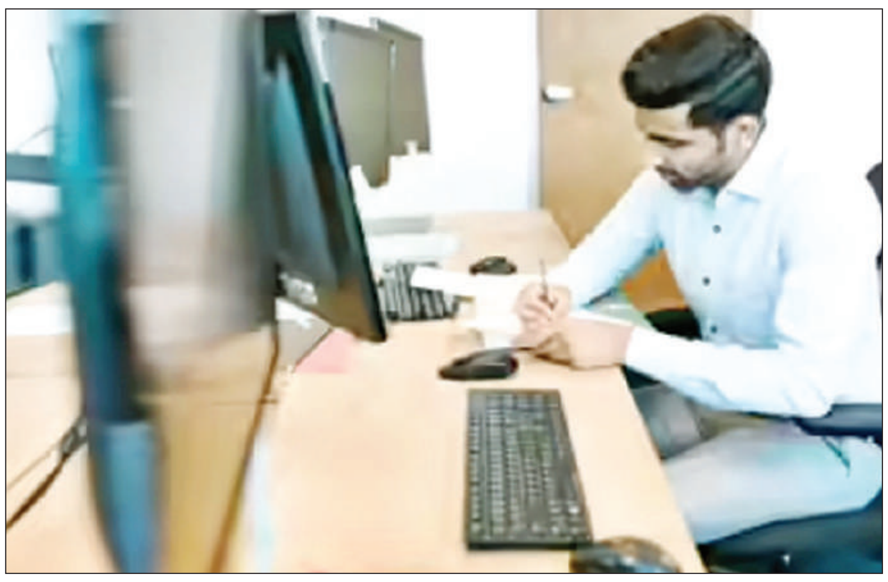

अमेरिका के रिटेल सेक्टर से भारतीय आईटी कंपनियों को राहत, पर खतरा बरकरार

एआई के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर बढ़ सकता है दबाव

नई दिल्ली

अमेरिका की बड़ी रिटेल कंपनियों का कारोबार सुधर रहा है और तकनीक पर खर्च भी बढ़ रहा है। इससे भारतीय आईटी कंपनियों को नए प्रोजेक्ट मिलने की उम्मीद बढ़ी है। हालांकि, तस्वीर पूरी तरह सकारात्मक नहीं है, क्योंकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से पारंपरिक आईटी सेवाओं की मांग पर दबाव भी बढ़ सकता है। अमेरिका में उपभोक्ताओं का खर्च मजबूत बना हुआ है। लोग अभी भी खरीदारी कर रहे हैं, खासकर आनलाइन और कम कीमत वाले उत्पादों पर। इसी वजह से कई बड़ी रिटेल कंपनियों की बिक्री और मुनाफे में सुधार देखने को मिला है। अधिकांश कंपनियों ने पूरे साल के लिए अपने अनुमान बरकरार रखे हैं या उन्हें बढ़ाया है। कास्टको, वालमार्ट और टारगेट जैसी कंपनियों ने तिमाही के दौरान मजबूत प्रदर्शन किया। आनलाइन बिक्री में तेजी और उपभोक्ताओं की लगातार खरीदारी ने इनके कारोबार को सहारा दिया। वहीं मैसीज़ और बेस्ट बाय जैसी कंपनियों में भी सुधार के संकेत मिले हैं। हालांकि कंपनियां अभी भी पूरी तरह निश्चिंत नहीं हैं। उन्हें चिंता है कि टैक्स रिफंड का फायदा धीरे-धीरे खत्म होगा, जबकि ऊंची ऊर्जा कीमतें और वैश्विक तनाव आगे कारोबार को प्रभावित कर सकते हैं। रिटेल कंपनियों की रणनीति में एक बड़ा बदलाव यह देखने को मिला है कि अब एआई सिर्फ प्रयोग या पायलट प्रोजेक्ट तक सीमित नहीं है। कंपनियां इसे सीधे अपने कारोबार में लागू कर रही हैं ताकि लागत कम हो, कर्मचारियों की उत्पादकता बढ़े और मुनाफा सुधरे। यानी एआई अब खर्च बढ़ाने वाली तकनीक नहीं, बल्कि कमाई बढ़ाने और मार्जिन सुधारने का जरिया बनता जा रहा है। यही बदलाव भारतीय आईटी कंपनियों के लिए चुनौती भी बन सकता है। अब कई ऐसे काम, जो पहले बड़ी आईटी टीमों के जरिए किए जाते थे, एआई की मदद से तेजी और कम लागत में पूरे हो रहे हैं। इसका असर खासकर एप्लिकेशन सपोर्ट, टेस्टिंग, क्वालिटी एश्योरेंस, रिपोर्टिंग और मेंटेनेंस जैसी सेवाओं पर पड़ सकता है। ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनसे भारतीय आईटी कंपनियों को लंबे समय से बड़ा कारोबार मिलता रहा है। भारतीय आईटी कंपनियों के रिटेल और कंज्यूमर कारोबार में पिछले कुछ महीनों के दौरान सुधार देखने को मिला है।

न्यूज ब्रीफ

देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल कार वैगनआर लांच, चलेगी इथेनाल से

नई दिल्ली। कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने अपनी और देश की पहली फ्लेक्स फ्यूल कार, वैगनआर को पेश कर दिया है। इस ऐतिहासिक लान्च को देश में साफ और ज्यादा विविध ईंधन विकल्पों को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, जिसमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी भी उपस्थित थे। यह भारत की पहली पैसेंजर कार है जो ई20 से लेकर ई85 तक के इथेनाल-पेट्रोल मिश्रण पर चल सकती है, जिसमें शुद्ध 100 प्रतिशत इथेनाल (ई100) भी शामिल है। यह पहल केंद्र सरकार द्वारा इथेनाल-मिश्रित ईंधन के लिए नियामक ढांचे को व्यापक बनाने के ठीक बाद आई है। फ्लेक्सिबल फ्यूल व्हीकल (एफएफवी) वे वाहन होते हैं जिनमें एक इंटरनल कम्बशन इंजन होता है जो पेट्रोल और इथेनाल के अलग-अलग मिश्रणों पर चलने में सक्षम होता है। मारुति की यह नई वैगनआर ई100 पर भी आसानी से चलने के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई है। इसके लिए इंजीनियर्स ने इसके आंतरिक सिस्टम में व्यापक बदलाव किए हैं, जिसमें नए सिरे से डिजाइन किए गए इंजेक्टर, मजबूत फ्यूल लाइनें, टिकाऊ सील और एक खास तौर से कैलिब्रेटेड इंजन मैनेजमेंट सिस्टम शामिल है, ताकि यह इथेनाल की विशिष्ट रासायनिक विशेषताओं को बिना किसी दिक्कत के संभाल सके। यह कदम भारत के लिए कई आर्थिक और पर्यावरणीय लक्ष्यों को हासिल करने में मदद करेगा। यह राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करता है, क्योंकि ईंधन स्थानीय कृषि उत्पादों जैसे गन्ने के शीरे, मक्का और कृषि कचरे से बनता है, जिससे विदेशी तेल पर निर्भरता कम होती है।

इनोवा क्रिस्टा का नया दमदार संस्करण लांच

नई दिल्ली। लोकप्रिय एमपीवी, इनोवा क्रिस्टा का नया संस्करण टोयोटा ने लान्च कर दिया है। नई टोयोटा इनोवा क्रिस्टा की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 19.72 लाख रुपये है, जो बेस जीएक्स 7-सीटर वेरिएंट के लिए है, और टाप जेडएक्स वेरिएंट की कीमत 26.63 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक जाती है। यह अपडेटेड माडल अपने एक्सटीरियर और इंटीरियर में कई बदलावों के साथ आता है, हालाँकि इसके इंजन और ट्रांसमिशन को पहले जैसा ही रखा गया है। नई इनोवा क्रिस्टा के फ्रंट में एक नया रेडिएटर ग्रिल और संशोधित फ्रंट व रियर बंपर गार्निश दिया गया है, जो इसके रोड प्रेजेंस को पहले से अधिक दमदार और शानदार बनाता है। केबिन के भीतर, ड्यूल-टोन लेदर सीट अपहोल्स्ट्री एक प्रीमियम एहसास देती है, जबकि इंस्ट्रूमेंट पैनल, डोर ट्रिम और बेजल्स पर ग्रेस कापर फिनिश को वुड-पैटर्न हाइलाइट्स के साथ जोड़ा गया है। यात्रियों की सुविधा के लिए, चयनित वेरिएंट्स में वायरलेस चार्जर और टायर प्रेशर मानिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) जैसी आधुनिक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं। सुरक्षा के लिहाज से, नई इनोवा क्रिस्टा में 7 एयरबैग, एंटी-लाक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस), व्हीकल स्टेबिलिटी कंट्रोल (वीएससी), हिल स्टार्ट असिस्ट और इलेक्ट्रानिक ब्रेक फोर्स डिस्ट्रीब्यूशन (ईबीडी) जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो चालक और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं।

आवश्यकता पड़ने पर स्वयं रफ्तार नियंत्रित कर सकेंगी यामाहा की बाइक

नई दिल्ली। दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी यामाहा चालक की सुरक्षा और आराम को प्राथमिकता देते हुए

उन्नत तकनीकों पर काम कर रही है। यामाहा ऐसी प्रणालियां विकसित कर रही है जो आवश्यकता पड़ने पर स्वयं रफ्तार नियंत्रित कर सकेंगी, स्वचालित रूप से ब्रेक लगा सकेंगी। इतना ही नहीं, इंजन की स्थिति के अनुसार गियर भी बदल सकेंगी। यह आने वाले वर्षों में मोटरसाइकिल चलाने के तरीके को पूरी तरह बदल सकता है। वर्तमान में कई प्रीमियम मोटरसाइकिलों में रफ्तार नियंत्रण प्रणाली मौजूद है, जिससे लंबी यात्राओं में चालक को आराम मिलता है। यामाहा इस प्रणाली को और अधिक बुद्धिमान बनाने की दिशा में अग्रसर है, ताकि यह सड़क और यातायात की स्थिति के अनुरूप गति को स्वत: समायोजित कर सके। सुरक्षा के मोर्चे पर, स्वचालित ब्रेक प्रणाली एक महत्वपूर्ण नवाचार है। यह प्रणाली संवेदकों और कैमरों की मदद से सड़क पर बाधाओं को पहचानती है और टक्कर की संभावना होने पर स्वयं ब्रेक लगाती है, जिससे दुर्घटनाओं की गंभीरता कम होती है या उन्हें टाला जा सकता है।

बैंकिंग सेक्टर के लिए अलर्ट : नेट इंटरेस्ट मार्जिन पर दबाव, दरें बढ़ीं तो बदल जाएगा सारा खेल

क्रेडिट ग्रोथ मजबूत, लेकिन पश्चिम एशिया संकट और महंगे तेल से बढ़ सकता है जोखिम

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जून की मौद्रिक नीति समीक्षा में लगातार स्थिरता का रुख अपनाते हुए रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। साथ ही केंद्रीय बैंक ने अपनी न्यूट्रल पालिसी स्टांस को भी जारी रखा है, जिसे बाजार विशेषज्ञ फिलहाल वेट एंड वाच की रणनीति मान रहे हैं। इसका अर्थ है कि आरबीआई अभी अर्थव्यवस्था के घरेलू और वैश्विक संकेतकों पर नजर रखते हुए किसी बड़े नीतिगत बदलाव से बच रहा है। नीति घोषणा के बाद बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र के शेयरों में हल्की तेजी देखने को मिली, लेकिन बाजार में व्यापक अनिश्चितता बनी हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि महंगा कच्चा तेल, कमजोर मानसून की आशंका और रुपये पर दबाव जैसे कारक आने वाले महीनों में मुद्रास्फीति को प्रभावित कर सकते हैं। यदि ये परिस्थितियां बनी रहती हैं तो ब्याज दरों के मौजूदा चक्र में बदलाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, और दरों में बढ़ोतरी का दौर दोबारा शुरू हो सकता है।

आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने मौद्रिक नीति की घोषणा के दौरान कहा कि वैश्विक आर्थिक वातावरण अप्रैल की पिछली बैठक के बाद और अधिक चुनौतीपूर्ण हो गया है। विशेष रूप से पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव ने वैश्विक सप्लाई चेन को प्रभावित किया है, जिससे तेल और गैस की कीमतों में तेजी आई है। इसका सीधा असर वैश्विक विकास दर पर पड़ने के साथ-साथ महंगाई के दबाव को भी बढ़ा रहा है। केंद्रीय बैंक ने वित्त वर्ष 2027 के लिए खुदरा महंगाई दर (सीपीआई) का अनुमान बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 4.6 प्रतिशत के आसपास था। वहीं, आर्थिक विकास के मोर्चे पर जीडीपी ग्रोथ अनुमान को 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया गया है। यह संशोधन दर्शाता है कि आरबीआई आने वाले समय में धीमी लेकिन स्थिर विकास दर की संभावना देख रहा है, जबकि महंगाई एक चुनौती बनी रह सकती है। बैंकिंग सेक्टर पर इस नीति का मिला-जुला प्रभाव देखने को मिल रहा है। एक्सिस सिक्योरिटीज पीएमएस के एक अधिकारी के अनुसार मार्च तिमाही में बैंकों का प्रदर्शन मजबूत रहा है। क्रेडिट ग्रोथ लगभग 16 प्रतिशत के स्तर पर बनी हुई है और एसेट क्वालिटी में भी सुधार देखा गया है। हालांकि, आगे चलकर भू-राजनीतिक तनाव लंबे समय तक जारी रहा तो इसका असर एमएसएमई, वाहन वित्त और तेल-संवेदनशील कारपोरेट सेक्टरों पर दिख सकता है। इसके अलावा बैंकों के सामने सबसे बड़ी चुनौती नेट इंटरेस्ट मार्जिन (एनआईएम) को लेकर है। जमा जुटाने की प्रतिस्पर्धा बढ़ने और फंड की लागत ऊंची रहने से मार्जिन पर दबाव बना रह सकता है। स्टाक मार्केट में भी इस नीति का असर साफ दिखाई दिया। बैंकिंग और एनबीएफसी शेयरों में हल्की तेजी रही। एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में मजबूती देखी गई, जबकि एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक में कुछ गिरावट दर्ज की गई। विशेषज्ञ निवेश रणनीति में चयनात्मक दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दे रहे हैं। उनकी पसंद में आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक और एसबीआई जैसे बड़े बैंक शामिल हैं, जबकि मिड और स्माल बैंकिंग स्पेस में फेडरल बैंक और उज्जीवन स्माल बैंक को प्राथमिकता दी जा रही है। एनबीएफसी सेक्टर में बजाज फाइनेंस को मजबूत विकल्प माना जा रहा है। कुल मिलाकर आरबीआई की यह नीति संकेत देती है कि फिलहाल स्थिरता प्राथमिकता है, लेकिन वैश्विक जोखिम और घरेलू महंगाई आने वाले समय में मौद्रिक नीति की दिशा बदल सकते हैं।

ओवरटाइम पर अब सख्ती: काम भी डबल, भुगतान भी डबल

नई दिल्ली

देश की फैक्ट्रियों, मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स और कारपोरेट दफ्तरों में काम करने वाले लाखों कर्मचारियों के लिए ओवरटाइम हमेशा से एक बड़ा मुद्दा रहा है। अक्सर काम के बढ़ते दबाव, प्रोजेक्ट डेडलाइन या पीक सीजन के नाम पर कर्मचारियों से तय समय से अधिक काम कराया जाता है, लेकिन इसके बदले मिलने वाला उचित भुगतान कई बार विवाद का कारण बनता है।

कई मामलों में कर्मचारियों को या तो बहुत कम अतिरिक्त भुगतान दिया जाता है या फिर ओवरटाइम के पैसे को लेकर कंपनियों की ओर से टालमटोल की स्थिति देखने को मिलती है। हालांकि, सरकार द्वारा लागू किए गए नए लेबर कोड्स ने इस पूरी व्यवस्था में बड़ा और सख्त बदलाव किया है। विशेषज्ञों के अनुसार कोड आन वेजेस, 2019 के तहत यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यदि कोई कर्मचारी अपने निर्धारित कार्य घंटों से अधिक काम करता है, तो उसे उसके सामान्य वेतन की दोगुनी दर से ओवरटाइम का भुगतान करना अनिवार्य होगा। इस प्रावधान का उद्देश्य कर्मचारियों को उनके अतिरिक्त श्रम का उचित और न्यायसंगत मुआवजा दिलाना है, जिससे लंबे समय से चली आ रही असमानता को दूर किया जा सके।

नए लेबर कोड्स से बदले नियम, कर्मचारियों को मिला कानूनी और आर्थिक सुरक्षा कवच

इसके साथ ही आक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड, 2020 (ओएसएच कोड) में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इस कोड के तहत अब किसी भी कर्मचारी से ओवरटाइम कराने से पहले उसकी स्पष्ट सहमति लेना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। यानी अब कंपनियां कर्मचारियों पर अतिरिक्त काम के लिए दबाव नहीं बना सकेंगी और बिना अनुमति के ओवरटाइम नहीं कराया जा सकेगा। यह नया कानूनी ढांचा पुराने फैक्ट्री एक्ट, माइंस एक्ट और अन्य श्रम कानूनों को एकीकृत करता है। इसके दायरे में अब ग्रेनाइट प्रोसेसिंग यूनिट्स, खनन क्षेत्र, फैब्रिकेशन यार्ड्स और अन्य सभी छोटे-बड़े उद्योग शामिल हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन नए नियमों से न केवल कर्मचारियों के अधिकार मजबूत होंगे, बल्कि कंपनियों की उस परंपरागत कार्य संस्कृति पर भी रोक लगेगी, जिसमें ओवरटाइम को सस्ते श्रम के रूप में देखा जाता था। इससे आने वाले समय में कार्यस्थल पर पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों बढ़ने की उम्मीद है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इंडिया...

निकलने के बाद 8 जून को विपक्षी गठबंधन की मीटिंग में हिस्सा न लेने का अपना फैसला बताया है, वहीं लेफ्ट पार्टी ने उनसे केरलम चुनाव कैंपेन के दौरान भाजपा के साथ डील वाली बातों पर साफ बात करने को कहा है।

डीएमके के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने इंडिया ब्लॉक मीटिंग का बॉयकॉट करने का फैसला किया है, क्योंकि हम ऐसी जगह नहीं रहना चाहते जहां कांग्रेस मौजूद हो।

राहुल गांधी पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि अगर आप लीड करना चाहते हैं तो आपको सभी को साथ लेकर चलना होगा। अगर आप अपने सहयोगियों को गाली देंगे तो आपके साथ कौन रहेगा। राहुल गांधी एक जगह सीपीआई (एम) की बुराई करते हैं तो दूसरी जगह डीएमके की। अगर आप इन पार्टियों को एक साथ रखना चाहते हैं और गठबंधन को लीड करना चाहते हैं तो आपको सभी को रिप्रेजेंट करना होगा।

उन्होंने कहा कि दूसरे नेता अलग-अलग बातें कह सकते हैं, लेकिन फ्रंट के लीडर के तौर पर आप ऐसा बर्ताव नहीं कर सकते जिससे एकता को नुकसान हो।

मोल्लाह ने कहा कि कांग्रेस को पता होना चाहिए कि फ्रंट कैसे बनाया जाता है, जिसके लिए सीरियस होना पड़ता है, सबको साथ लेकर चलने की काबिलियत होनी चाहिए और समझदारी से बात करनी चाहिए।

डीएमके का गठबंधन की बैठक में न आना विपक्ष के लिए बड़ा झटका है। समाजवादी पार्टी ने भी इस बात को माना है। सपा सांसद राजीव राय ने कहा कि डीएमके का बैठक में भाग नहीं लेने का फैसला विपक्ष के लिए एक झटका है। मैं इससे इनकार नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा कि डीएमके नाराज है, सीपीआई (एम) की भी अपनी चिंताएं हैं। कांग्रेस बड़ी पार्टी है तो कांग्रेस की बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि डीएमके का गुस्सा होना जायज हो सकता है लेकिन मुझे लगता है इंडिया ब्लॉक के नेताओं को डीएमके से बात करनी चाहिए। राजीव राय ने कहा कि अगर बीजेपी से लड़ना है तो सबको अपने छोटे-छोटे मतभेदों को मिटाकर बड़ा दिल दिखाना चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, महिलाओं पर अत्याचार, संगठित गिरोहों को संरक्षण देना... इन सभी मुद्दों पर विपक्ष को एकजुट होकर मुकाबला करने की जरूरत है।

चीन गोल्ड...

दीर्घकालिक आर्थिक रणनीति का अहम हिस्सा है। चीन अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में अपनी स्थिति सुदृढ़ करने के लिए स्वर्ण भंडार बढ़ा रहा है।

चीन अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहता है और अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने जैसी सुरक्षित परिसंपत्तियों की हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। इसी रणनीति के तहत वह लगातार गोल्ड रिजर्व में इजाफा कर रहा है।

न केवल चीन का गोल्ड रिजर्व लगातार बढ़ रहा है, बल्कि देश के विदेशी मुद्रा भंडार में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। यह भंडार वर्ष 2015 के बाद अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है।

रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, मजबूत अमेरिकी डॉलर और वैश्विक परिसंपत्तियों की बढ़ती कीमतों के बीच चीन का विदेशी मुद्रा भंडार मई के अंत तक 31.7 अरब डॉलर अथवा 0.93 प्रतिशत बढ़कर 3.4422 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया। विश्लेषकों का मानना है कि गोल्ड रिजर्व और विदेशी मुद्रा भंडार में एक साथ हो रही बढ़ोतरी चीन की आर्थिक मजबूती तथा वैश्विक वित्तीय प्रभाव बढ़ाने की व्यापक रणनीति का संकेत है।

राम मंदिर...

हिसाब-किताब रखा जाता है। इस समय भी सभी लेन-देन सही तरीके से चल रहे हैं और सद्भावना व प्रेम बना हुआ है। मंदिर ट्रस्ट के सदस्य ने आगे कहा, 1994 में जब सपा की सरकार थी, तब उन्होंने हमें मार दिया था। उन्हें लगा कि हम मर गए हैं, जबकि हमने केवल राम कहा था। हमारा भगवान राम पर विश्वास तब भी बना रहा। शासन की ओर से उन्हें कोई दंड नहीं मिला, लेकिन भगवान राम ने ऐसा दंड दिया कि वे वहीं समाप्त हो गए। राम जी सब देख रहे हैं, राजनीति करने वाले कुछ भी कह सकते हैं। राम जी पर सभी का विश्वास बना हुआ है। देश में सद्भावना और प्रेम का माहौल है। शासन को हमेशा देश में सद्भावना और प्रेम बनाए रखना चाहिए। घर में कभी लड़ाई-झगड़ा नहीं करवाना चाहिए।

हर व्यक्ति की सोच अलग होती है, कोई कुछ भी बोल सकता है। अंततः राम जी स्वयं न्याय करेंगे और दंड देंगे।

भारत की...

जब प्रजनन दर लगातार घटती है तो समय के साथ जन्म दर भी कम होती है, जिससे जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार धीमी पड़ जाती है और समाज में बुजुर्ग आबादी का अनुपात बढ़ने लगता है। सैंपल रजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में सिर्फ- बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़ और झारखंड ही ऐसे राज्य हैं जहां प्रजनन दर अब भी रिप्लेसमेंट लेवल से ऊपर बनी हुई है।

इजरायल पर...

आगे कहा गया, ईरान की पिछली चेतावनियों के बावजूद, बेरूत के बाहरी इलाकों पर हमला किया गया। इजरायल ने सभी लक्ष्मण रेखाओं को पार किया है और दक्षिणी लेबनान में हमलों को तेज कर दिया है। हमने पहले ही चेतावनी दी थी कि अगर बेरूत के बाहरी इलाकों पर हमले हुए, तो हम हमला करेंगे।

ये भी चेतावनी दी गई कि अगर इजरायल अपने हमले बढ़ाता है या ईरान की कार्रवाई का जवाब देता है, तो उसे और भी विनाशकारी हमलों का सामना करना पड़ेगा। मतलब फिर तबाही शुरू हो जाएगी। वहीं, हिज़्बुल्लाह का कहना है कि उसने ड्रोन और मिसाइलों से इजरायली सैनिकों को निशाना बनाया। राष्ट्रपति ट्रंप को इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के बारे में जानकारी दी गई है।

दूसरी तरफ इजरायली सेना का कहना है कि उसने अब तक ईरान से दागी गई सभी मिसाइलों को रोक लिया है।

मोजतबा खामेनेई...

जबकि कुछ का कहना है कि वे बुरी तरह जख्मी हैं। वहीं, ईरान के मुद्दे पर अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि हम समझौते के बहुत पास हैं। अगर समझौता नहीं भी होता है, तो भी हम किसी न किसी तरह इसे संभाल लेंगे और दोनों ही सूरतों में फायदा हमारा ही होगा। अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष से खाड़ी देशों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। जानकारी के मुताबिक अब अमेरिका इस नुकसान की भरपाई के लिए एक नई रणनीति पर काम कर रहा है, जिसके तहत ईरान के फ्रीज किए गए फंड्स का इस्तेमाल किया जा सकता है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने अपनी टीम को खाड़ी देशों में ईरानी हमलों से हुए नुकसान का आकलन करने का निर्देश दिया है।

अमेरिका ऐसे विकल्प तलाश रहा है, जिनके जरिए प्रतिबंधों के कारण फ्रीज की गई ईरानी संपत्तियों का उपयोग खाड़ी देशों को मुआवजा देने के लिए किया जा सके। उद्देश्य यह है कि भविष्य में अगर ईरान की ओर से किसी प्रकार का हमला होता है और उससे नुकसान होता है, तो उसकी भरपाई इन फंड्स से की जा सके।

गहलोत...

वो कहते हैं कि वो अध्यक्ष बनना चाहते थे, उनकी पूरी तैयारी थी, और उन्होंने खुद पीछे नहीं हटे। बल्कि जो हुआ वो एक साजिश का नतीजा था। उनका कहना है कि इस साजिश की वजह से उनकी छवि को नुकसान पहुंचा और पूरे देश में उनके बारे में गलत धारणा बन गई।

गहलोत ने यह भी कहा कि वो कोई अनपढ़ या अनजान नेता नहीं हैं। उन्होंने कामराज, महात्मा गांधी, नेहरू और सरदार पटेल जैसे बड़े नेताओं का जिक्र किया और कहा कि कांग्रेस में अध्यक्ष पद हमेशा से बहुत सम्मान वाला रहा है। अध्यक्ष बनने के लिए किसी खास परिवार या पृष्ठभूमि की जरूरत नहीं होती।

गहलोत के मुताबिक, सोनिया गांधी और कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें पार्टी अध्यक्ष बनाने का फैसला किया था। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में उनके लिए इस जिम्मेदारी को स्वीकार करना स्वाभाविक था। लेकिन उसी दौरान अचानक कुछ ऐसे घटनाक्रम हुए, जिन्होंने पूरी तस्वीर बदल दी।गहलोत का कहना है कि इस पूरे मामले की असली सच्चाई आज भी बहुत कम लोगों को पता है। वो लगातार लोगों को समझाने की कोशिश करते हैं, लेकिन जो धारणा बन चुकी है वो हटाना आसान नहीं। उनके मुताबिक, वो इसलिए नहीं चूके क्योंकि उनकी इच्छा नहीं थी, बल्कि परिस्थितियां और साजिश इसके लिए जिम्मेदार थी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 08 जून, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

नंद महोत्सव में गूंजा कृष्ण जन्मोत्सव का उल्लास भागवत कथा में मिला सेवा और संस्कारों का संदेश

श्रीमद्भागवत कथा में पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने सुनाया कथामृत

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गिरिराज मंदिर, कोठी के निकट विशा मोड़ गौ भुजा समाज वाड़ी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में परम पावन पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के उपलक्ष्य में व्यासपीठ से पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने कथामृत का रसपान कर रहे भगवत भक्तों को भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्य एवं नंद महोत्सव की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि ङ्गयशोदाफ शब्द का अर्थ हैजो दूसरों को यश दे, जबकि ङ्गनंदफशब्द का अर्थ हैजो दूसरों को आनंद प्रदान करे। माता यशोदा और नंद बाबा के घर बालकृष्ण लालजी का प्राकट्य हुआ और इसी आनंद के प्रतीक स्वरूप नंद महोत्सव मनाया जाता है। इस अवसर पर समस्त ब्रजवासी नंद बाबा और यशोदा माता को बधाइयाँ एवं आशीर्वाद प्रदान करते हैं।

पंडित श्रीमाली ने कहा कि नंद बाबा सदैव चाहते थे कि पूरा गाँव सुखी, समृद्ध और आनंदित रहे। वे सभी का ध्यान रखते थे और इसी कारण सभी के प्रिय थे। जिन व्यक्तियों को समाज का आशीर्वाद प्राप्त होता है, उन्हीं के घर ठाकुरजी का आगमन होता है।

उन्होंने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण के प्राकट्योत्सव के अवसर पर समूचा गोकुल आनंद में झूम रहा है। मांगलिक गीत गाए जा रहे हैं, ब्राह्मणगण स्वस्तिवाचन कर रहे हैं, घर-घर मिठाइयाँ वितरित की जा रही हैं तथा गायों को विशेष रूप से सजाया गया है। नंद भवन को बंधनवारों से सजाया गया है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव दीपावली से भी अधिक उल्लास और आनंद का प्रतीक है, क्योंकि आज अखिल ब्रह्मांड नायक, राजाधिराज, पूर्ण पुरुषोत्तम भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्योत्सव मनाया जा रहा है।

कथा के दौरान पंडित मनोज त्रिवेदी श्रीमाली ने कहा कि जीवमात्र को सदैव यश स्वयं लेने के बजाय परमात्मा, परिवार और सहयोगियों को देना चाहिए, क्योंकि उनके सहयोग के बिना कोई भी व्यक्ति कुछ नहीं कर सकता।उन्होंने कहा कि मनुष्य को जीवन में ऐसे कार्य करने चाहिए, जिनसे दूसरों को आनंद प्राप्त हो। मानव जीवन बार-बार नहीं मिलता, इसलिए देश, धर्म, समाज, वंश, कुटुंब एवं परिवार के लिए ऐसा कार्य करना चाहिए जिसे लोग जीवनभर याद रखें। यह आवश्यक नहीं कि सेवा केवल धन से ही की जाए; तन, मन और वचन से भी समाज की सेवा की जा सकती है।उन्होंने श्रद्धालुओं से आह्वान किया कि जीवन में जो भी आर्थिक प्राप्ति हो, उसमें से कुछ अंश सदैव वंश, कुटुंब, परिवार एवं समाज की सेवा के लिए अवश्य निकालना चाहिए। हमारी पहचान हमारे परिवार, समाज और इष्ट-मित्रों से ही बनती है।

पंडित श्रीमाली ने कहा कि बिना किसी दिखावे के सदैव दूसरों की सहायता करनी चाहिए। यदि हम सबका भला सोचेंगे और समाजहित में कार्य करेंगे तो भगवान श्रीकृष्ण की कृपा से हमारा जीवन भी सफल, सार्थक और धन्य बनेगा।

उन्होंने समाजजनों से आग्रह किया कि वे सदैव समाज को एकजुट बनाए रखने में सहयोग करें तथा मनसा, वाचा, कर्मणा अथवा धन के माध्यम से ऐसा कोई कार्य न करें जिससे किसी समाजजन को मानसिक कष्ट पहुंचे। उन्होंने कहा कि प्रभु सेवा, वंश सेवा, कुटुंब सेवा, समाज सेवा और देश सेवा को जीवन में सर्वोच्च स्थान देना चाहिए। इसी मार्ग में मानव का कल्याण निहित है तथा ईश्वर की कृपा सदैव बनी रहती है। कथा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और उन्होंने भक्ति भाव से कथामृत का श्रवण कर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

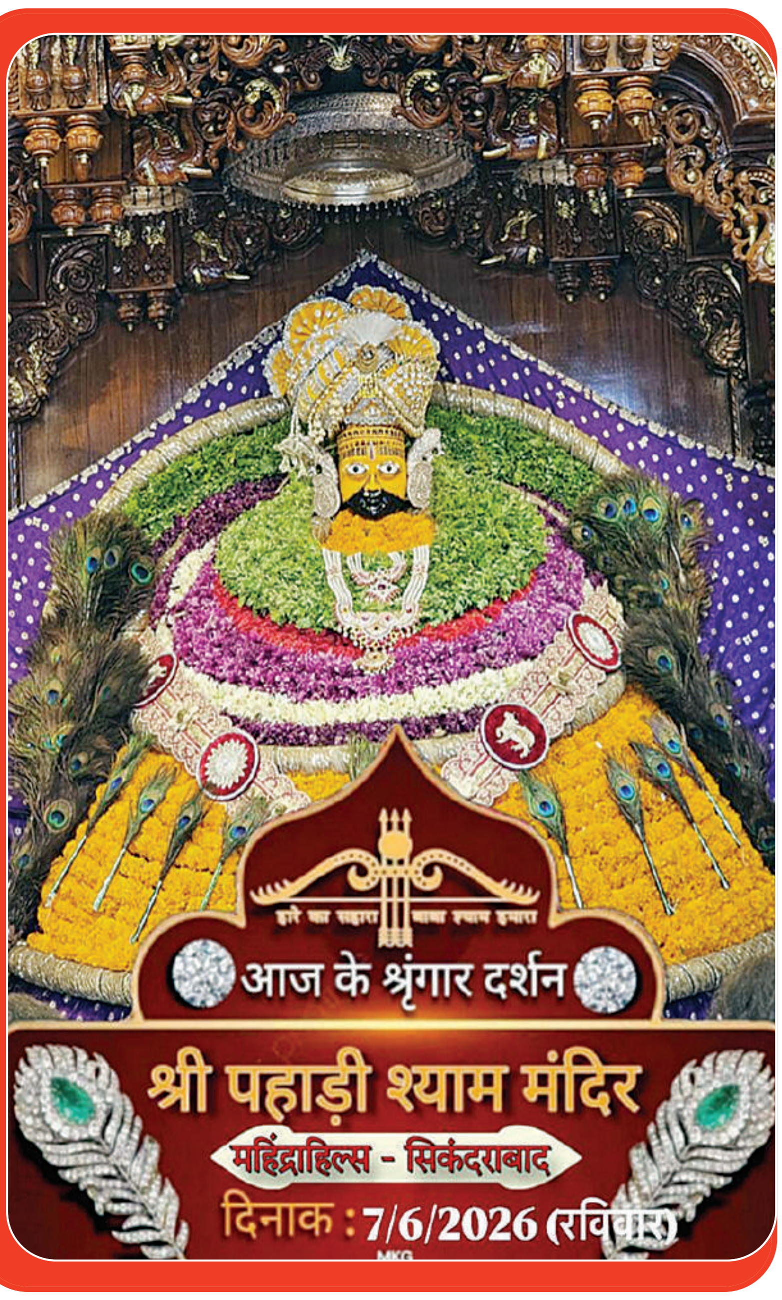

समाज की सच्ची पहचान सेवा और सहयोग से बनती है : भाकर राम कुमावत

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा, समर्पण एवं सेवा भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जरूरतमंद, श्रमिक, राहगीरों एवं निराश्रित जनों को भोजन वितरित किया गया। ग्रुप के सदस्यों ने पूरी आत्मीयता के साथ लोगों की सेवा करते हुए मानवता और परोपकार का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक सहायता पहुंचाने के संकल्प को दोहराया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए भाकर राम कुमावत ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप समाज सेवा का वह आदर्श प्रस्तुत कर रहा है, जिसकी आज के समय में अत्यंत आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि सेवा केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं होती, बल्कि किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाने, उसकी पीड़ा को समझने और कठिन समय में उसका सहारा बनने का नाम भी सेवा है। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ निरंतर कार्य कर रहा है और समाज में मानवीय मूल्यों को सशक्त बना रहा है।

भाकर राम कुमावत ने कहा कि वर्तमान समय में सामाजिक एकता और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य बिना किसी जाति, वर्ग, भाषा या धर्म का भेदभाव किए मानव सेवा में जुटे हुए हैं, जो वास्तव में भारतीय संस्कृति की नर सेवा ही नारायण सेवा की भावना को चरितार्थ करता है। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग एक-दूसरे के दुख-दर्द को अपना समझकर सहायता के लिए आगे आते हैं, तब एक स्वस्थ, मजबूत और संवेदनशील समाज का निर्माण होता है। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, राज कुमारी अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, गोपाल गोयल, भाकर राम कुमावत, पाबुराम पीपावत, जगन गुप्ता, मनीष चिंडालिया एवं जय प्रकाश सारड़ा सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई। कार्यक्रम का समापन सभी के सुख, समृद्धि एवं समाज के कल्याण की मंगलकामनाओं के साथ हुआ।

अग्रवाल समाज ज्ञानबाग कॉलोनी शाखा द्वारा छाछ वितरण सेवा आयोजित

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज के युवा कार्यक्रम संघ द्वारा ज्ञानबाग कॉलोनी सर्किल स्थित हनुमान मंदिर के समीप भीषण गर्मी से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से छाछ वितरण सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राहगीरों, श्रमिकों एवं जरूरतमंद लोगों को शीतल छाछ वितरित कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में युवा कार्यक्रम संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए छाछ वितरण सेवा को सफल बनाया। उपस्थित पदाधिकारियों में ज्ञानबाग कॉलोनी शाखा के उपाध्यक्ष श्री सुशील गोयल, अध्यक्ष श्री जितेन्द्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुश्री तनिषा अग्रवाल, सुश्री तनुश्री अग्रवाल, श्री तुषार गाड़िया एवं श्री नैतिक अग्रवाल शामिल रहे।

कार्यक्रम में सदस्यगण श्री गाड़िया, सुश्री ईशा गुप्ता, सुश्री कनक अग्रवाल एवं श्री कौशिक अग्रवाल सहित अन्य समाजजन उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सहयोग और सहभागिता से छाछ वितरण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

युवा कार्यक्रम संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि समाज सेवा एवं जनकल्याण के उद्देश्य से भविष्य में भी इस प्रकार के सेवा कार्यों का आयोजन निरंतर किया जाता रहेगा। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी के दौरान जरूरतमंदों को राहत पहुंचाने के लिए इस तरह के कार्यक्रम समाज के प्रति जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का परिचायक हैं।

कार्यक्रम के दौरान क्षेत्रवासियों एवं राहगीरों ने युवा कार्यक्रम संघ की इस सेवा भावना की सराहना करते हुए इसे प्रेरणादायी पहल बताया।

आचार्य प्रवरश्री ज्ञानचंद्रजी म.सा. का भव्य त्रयनगर मंगल प्रवेश संपन्न

श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के बीच हुआ ऐतिहासिक स्वागत, बड़ी संख्या में उमड़े श्रद्धालु

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। परम पूज्य युगदृष्टा, युगसम्राट एवं प्रकाण्ड विद्वान आचार्य प्रवर श्री ज्ञानचंद्रजी म.सा. आदि ठाणा एवं चतुर्विध संघ के पावन सान्निध्य में आज श्री जैन श्रावक संघ कोरा (छावनी), सिख विलेज, सिकंदराबाद की पावन धरा पर भव्य एवं ऐतिहासिक त्रयनगर मंगल प्रवेश समारोह श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ संपन्न हुआ।

श्री जैन सेवक संघ कोरा के मंत्री श्री अनिल तातेड ने जानकारी देते हुए बताया कि आचार्य प्रवर श्री ज्ञानचंद्रजी म.सा. का वर्ष 2026 का चातुर्मास श्री जैन श्रावक संघ ग्रेटर हैदराबाद, काचीगुड़ा में संपन्न होगा। इसी क्रम में रविवार, 7 जून को प्रातः 9:00 बजे शांतिलाल जी, मनोज कुमार जी एवं राकेश कुमार जी तालेड़ा के निवास स्थान से विशाल मंगल प्रवेश यात्रा प्रारंभ होकर आनंद जैन भवन, कोरा संघ पहुँची।

इस अवसर पर काचीगुड़ा संघ, अमीरपेट संघ एवं त्रयनगर संघ सहित विभिन्न क्षेत्रों के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तथा जय-जयकारों और धर्ममय वातावरण के बीच आचार्य भगवंत एवं महासतीजी का भव्य मंगल प्रवेश हुआ।

सभा का शुभारंभ महासतीजी के मंगलाचरण से हुआ। तत्पश्चात मंत्री श्री अनिल तातेड ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए आचार्य भगवंत एवं आदि ठाणा के आहार-विहार की सुखसाता पूछी तथा अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि कोरा संघ का यह महान सौभाग्य और पुण्योदय है कि आचार्य प्रवर का पावन पदार्पण संघ में हुआ है।

इसके पश्चात श्री संतोष कोठारी ने भावपूर्ण स्तवन प्रस्तुत किया तथा काचीगुड़ा संघ के चंदनबाला बहु मंडल द्वारा स्वागत मंगल गीत की मनोहारी प्रस्तुति दी गई।

कोरा संघ के अध्यक्ष श्री गौतमचंद श्रीश्रीमाल ने स्वागत भाषण देते हुए सभी आगंतुकों का अभिनंदन किया। काचीगुड़ा संघ के संघपति श्री स्वरूपचंद जी कोठारी ने आचार्य भगवंत की लगभग 1300 किलोमीटर की कठिन एवं प्रेरणादायी विहार यात्रा का उल्लेख करते हुए इसे समाज के लिए गौरव का विषय बताया। वहीं अध्यक्ष श्री अनराज जी बाफना ने भी अपने श्रद्धाभाव व्यक्त किए।

अपने ओजस्वी प्रवचन में आचार्य प्रवर श्री ज्ञानचंद्रजी म.सा. ने धर्म, संयम, आत्मकल्याण एवं संस्कारों का संदेश देते हुए उपस्थित जनसमुदाय को प्रेरित किया। उन्होंने जीवन में सदाचार, आध्यात्मिकता एवं धर्म के महत्व पर प्रकाश डाला।

प्रवचन के उपरांत कोरा संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने विनम्र निवेदन किया कि 8 जून का प्रवचन भी आनंद जैन भवन में ही प्रदान किया जाए। श्रद्धालुओं की भावना का सम्मान करते हुए आचार्य भगवंत ने सोमवार, 8 जून को प्रातः 8:45 बजे आनंद जैन भवन में प्रवचन प्रदान करने की सहमति प्रदान की।

कार्यक्रम के समापन पर श्री जैन श्रावक संघ कोरा की ओर से गौतम प्रसादी का आयोजन किया गया। इस सफल आयोजन में श्री वर्धमान महिला मंडल एवं श्री आनंद जैन युवा मंडल का सराहनीय सहयोग रहा।

आचार्य भगवंत के स्वागत में उमड़ा अपार जनसैलाब, श्रद्धा और भक्ति से ओत-प्रोत वातावरण तथा समाजजनों का उत्साह इस मंगल प्रवेश को अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक बना गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इसे समाज के लिए प्रेरणादायी एवं गौरवपूर्ण अवसर बताया।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति और गौमाता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने का संकल्प

अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद में डॉ. बसंत गोयल का ऐलान

नई दिल्ली, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति एवं जनजागरण के उद्देश्य से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद में देश-विदेश से आए 300 से अधिक संत-महात्माओं, धर्माचार्यों एवं सनातन धर्म के अनुयायियों ने एक स्वर में श्रीकृष्ण जन्मभूमि के अधिकार तथा गौमाता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने का संकल्प लिया। राजधानी में आयोजित इस महत्वपूर्ण धर्म संसद में गोयल मेडिकोस के सीईओ एवं संस्थापक डॉ. बसंत गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने धर्म, संस्कृति एवं राष्ट्रहित के लिए अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद का आयोजन श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाने तथा इसके प्रति व्यापक जनजागरण करने के उद्देश्य से किया गया था। इस दौरान सभी उपस्थित संतों एवं धर्माचार्यों ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि को उसके वास्तविक स्वरूप में पुनः स्थापित करने तथा सनातन परंपराओं की रक्षा के लिए एकजुट होकर संघर्ष करने का आह्वान किया।यह संपूर्ण कार्यक्रम पूज्य फलाहारी महाराज दिनेश शर्मा जी के पावन सान्निध्य, मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद में सम्पन्न हुआ। उनके नेतृत्व में आयोजित इस धर्म संसद ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति के लिए चल रहे जनजागरण अभियान को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान की। इस अवसर पर डॉ. बसंत गोयल ने भावुक एवं ओजस्वी शब्दों में अपना संकल्प व्यक्त करते हुए कहा कि श्रीकृष्ण जन्मभूमि केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। उन्होंने कहा कि वर्षों से सनातन समाज अपनी इस पवित्र जन्मभूमि के अधिकार के लिए संघर्ष कर रहा है और अब समय आ गया है कि इस मांग का न्यायपूर्ण समाधान हो। डॉ. गोयल ने सभा के समक्ष विशेष प्रतिज्ञा लेते हुए कहा कि यदि श्रीकृष्ण जन्मभूमि का अधिकार सनातन समाज को नहीं मिलता और गौमाता को राष्ट्रीय माता का सम्मान प्राप्त नहीं होता, तो वे अपने जीवन को भी इस उद्देश्य के लिए समर्पित करने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि उनके जीवन के दो प्रमुख लक्ष्य हैंपहला, गौमाता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाना और दूसरा, श्रीकृष्ण जन्मभूमि का अधिकार प्राप्त करना।

उन्होंने कहा कि सनातन परंपराओं और धार्मिक अधिकारों की रक्षा प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। श्रीकृष्ण जन्मभूमि करोड़ों श्द्धालुओं की आस्था का केंद्र है और इसके सम्मान एवं अधिकार की रक्षा समाज का दायित्व है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित संत-महात्माओं एवं धर्माचार्यों ने समाज को धर्म, संस्कृति और राष्ट्रीय मूल्यों की रक्षा के लिए एकजुट होकर आगे आने का आह्वान किया। वक्ताओं ने कहा कि जनजागरण के माध्यम से समाज में जागरूकता बढ़ाई जाएगी तथा शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक तरीकों से अपनी बात देश के सामने रखी जाएगी।

धर्म संसद में विभिन्न संतों और धर्माचार्यों ने श्रीकृष्ण जन्मभूमि के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल भूमि का प्रश्न नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक विरासत और सनातन सभ्यता के सम्मान का विषय है।कार्यक्रम में उपस्थित श्द्धालुओं एवं धर्मप्रेमियों ने भी इस अभियान के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया। विशेष रूप से डॉ. बसंत गोयल की प्रतिज्ञा ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया। उनके संकल्प को अनेक संतों और धर्माचार्यों ने सराहा तथा इसे धर्म और संस्कृति के प्रति उनकी निष्ठा का प्रतीक बताया।

उपस्थित जनसमूह ने भी उनके संकल्प का समर्थन करते हुए ङ्गजय श्रीकृष्णफ और ङ्गौमाता की जयफके जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कार्यक्रम के अंत में सभी संतों, धर्माचार्यों एवं उपस्थित श्द्धालुओं ने राष्ट्र, धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए मिलकर कार्य करने तथा श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति एवं गौसंरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।

अंतर्राष्ट्रीय धर्म संसद के इस आयोजन को सनातन समाज के लिए एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है। इसने श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन तथा गौमाता को राष्ट्रीय माता का दर्जा दिलाने की मांग को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना दिया है।

सेवा और परोपकार से ही बनता है सशक्त समाज : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने आयोजित नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, समर्पण एवं मानव सेवा की भावना के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य में शामिल सभी सदस्यों ने समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए मानवता की मिसाल प्रस्तुत की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमारी अग्रवाल (शिमला वाले परिवार) ने कहा कि सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है और मानवता की सच्ची पहचान भी। उन्होंने कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति केवल आर्थिक विकास से नहीं बल्कि उसके लोगों के भीतर मौजूद संवेदनशीलता, करुणा और परोपकार की भावना से होती है।

जब हम किसी भूखे को भोजन, प्यासे को पानी और जरूरतमंद को सहयोग प्रदान करते हैं, तब वास्तव में हम ईश्वर की सेवा कर रहे होते हैं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने सेवा कार्यों को और अधिक व्यापक बनाने तथा अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम में श्रद्धा, सहयोग और समर्पण का वातावरण बना रहा तथा सभी ने मानव सेवा को जीवन का सर्वोच्च उद्देश्य बताया।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, अनिल धरसुवाले अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, मीना अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, मोहित अग्रवाल, प्रवीण विजयवर्गीय, रेनू शर्मा, सुनीता अग्रवाल एवं वीणा मालपानी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की।

गंगा दशहरा पर बाबा गंगाराम की भव्य भजन संध्या आयोजित

प्रणवा वन में सजा पंचदेव दरबार, भजनों की अमृत वर्षा से भक्त हुए भावविभोर

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। गंगा दशहरा के पावन पर्व पर झुंझुनू वाले विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी की विशाल भजन संध्या का आयोजन पंजागुट्टा स्थित प्रणवा वन में श्री अशोक केजरीवाल के निवास स्थान पर श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, परिवारजनों एवं मित्रों ने भाग लेकर बाबा गंगाराम जी का गुणगान किया।

इस अवसर पर श्री बाबा गंगाराम जी, भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन जी, माता गायत्री देवी, लक्ष्मी माता, भगवान शिव परिवार, श्री हनुमानजी तथा माँ दुर्गा सहित पंचदेव दरबार का भव्य एवं अलौकिक श्रृंगार किया गया। सुसज्जित दरबार ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक वातावरण का अनुपम अनुभव कराया।

हैदराबाद के प्रख्यात भजन गायक श्री घनश्याम शर्मा ने अपने मधुर एवं भक्तिमय भजनों की प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजन संध्या के दौरान पूरा वातावरण भक्तिरस से सराबोर हो गया और श्रद्धालु भक्ति भाव में झूम उठे।

जानकारी के अनुसार गंगा दशहरा के पावन दिवस पर ही भक्त शिरोमणि श्री देवकीनंदन जी द्वारा झुंझुनू में बाबा गंगाराम धाम एवं श्री पंचदेव मंदिर का निर्माण कराया गया था। इसी उपलक्ष्य में आगामी 24 जून को झुंझुनू में भव्य धार्मिक आयोजन किया जाएगा, जिसमें देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।

कार्यक्रम में बाबा गंगाराम सेवा समिति, हैदराबाद के सभी सदस्य उपस्थित रहे। भजन संध्या के समापन पर श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया तथा बाबा गंगाराम जी के जयकारों के साथ आयोजन का समापन हुआ।

श्री जैन महिला मंडल मलकपेट के नए पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन

ललिता डागा बनीं अध्यक्ष, सुनीता सिंघवी उपाध्यक्ष एवं चन्द्रा गादिया मंत्री मनोनीत

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

श्री जैन महिला मंडल, मलकपेट की महत्वपूर्ण बैठक बम्ब सिंघी भवन, मलकपेट में मंडल की अध्यक्ष श्रीमती संगीता कोठारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में मंडल की सदस्याएं उपस्थित रहीं।

आज यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार सभा का शुभारंभ मंगलाचरण एवं भगवान महावीर की स्तुति के साथ हुआ। सर्वप्रथम अध्यक्ष श्रीमती संगीता कोठारी ने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया तथा अपने कार्यकाल के दौरान मंडल के तत्वावधान में आयोजित विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके पश्चात उन्होंने विगत कार्यकाल का आय-व्यय विवरण सभा के समक्ष रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

बैठक में मंडल की मार्गदर्शक श्रीमती कान्ताबाई कोठारी ने आगामी दो वर्षों के लिए नए पदाधिकारियों के चयन का प्रस्ताव रखा, जिसका उपस्थित सभी सदस्यों ने एक स्वर में समर्थन किया।

इसके पश्चात नए पदाधिकारियों के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ हुई और सर्वसम्मति से आगामी दो वर्षों के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

नई कार्यकारिणी में श्रीमती कान्ताबाई कोठारी एवं श्रीमती ज्ञाना कोठारी को मार्गदर्शक, श्रीमती ललिता डागा को अध्यक्ष, श्रीमती सुनीता सिंघवी को उपाध्यक्ष, श्रीमती चन्द्रा गादिया को मंत्री तथा श्रीमती शीला रांका को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का उपस्थित सदस्यों ने पुष्पगुच्छ एवं शुभकामनाओं के साथ स्वागत किया तथा मंडल की भावी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं सफल बनाने की आशा व्यक्त की।

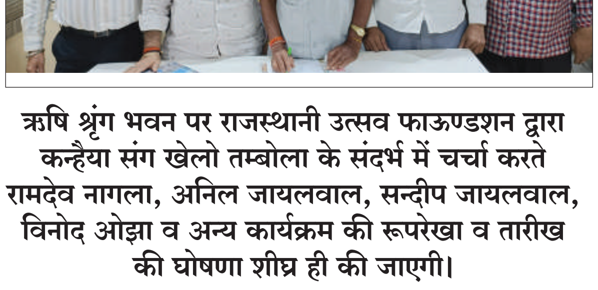

ऋषि श्रृंग भवन पर राजस्थानी उत्सव फाऊण्डशन द्वारा कन्हैया संग खेलो तम्बोला के संदर्भ में चर्चा करते रामदेव नागला, अनिल जायलवाल, सन्दीप जायलवाल, विनोद ओझा व अन्य कार्यक्रम की रूपरेखा व तारीख की घोषणा शीघ्र ही की जाएगी।

किशन रेड्डी ने एचवाईडीआरएए वाली टिप्पणी पर रेवंत रेड्डी की आल-ोचना की

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (एचवाईडीआरएए) और हैदराबाद में तोड़-फोड़ की कार्रवाई को लेकर की गई टिप्पणियों की कड़ी आलोचना की।

श्री किशन रेड्डी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी लगातार आपातकाल वाली मानसिकता दिखा रही है और उन्होंने मुख्यमंत्री पर तानाशाही रवैये को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

नवाणु यात्रा पूर्ण करने वाले यात्रियों का भव्य अभिनंदन एवं सम्मान

श्री कुलपाकजी तीर्थ यात्रा संघ एवं प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन ने किया सम्मान समारोह का आयोजन

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

काचीगुड़ा स्थित आर.के. कॉम्पलेक्स में श्री कुलपाकजी तीर्थ यात्रा संघ एवं प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में श्री शत्रुंजय तीर्थ की नवाणु यात्रा (99 यात्रा) पूर्ण करने वाले यात्रियों के सम्मान एवं अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।

यहां जारी प्रेस विज्ञप्ति में प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की कोषाध्यक्ष तोरल रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि पालीताना से हैदराबाद आगमन पर आयोजित इस विशेष अभिनंदन समारोह में 13 वर्षीय विहान अतुल सायला एवं दीप्ती अतुल सायला का सम्मान किया गया।

श्री कुलपाकजी तीर्थ यात्रा संघ की ओर से हंसकुमार शाह एवं गीता शाह तथा प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की ओर से अध्यक्षा जया रमेश जागीरदार, उपाध्यक्ष कांतीलाल शाह एवं विजय जागीरदार ने यात्रियों का अभिनंदन किया।

अवसर पर नवाणु यात्रा पूर्ण करने वाले यात्रियों का शॉल, श्रीफल एवं माल्यार्पण कर सम्मान किया गया। विहान सायला ने 49 दिनों में शत्रुंजय तीर्थ की 103 यात्राएं पूर्ण कीं, जबकि दीप्ती सायला ने 25 दिनों में 49 यात्राएं पूर्ण कर उल्लेखनीय साधना का परिचय दिया। हैदराबाद से लगभग 100 बालक-बालिकाओं ने नवाणु यात्रा में भाग लेकर उत्साहपूर्वक अपनी यात्रा पूर्ण की।

कार्यक्रम से पूर्व श्री शांतिनाथ जिनेश्वरधाम मंदिर में यात्रियों ने परमात्मा के दर्शन-वंदन किए। इसके पश्चात पारंपरिक ढोल-नगाड़ों के साथ उनके निवास स्थान तक भव्य वरघोड़ा निकाला गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु शामिल हुए।

कार्यक्रम के पश्चात सभी उपस्थित जनों के लिए जैन भोजन की विशेष व्यवस्था की गई।

इस अवसर पर फाउंडेशन की अध्यक्षा जया रमेश जागीरदार ने कहा कि जैन धर्म में नवाणु यात्रा (99 यात्रा) को त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का चरम शिखर माना जाता है। शत्रुंजय (पालीताना) अथवा गिरनार जैसे सिद्ध एवं पवित्र तीर्थ क्षेत्रों पर 99 बार चढ़ाई करना कोई साध-ारण कार्य नहीं, बल्कि गहरी आस्था, मानसिक दृढ़ता एवं आध्यात्मिक समर्पण का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि जैन मान्यता के अनुसार आत्मा 84 लाख योनियों में भटकती रहती है। 99 की संख्या को पूर्णता की ओर अग्रसर होने का प्रतीक माना गया है। प्रत्येक यात्रा के साथ साधक यह भावना रखता है कि उसके जन्म-जन्मांतर के पापकर्मों की निर्जरा हो और आत्मा मोक्ष मार्ग की ओर अग्रसर हो।

हंसकुमार शाह ने कहा कि नवाणु यात्रा केवल पर्वतारोहण नहीं, बल्कि कठोर संयम और साधना का मार्ग है। इसके नियम अत्यंत अनुशासित एवं कठिन होते हैं।

कल्पना शाह ने कहा कि जो भी भव्य जीव दृढ़ संकल्प के साथ नवाणु यात्रा पूर्ण करते हैं, उनका जीवन धन्य हो जाता है। यह यात्रा जैन संस्कृति और तपस्या की उस महान परंपरा का जीवंत उदाहरण है, जो आधुनिक युग में भी लोगों को अपनी जड़ों, संस्कारों और अध्यात्म से जोड़े हुए है।

इस अवसर पर वाडीलाल खरगांधी, विजय जागीरदार, मनीष नागड़ा, पारस जागीरदार, सिद्धार्थ शाह, नवीन गादिया, गौतम लोडाया, अतुल शाह, मनोज मझेठिया, भावेश वोरा, जयेश पटेल, नीतिन मशरू, प्रकाश पांडे, मनोहर पारीख, विक्रम जैन, कल्पना शाह, मधु जागीरदार, गुणमाला विरचंद लोडाया, मीनाक्षी नागड़ा, यक्षा नागड़ा, अपर्णा लोडाया, केतकी राहुल सायला, विद्याबेन खरगांधी, कविता गांधी, ललिता, समता मझेठिया, शीतल वोरा सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

समारोह श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ तथा उपस्थित जनों ने यात्रियों की तपस्या और साधना की मुक्तकंठ से सराहना की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.